

## अनु एक म অবৈতনিক ও বাখ্যতায়ূলক শিক্ষা জ্নস্থাস্থ্য ও নৈতিকতা সুযোগের সমতা 221 অবিকার ও কর্তব্যরূপে কর্ম 201 नागतिक उ अत्काती कर्मातीएत कर्या 201 নিবাহী বিভাগ হইতে বিচারবিভাগের পৃথকীক্রন জाতीय मध्यु ि 201 জাতীয় স্মৃতিনিদ্শন প্রভৃতি 281 ২৫। আনুর্জাতিক শান্তি, নিরাপতা ও সংহতির উন্নয়ন তৃতীয় ভাগ মোলিক অধিকার মৌনিক অধিকারের সহিত অসমঞ্জ স আইন বাতিল आहेत्नत पृष्टिक ममना ধর্ম প্রভৃতি কারনে বৈষম্য 261 সরকারী নিয়োগনাভে সুযোগের সমতা 221 উপाश्चि, असान उ ভূষ ते वित्नान जार्यन 1001 आहेरात आश्रमार्डत अधिकात 931 জीयन उ व्यक्ति-म्यायीनगर व्यविकात-त्रक्रन 150 গ্রেম্বার ও আটক সম্পর্কে রক্ষাকবচ 1001 জ্বর্দন্তি-শ্রম নিষিদ্ধকর্ন 180 বিচার ও দন্ত সম্পর্কে রক্ষণ 1001 ०७। इलाटक तात स्राधीन जा ৩৭। সমাবেশের স্থাধীনতা ७६। अश्भिठत्मत् स्राधीनजा 121

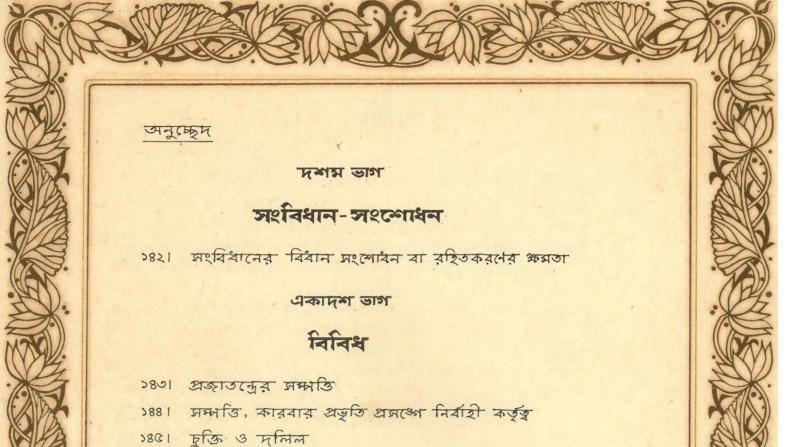
### अनु एकु प हिना अ विदिक्त मानीनजा प्रयः वाक्-मानीनजा 00) পেশা বা বৃত্তির স্থানীনতা 801 ধর্মীয় স্থাধীনতা 168 রক্ষতির অধিকার 821 श्र 3 त्याशात्यात्शव वक्षन 108 মৌলিক অধিকার বলবংকর+ 881 শৃঙ্খলামূলক আইনের ক্ষেত্রে অধিকারের পরিবর্তন 128 দামমুক্তি-বিশানের শমতা 198 কভিপম আইনের হেফাজ্ত 891 চতুর্থ ভাগ নিৰ্বাহী বিভাগ ১ম পরিচ্চেদ্- রাষ্ট্রপতি রাষ্ট্রপতি 851 ক্ষমাপ্রদর্শনের অধিকার 821 রাষ্ট্রপতি-পদের মেয়াদ 100 রাষ্ট্রপতির দায়মুক্তি 100 রাষ্ট্রপতির অভিশংজন 321 অসামর্থের কার্নে রাষ্ট্রপতির অপসারন 100 অনুপদ্ধিতি প্রভৃতির কালে রাষ্ট্রপতি-পদে স্মীকার 180 ২য় পরিচ্ছেদ-প্রধানমন্ত্রী ও মন্ত্রিসভা असि जना 100 मित्रिशन 691 श्रिश्रानमनीत भएत अग्राप 691 अन्यान्य मन्त्रेत भएत समाप 193 ৩য় পরিচ্ছেদ্– স্থানীয় শাসন आनीम भाजन 101

# अनु एकु प ७०। ज्ञानीय गाजन-ज्ञानु अविशातन क्षमजा ৪র্থ পরিচ্চেদ-প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগ ৬১। সুর্যাখিনামুকতা ৬২। প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগে ভর্তি প্রভৃতি 901 युक्त एम श्र<u>तित्कृत</u> गाउँ नि-क्लनात्नल ७४। ज्याप्टिन - एक नार्यन পঞ্চম ভাগ আইনসভা ১ম পরিচ্ছেদ- সংসদ 401 সংসদ্-প্রতিষ্ঠা ज्ञाम नियां हिल इरेया सागुला अ जासागुला 331 ७१। जर्मरम्य जामन सूना रउमा সংসদ্-সদ্স্দের বেতন প্রভৃতি 461 मामाधारतिक भूदि याजनधरते वा छाउँमान कविला 431 जम्बाद व्यथम्ड वाङ्गिकिक प्रम रहेरा भम्जाश वा प्रमा विभाक 901 ভোটদানের কার্পে আজন শুন্য হওয়া 951 देवु - जम्जा जाम वावा ज्ञाप्त अविद्यमन 921 ৭৩। সংসদে রাষ্ট্রপতির ভাষ্ণ ও বানী अभीकात उ उप्पृटि स्रोकात 981 কামপ্রণালী-বিশি, কোরাম প্রভৃতি 981 १७। ज्ञाप्त मासी किपिनिसूर १९। नाम्याल ৭৮। সংসদ ও সদ্স্যদের বিশেষ-অবিকার ও দায়মুক্তি 181

# अनु दक्ष्म १३। जः अप- मिवालम ২য় পরিচ্ছেদ্ – আইনপ্রনিয়ন ও অর্থা -সংক্রান্ত পদ্ধতি आदेनस्रनम्बन-भक्ति अर्थित । 3-21 আর্থিক ব্যবস্থাবলীর সুপারিশ **अश्माद्य आर्थन युजीज कहा (हा लिया)** সংমুক্ত তহবিল ও প্রক্তাতন্ত্রের সরকারী হিদাব 184 be। अवकावी अत्यंत निम्नुन ৮৬। প্রজাতন্ত্রের সরকারী হিদাবে প্রদেম অর্থ বার্ষিক আর্থিক বিবৃতি 691 ৮৮। সংমুক্ত তহবিলের উপর দাম বার্ষিক আর্থিক বিবৃতি সন্দর্কিত পদ্ধতি 521 निर्मिकेक्वन आरेन 201 সদ্পূরক ও অতিরিক্ত মঞ্রী 201 হিসাব, ঋণ প্রভৃতির উপর ভোট 221 ৩য় পরিচ্চেদ- অধ্যান্তদশপ্রনয়মতা २०। अर्देशास्त्राञ्चनेम्न-अभ्या ষ্ঠ ভাগ বিচারবিভাগ ১ম পরিচ্ছেদ- সুপ্রীম কোর্ট मुस्रीम कार्ट-श्रुिका २०। विठातक-नियाभ বিচারকদের পদের মেমাদ 231 २५। अमुग्री अधान विहादमि -निस्मानः দুপ্রীম কোর্টের অতিরিক্ত বিচারকগন 26-1 অবসর্গ্রহনের পর বিচারকদের অক্ষয়তা

## ञनुस्कृप जुल्लीम कार्टें जानन 2001 হাইকোর্ট বিভাগের এখতিমার 1606 নৌনিক অধিকার বলবংকরণ প্রদর্ভে এবং কতিসম আদেশ 3021 उ निर्देश প্রভৃতি -দানের ক্ষেত্রে হাইকোর বিভাগের ক্ষমতা আপীল বিভাগের এপতিয়ার 1000 আপীল বিভাগের প্রোয়ানা জারী ও নির্বাহ 1800 आशील विভाग कर्क बाग्न वा आफ्न यूनर्विवहना 10001 जुलीम कार्दिन डेमएछोमूनक पथिमान 2041 जुञ्चीय कार्देत विविश्वनेम्न-अभ्या 1000 "কোট অব্ রেকর্ড"রূপে লুপ্রীয় কোর্ট 2061 আদালত সমূহের উপর তথাবধান ও নিম্মু+ 1600 अवस्त आमान्य दरेख रारेकार्ड विज्ञाल मामना मानातुन 1000 मूधीम कार्टिन नार्यन याँगुणसूनक कार्यकन्छा 2221 जुलीम कार्टिन जराम्जा 7251 मुखीम कार्टिन कर्मानिशन 1000 ২য় পরিচ্চেদ্- অধ্যান আদালত 2281 অर्यमुन ज्यापालउप्रमूर-शिकी 1:066 अवस्त आमान्य निरमान अश्रम आमानजनमूर्दर निम्तुन उ मृश्यना ৩য় পরিচ্ছেদ্- প্রশাসনিক ট্রাইব্যুনাল ১১१। প্रশासनिक देरिद्यानानसमूर সপ্তম ভাগ নিৰ্বাচন ১১৮৷ নির্বাচন কমিলন -প্রতিষ্ঠা नियां कि कि कि मारिय ২২০। নির্বাচন করিশনের কর্মচারিগন ১২১। প্রতি এলাকার জ্ন্য একটিমাত্র ভোটার-তালিকা 151

# अनु एकु म ১২২। ভোটার-তালিকাম নামভুক্তির মোগ্যতা २२०। निर्वाहन-अनुष्ठातन् जनम् ১১৪। নির্বাচন সম্পর্কে সংসদের বিধান-প্রন্মনের ক্ষরতা ११७। निर्याहनी आहेन अ निर्याहतन विधवा ১১৬। নির্বাচন কয়িশনকে নির্বাহী কর্পঞ্চের সহায়তাদান অন্টম ভাগ সহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিয়ন্তক ১২৭। রহা হিনাব-নিরীক্ষক -পদের প্রতিষ্ঠা ১১৮। মহা হিলাব-নিরীক্ষকের দামিত্ব ১১৯। अरा रिजाय-नितीक्राकत कर्जात त्रिमाप ১৩০। অদ্যামী মহা হিসাব-নিরীক্ষক ১৩১। প্রজাতনের হিদাব-রক্ষার আকার ও পদ্ধতি ১৩২। সংঘদে মহা হিলাব-নিরীঞ্চকের রিপোর্ট উপদ্যাপন নবম ভাগ বাংলাদেশের কর্মবিভাগ ১ম পরিচ্ছেদ্- কর্মবিভাগ ১৩৩। नित्याभ 3 कहाँ नर्जायली ১৩৪। কর্মের স্নেমাদ ১৩৫। অসামরিক সরকারী কর্মচারীদের বর্খাদ্র প্রভৃতি १७७। कर्मविजाश-भूनश्रीन ২য় পরিচ্ছেদ্- সরকারী কর্ম কমিশন ক্ষিশ্ন-প্রতিষ্ঠা जम्बा- नियान 1006 २०२। अत्मृत सिमाप् ১৪০। কলিশনের দামির 2821 वार्षिक विलाहें 191



वाःनात्मात्मव नात्म बाबना

প্রচলিত আইনের হেফাজ্ত

১৫৩। প্রবর্তন, উল্লেখ্য ও নির্ভর্যোগ্য সাঠ

श वादिभाजि-नियांकन

ा ममय उ स्त्राम्नी

भरम्य मामया

রহিতকর্ন

युगभूग

কতিপম্ পদাধিকারীর পারিশ্ররিক প্রভৃতি

कान्तिकालीन अ अमृाग्नी विधानायली

ত্যাসল

8। कानुकालीन ও अष्ट्राग्नी विधानावली

161

3। अन्याना विधान माखु कार्यकर आहेन

1886

2891

186

1006

1606

1500

#### श्रमाबना

তি আমরা, বাংলাদেশের জ্নমন, ১৯৭১ খ্রীন্টান্ত্রের রার্চ রাজের ২৬ তারিখে দ্বাধীনতা ঘ্রোমনা করিয়া জাতীয় মুক্তির জ্ন্য ঐতিহাদিক সংগ্রামের মাধ্যমে দ্বাধীন ও দার্কভৌম প্রশ্বজ্ঞাতন্ত্রী বাংলাদেশ প্রতিষ্ঠিত করিয়াচি;

সায়য়া অজ্গীকার করিতেচ্ছি মে, মে সকল য়হান্ আদৃশ আয়াদের বীর জনগণকে জাতীয় য়ুক্তিসংগ্রামে আঅনিমোগ ও বীর শহীদ্দিগকে স্রানোৎসর্গ করিতে উদুদ্ধ করিয়াছিল— জাতীয়তাবাদ, য়য়াজ্তন্ত্র, গণতন্ত্র ও বর্ষনিরপেক্ষতার মেই সকল সাদৃশ এই সংবিধানের য়ূলনীতি হইবে;

আয়য়া আয়ও অঙ্গীকার করিতেছি য়ে,
আয়াদের রাণ্ট্রের অন্যতম মূল লক্ষ্য হইবে গণতারিক
পদ্ধতিতে এয়ন এক শোষ্ট্রপক্ত য়য়াজতারিক সয়াজের
প্রতিষ্ঠা— মেখানে সকলা নাগরিকের জন্য আইনের
শাসন, য়ৌলিক মানবাধিকার এবং রাজনৈতিক,
অর্থনৈতিক ও সায়াজিক সায়্য, য়ৢাধীনতাও সুবিচার
নিশ্চিত হইবে;

আয়য়া দৃঢ়ভাবে ঘোষনা করিতেছি মে, আয়য়া
মাহাতে দ্বাঁধীন দত্তায় সয়ৃদ্ধি লাভ করিতে পারি এবং
য়ানবজাতির প্রগতিশীল আশা- আকা শুরার সহিত
দেশত বিশ্বা করিয়া আরুর্জাতিক শারি ও দহমোগিতার
ক্ষেত্রে পুর্ন ভূমিকা পালন করিতে পারি, দেইজন্য
বাংলাদেশের জনগণের অভিপ্রায়ের অভিব্যক্তিদ্বর্গ
এই দংবিধানের প্রাধান্য অক্ষুর্র রাখা এবং ইহার
রক্ষণ, সয়য়ন ও নিরাপত্তাবিধান আয়াদের পবিত্র
কর্তব্য;

এতদ্বারা আয়াদের এই গনপরিষদে, অদ্য তের শত উনআশী বঙ্গানের কার্তিক মাদের সাঠার তারিখা, মোতাবেক উনিশ শত বাহাত্তর খ্রীস্টানের নভেল্পর মাদের চার তারিখো, আয়রা এই সংবিধান রচনা ও বিধিবদ্ধ করিয়া য়য়বেতভাবে গ্রহন করিলাম।

#### প্রথম ভাগ

#### প্রজাতন্ত্র

১। বাংলাদেশ একটি একক, স্বাধীন ও সার্বভৌম প্রকৃতির, माशा " গ্রনপ্রকৃতিরী বাংলাদেশ" নামে পরিচিত হইবে।

2। প্রক্রাতন্ত্রের রাষ্ট্রীয় দীয়ানার অন্তর্ভুক্ত হইবে

১৯৭১ श्रीष्टी (स.स. मार्ड माल्य २५ जातित्य স্থামীনতা ছোমনার অব্যবহিত পুর্বে মে मकल अलाका लहेगा भूव भाकिमान गरिज किल ; अवर

প্रकाजतुत वाद्रीय जीझाना

- (थ) य प्रकल अलाका भववर्गिकाल वाल्लाप्लाव जीवानाजुक रहेक भारत।
- अङाउत्तुत ताथुँ जाषा ताश्ला ।

রাষ্ট্রভাষা

৪। (১) প্রক্তাতন্ত্রের জ্যতীয় সঙ্গীত " আনার লোনার বাংনা"র প্রথম দশ চর্ব।

জাতীয় সঞ্গীত, পতাকা ও প্রতীক

- (২) প্রজাতন্ত্রের জাতীয় পতাকা হইতেছে সবুজ क्षात्वत डेमत सामिज तक्ष्यत्नि अकि छताहे वृछ।
- (৩) প্রজাতন্ত্রের জাতীয় প্রতীক হইতেচ্ছে উভয় পার্শ্বের্থ ধান্যশীর্মবৈষ্টিত, পানিতে ভারমান জাতীয় পুঞ্ मामला, जारात मीर्यापला मादेशाह्त जिनि भन्मात-अश्युक भव, जाराद डेड्स भार्ष्य पूरेि कविया जवका।
- (8) डेम दि-डेङ एका प्रमुश- प्रालक्ष कृाठीय प्रश्नीठ, পতাকা ও প্রতীক সম্মর্কিত বিধানাবলী আইনের দ্বারা नियांतिक दरेता।
  - CI(2) প্রজাতনের রাজধানী ঢাকা।

<u> वाङ्यानी</u>

- (२) ताक्षानीत जोप्रामा आरेत्व पुता निर्वादिज रहेत्वः ।
- ७। वाल्लातित्व नागित्कक आहेत्व पाता নাগরিকত্ব निर्वादिक अ निम्निक दहेरवः, वाल्लाएएमव नागदिकन्तन वाधानी विलया भविष्ठ दशेयन।
- 9। (२) প্রজাতত্ত্রের সকল প্রমতার মানিক प्रश्विधालय याधाना জ्नमने; अयः ज्नम्निन लक्ष प्रारे क्रमणान प्रसाम

क्रियम भरे प्रश्विधात्मव अधीन ३ कर्ष्य कार्यक रहे(व। (২) জ্নগণের অভিপ্রামের পরম অভিব্যক্তিরূপে <u> १</u>रे प्रश्विता श्रकालत्त्र प्रतिष्ठ याहेन थवः यना कान आहेन यि अहे अहिवाति प्रिक अप्रमञ्ज रूम, जारा रहेल मिरे आहेत्तर मज्यानि अमामअस्मा-भूम, जन्मानि बाजिल इरेरव ।

## দ্বিতীয় ভাগ

## नाष्ट्रेश्रीत्र हालनात भूलनीिं

🕩। (১) জাতীয়তাবাদ, সমাজ্তনু, গণতনু ও মূননীতিদরূহ বর্মনির্পেক্ষতা- এই নীতিসমূহ এবং তৎসহ এই नीठिप्रबृद रहेरा डेप्टूड अदे जाल वर्निड अनु ज्ञकल नीजि बाद्धेणविष्ठालनाव मूलनीजि वलिमा भविगिनिक दरेता।

(2) अर्ड जाल वर्निज नीजिन्नमूट वाइलारम्भ-পরিচালনার মূলসূত্র হইবে, সাইনপ্রন্মনকালে রাষ্ট্র ठारा अत्याज कित्रवन, भरे मः विधान उ वाल्लाफ्लाव अन्याना आहेरनत याभ्यापातत एकत जहा निर्देशक ररेत अवः जारा बादु उ नाभविकपान कार्यन जिंडि ररेत, ज्व परे जकल नोजि आमान्यक मानारम वलवद्याभा दरेख ना।

🔰। ভাষাগত ও সংস্কৃতিগত একক সন্তাবিশিষ্ট त्य वाकाली कृष्ठि अकावम् ३ प्रक्रकस्वम् प्रश्वाम कविशा क्राठीय मुकियुद्धत मान्तरम बाल्लादिशत म्वादीनजा उ प्राव्छोम् व्यक्त कित्राह्न, सिर वाशानी क्राजित पेका 3 प्रश्वि रहेरव वाशानी জ্যতীয়তাবাদের ভিত্তি।

<u>ক্রাভীম্তাবাদ</u>

১০। झान् (अव डोमव सानू (स्व लायन इरेल मूक न्यासानूभ ७ आस्यामी प्रसाक्तां निन्धि कर्नियान डेल्प्ली नमाञ्चानिक अर्थनेष्ठिक वायमा अविषी कता रहीय ।

সমাজ্তন্ত্র ও শোষ-বাদুক্তি

2)। প্রজাতক্র হইবে একটি গর্নতকু, মেখান (ब्रोलिक ब्रानवाधिकात 3 श्राधीनजात निक्ष्यंजा थाकित्व, मानवअउाव मर्मामा ७ मूत्नाव प्राठि अद्वादाय निकिठ रहेत्य पवः अभाजतत प्रकल পর্মামে নির্বাচিত প্রতিনিখিদের লাখ্যির জ্নগনের कार्यकत अश्मश्रद्य निकिष्ठ दरेता।

गर्ने उन्न 3 भानवाधिकाद

> १। वर्मनित्राक्षात्र नीष्ठि वामुवाग्रततः ज्ना

ধর্মনিরশেক্ষতা ও ধর্মীম স্থাধীনতা

अर्थकार आभुपारिका,

वाष्ट्रे कर्क कान यहाँक वाङ्गरेनिक अर्थामामान,

- (গ) রাজ্যনিতিক উদ্দেশ্যে ইর্মের অপব্যবহার,
- (ঘ) কোন বিশেষ বর্ষপালনকারী ব্যক্তির প্রতি বৈষম্য বা তাঁহার উপর নিপীড়ন বিলোপ করা হইবে।

>७। डिल्माम्त्रमत् , डिल्माम्तवावम् उ वन्नेनश्रनीली -अमूर्व मालिक वा निम्नुक दरेवन जनगर पवः परे डिल्म्सा मालिकाना-वावम् निम्नुक्तम दरेव :

झानिकानात्र नीजि

- (क) वाष्ट्रीय मालिकाना, अर्थाए अर्थ तेनिक जीवतान अर्थान अर्थान क्षित्र नरेशा प्रष्ट्री ७ भिक्तील वाष्ट्रीय प्रतकाती भाग पृष्टित माथाम जनगरीन भक्ष वाष्ट्रेन मालिकानाः
- (थ) अञ्चरामी मालिकाना, अर्थाए आहेत्व पावा निर्वातिक मीमान मार्थी ममनाममूह्रव मम्मारम्ब मार्क ममनाममूह्रव मालिकाना; धवर
- (গ) ব্যক্তিগত লানিকানা, অর্থাৎ সাইনের দারা নির্বারিত লীলার মধ্যে ব্যক্তির লানিকানা ৷

38। রাষ্ট্রের অন্যতম মৌলিক দায়িত্ব হইবে মেহনতী মানুষকে– কৃষক ও শ্রমিককে– এবং জ্নগ্রের অন্যাসর অংশসমূহকে সকল প্রকার শোষন হইতে মুক্তি দান করা। কৃষক ও শ্রমিকের মুক্তি

>৫। রাষ্ট্রের সন্যতম মৌলিক দামিস্থ হইবে পরিকল্পিত সম্প্রিকিক বিকাশের মান্যমে উপোদন-শক্তির ক্রমবৃদ্ধিসার্থন এবং জ্নগপের জীবনমাত্রার বদ্ধগত ও সংস্কৃতিগত য়ানের দৃঢ় উর্তিসার্থন, মাহাতে নাগরিকদের জন্য নিম্নুলিখিত বিষয়সমূহ সর্জন নিশ্চিত করা মাম :

मৌनिक अस्माङ्गत्व वावम्

- (ক) সর, বন্ত্র, আগ্রম, শিক্ষা ও চিকিৎ সাসহ জীবনধারনের মৌনিক উপকরনের ব্যবস্থা;
- (খ) করের অবিকার, অর্থাণ্ড করের গুণ ও পরিয়াশ বিবেচনা করিয়া মুক্তিসঙ্গত য়জুরীর বিনিয়য়ে কর্মণ্ড্রানের নিশ্চয়তার অধিকার ;
- (গ) মুক্তিদঞ্জত বিশ্রায়, বিনোদ্ন ও অবকাশের

অধিকার; এবং

(ঘ) সামাজিক নিরাপত্তার অধিকার, অর্মাণ্ বেকারক, ব্যাধি বা পঞ্জুস্থজনিত কিংবা বৈবিষ্য, মাতাপিস্হীনতা বা বার্ষক্যজনিত কিংবা অনুরূপ অন্যান্য পরিদ্ধিজনিত আয়ত্তাতীত কার্নে অভাবগুমুতার ক্ষেম্বে সরকারী সাহাম্যালাভের অধিকার।

20। नगर 3 शामाक्रलि कीवनमायात मानित रिवममा कमागउ जार मृद कित्रवात केल्लिंगु क्षितिभारत् विकाग, शामाक्रल रिपूजिकत्तिने वावम्, कृष्टितिनिका अ अन्याना निल्लात विकाग यवः निक्रा, त्याभात्याभ-यावम् उ कृतम्लास्मुद्र जेन्नमत्त्व मान्याम शामाक्रलित आसूल स्नानुद्रमान्द्रमान्द्रमा वास्ते कामकृत वावम् शर्म कित्रवन। शामोन डेन्नम्न अ कृषिविश्लव

२१। ताहु

(ক) একই পদ্ধতির গণমুখী ও সর্বজ্নীন শিক্ষা-ব্যবস্থা প্রতিষ্ঠার জন্য এবং আইনের দ্বারা নির্মারিত সূর পর্মন্ত সকল বালক-বানিকাক অবৈতনিক ও বাহাঁতামূলক শিক্ষাদানের জন্য,

অবৈতনিক ও বাব্যতামূলক শিক্ষা

- (খা) সমাক্রের প্রয়োজনের সহিত শিক্ষাকে মঞ্জতি-পুর্ন করিবার জন্য এবং দেই প্রয়োজন সিদ্ধ করিবার উদ্দেশ্যে মখামুখ প্রশিক্ষর্থ-প্রাপ্ত ও সিদ্ধিলাপ্রধানিত নাগরিক সৃষ্টির জন্য,
- (গ) আইনের দ্বারা নির্মারিত সমমের মধ্যে নিরক্ষরতা দ্ব করিবার জ্ন্য কার্মকর ব্যবস্থা গ্রহণ করিবেন।

३७। (১) জ्नजर्निङ भू हित मुझ- डेन्न्य्न ७ ज्नम्नास्मृत् डेन्निज्ञार्थन का बुटे अन्युष्टम आधिमक कर्जन विन्या अनेत्र कवित्वन थवः विल्यमणः आखालातः आयाज्ञन किश्वा आरेत्वतं चावा निर्मिक्षे अन्युविष आयाज्ञन बढ़िण मित्र अयाज्ञान्त मान्क भानीम् थवः म्राम्यानिक्त ज्याज्ञ व्याप्तान्ति विषिद्धक्तं स्वाप्ता विषिद्धक्र स्वाप्ता विषिद्धक्र स्वाप्ता विष्युष्ट विषयि क्रमा विषयि

১৯। (১) সকল নাগরিকের জ্ন্য সুযোগের সমতা সুযোগের সমতা

জ্নস্থাস্য 3 নৈতিকতা निक्ठिं कविल हार्डे महिर देश्वन ।

(२) झानूकि मानूकि जाझाछिक उ व्यथिनिजिक अझाझा विलाभ कित्रवाद छना, नाशितिक प्रत्य मिक्सिन्द स्था प्रकारित प्रयस वन्तेन निष्ठिक कित्रवाद छना पदः अङ्गालित् प्रवस व्यथिनिजिक केन्नम्लद प्रधान सुद व्यङ्गालित केल्लिंग प्रयस प्रूषान-प्रूविधानान निष्ठिक कित्रवाद छना बाद्दे कार्मकद वादम्। शहन कित्रवन ।

20। (১) কর্ম হইতেচ্ছে কর্মক্ষম প্রত্যেক নাগরিকের পক্ষে অধিকার, কর্তব্য ও সন্মানের বিষয়, এবং "প্রত্যেকের নিকট হইতে মোগ্যতানুমারে ও প্রত্যেককে কর্মানুমায়ী" এই নীতির ভিত্তিতে প্রত্যেকে দ্বীয় কর্মের জন্য পারিশ্রমিক লাভ করিবেন।

অধিকার 3 কর্তব্যরূপে কর্ম

- (২) রাঙ্ট্র এমন অবদ্যুসৃষ্টির চেপ্টা করিবেন, মেখানে সাধারন নীতি হিলাবে কোন ব্যক্তি অনুপার্জ্তি আম ভোগা করিতে সমর্থ হথবেন না এবং মেখানে বুদ্দিবৃত্তিমূলক ও কায়িক— সকল প্রকার শ্রম সৃষ্টিধর্মী প্রমাসের ও মানবিক ব্যক্তিত্বের স্থাতির অভিব্যক্তিতে পরিনত হথবে।
- 251 (>) সংবিধান ও आहेन प्रान्त करा, मृध्यना त्रका करा, नागदिकपामिञ्च भालन करा अवर क्रिंग प्रमुखि दक्षा करा अल्युक नागदिकद कर्ड्य।

नागनिक 3 अनुकाती कर्मातीएन कर्जवा

- (2) प्रकल प्रभागः जनगति प्रवा कित्रवाद हिंदी कता श्रक्षाण्यातु कार्म निमुक्त श्रालुक वृक्तित् कर्वरा।
- 22। রাষ্ট্রের নির্বাহী অজ্ঞাসমূহ হইতে বিচার্কিভাগের পৃথকীকরন রাষ্ট্র নিশ্চিত করিবেন।

নিৰ্বাহী বিভাগ হইতে বিচাৰবিভাগেৰ পুথকীকৰ্ম

201 ताष्ट्रे जनगर्भत आरुफ्र् जिक पेण्टिर 3 डेड्रा-विकात त्रक्षर्भत ज्ञा वावम् अर्थ कित्वम प्रवर् काणोम जामा, मारिजा 3 मिन्सकमाममूद्द प्रमन मित्रिशाभ्य 3 डेन्न्स्त्वत् वावम् अर्थ कित्वन, माराज्ञ मर्वम्रद्वत् ज्ञान्य काणोम मरुक्ष्णित मम्बिल स्वप्तान नाधिवात् 3 स्ट्रांश्चर्य कित्वात् मूर्मान नाज कित्ल मार्वन । জাগীয় সংস্কৃতি

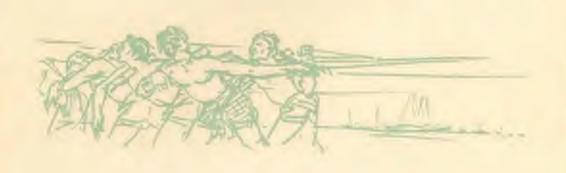
281 বিশেষ শৈন্দিক কিংবা ঐতিহাসিক গুরুত্ব-সদ্পর বা তাৎপর্মধন্তিত অ্তিনিদর্শন, বদ্ধ বা ঘ্রদ্র্যুক্ত বিকৃতি, বিনাশ বা অপসার্থ হইতে রক্ষা করিবার জাতীয় স্মৃতিনিদর্শন শ্রভৃতি

#### क्ना बाद्धे यावम्। अश्ने कवित्वन ।

२६। क्राजीय मार्वलीयक 3 मयजान श्रवि श्रमा, अनुगाना बाखेन अक्रानुनीन विष्ठाय रहाक्षण ना करा, आनुक्रिक विद्यादिन भानिष्न अवाधान अव् आनुक्रिक श्रादेन अक्षानिष्ट अक्षानिष्ट अन्ति वर्ति व्यानुक्रिक श्रादेन अक्षानि श्रेष बाढ़ेन व्यानुक्रिक श्राद्ध अक्षानि अद्यान अरे मकन नीवि रहेल बाढ़ेन स्थानुक्रिक मक्षाक्त चिष्ठि अवर अरे मकन नीविन चिष्ठि वाढ़े

আনুর্জাতিক শানি, নিরাপত্তা ও সংহতির উরয়ন

- (ক) সান্তর্জাতিক সম্পর্কের ক্লেমে শক্তিপ্রমোগ পরিহার এবং সাধারন ও সম্পূর্ন নির্দ্রী-কর্নের জন্য চেপ্টা করিবেন;
- (খ) প্রত্যেক জাতির দ্বাঁশীন সভিপ্রাম্-অনুযাম়ী পথ ও পর্বার মাধ্যমে স্ববার্থে নিজ্দ্ব দারাজিক, স্থানৈতিক ও রাজ্নৈতিক ব্যবদ্বা নির্মারেশ ও -গঠনের স্বাধিকার দ্বর্মনি করিবেন; এবং
- (গ) সাম্রাজ্যবাদ, ঔপনিবেশিকতাবাদ বা বর্মবৈষম্যবাদের বিরুদ্ধে বিশ্বের সর্ব্য নিদ্যীড়িত জ্নগ্রের ন্যায়লঙ্গত সংগ্রামকে সমর্থন করিবেন।



#### তৃতীয় ভাগ

#### মৌলিক অধিকার

২৬। (১) এই ভাগের বিধানাবলীর সহিত অসমস্ক্রম সকল প্রচলিত আইন মতুপানি অসামস্ক্রস্পূর্ন, এই সংবিধান-প্রবর্তন হইতে সেই সকল আইনের তত্থানি ব্যক্তিল হইয়া মাইবে। मोनिक अधिकाद्धव प्रश्चि अनमञ्जूष आरोन याजिन

- (২) রাষ্ট্র এই ভাগের কোন বিখানের সহিত অসমজ্স কোন আইন প্রনামন করিবেন না এবং অনুরূপ কোন আইন প্রনীত হইলে ভাহা এই ভাগের কোন বিখানের সহিত মতথানি অসামঞ্স্যস্বর্ন, ততথানি বাতিন হইয়া যাইবে।
- 29। সকল নাগরিক আইনের দৃষ্টিতে সমান এবং আইনের সমান আগ্রমলাভের অধিকারী।

आहेत्व मृहिङ अवञा

২৮। (১) কেবল ধর্ম, গোষ্ঠী, বর্ম, নারীপুরুষভেদ বা জ্যুস্থানের কার্নে কোন নাগরিকের প্রতি রাষ্ট্র বৈষয়্য প্রদূশন করিবেন না ।

वर्म अञ्जि कार्ति विषमा

- (২) রাষ্ট্র ও গণজীবনের সর্বস্তরে নারী পুরুষের সন্মান অধিকার লাভ করিবেন।
- (৩) কেবল ধর্ম, গোষ্ঠী, বর্ম, নারীপুরুষভেদ বা জ্রাস্থানের কারনে জ্নদাখারনের কোন বিনোদন বা বিগ্রামের স্থানে প্রবেশের কিংবা কোন শিক্ষা-প্রতিষ্ঠান ভর্তির বিষয়ে কোন নাগরিককে কোনরূপ অক্ষমতা, বার্যবার্যকতা, বাখা বা শর্তের অধীন করা মাইবেনা।
- (৪) নারী বা শিশুদের সনুকুলে কিংবা নাগরিক-দের মে কোন সনপ্রস্তর সংশের সগুগতির জ্ন্য বিশেষ বিশান-প্রনয়ন হইতে এই সনুদ্দেদের কোন কিছুই রাষ্ট্রকে নিবৃত্ত করিবে না।
- ২৯। (১) প্রক্তাতন্ত্রের কর্মে নিয়োগ বা পদ-নাত্র ক্ষেত্রে সকল নাগ্রিকের জন্য সুযোগের সমতা থাকিবে ।

সরকারী নিয়োশনাভ সুথোগের সমতা

- (২) কেবল বর্ম, গোষ্ঠী, বর্ম, নারীপুরুষভেদ বা জ্মাস্থানের কারনে কোন নাগরিক প্রজাতন্ত্রের কর্মে নিয়োগ বা পদ -লাভের অযোগ্য হুইবেন না কিবা সেই ক্ষেত্রে তাঁহার প্রতি বৈষদ্য প্রদর্শন করা মাইবে না।
  - (७) वरे अनुष्क्रित्र कान किहूरे

- (ক) নাগরিকদের মে কোন অনগ্রদর তাংশ মাহাতে প্রজাতরের কর্মে উপমুক্ত প্রতিনিধিক লাভ করিতে পারেন, সেই উদ্দেশ্য তাঁহাদের অনুকুলে বিশেষ বিধান-প্রন্মন করা হইতে,
- (খা) কোন পর্রীয় বা উপ-সন্ধুদায়ণত প্রতিষ্ঠানে উক্ত বর্রাবলদ্বী বা উপ-সন্ধুদায়ভুক ব্যক্তিদ্র জন্য নিয়োল সংরক্ষনের বিশান-সংশ্বনিত মে কোন আইন কার্মকর করা হইতে,
- (গ) যে শ্রেণীর কর্মের বিশেষ প্রকৃতির জ্ন্য তাহা নারী বা পুরুষের পক্ষে অনুস্যোগী বিবেচিত হয়, সেইরুস মে কোন শ্রেণীর নিয়োগ বা পদ্ ম্থাক্রমে পুরুষ বা নারীর জন্য সংরক্ষণ করা হইতে

बाब्रेक निब्य कवित ना।

৩০। (১) রাষ্ট্র কোন উপাধি, সন্মান বা ভূমন প্রদান করিবেন না।

डेमार्थि, प्रमान उ जूर्यतेत्र विलाममार्थन

- (২) রাষ্ট্রপতির পুর্বানুয়োদন ব্যতীত কোন নাগরিক কোন বিদেশী রাষ্ট্রের নিকট হইতে কোন উপাধি, সন্মান, পুর্দ্ধার বা ভূষ্ণ গ্রহণ করিবেন না।
- (७) आद्रिक्जात कृत्र शूत्रक्रात किश्वा आकारम्भीम विभिष्ठेजा -मान दरेख अदे अनुष्क्रम्त कान किहूरे त्राष्ट्रेक निव्ड कतिय ना ।

9)। সাইনের সাম্রম্নাভ এবং সাইনারুমায়ী
3 কেবল সাইনানুমায়ী ব্যবহারলাভ মে কোন দ্যানে
স্বেদ্যানরত প্রত্যেক নাগরিকের এবং দাদমিকভাবে
বাংলাদেশে স্বেদ্যানরত স্পরাপর ব্যক্তির স্ববিচ্চেদ্য স্বিকার, এবং বিশেষতঃ স্বাইনানুমায়ী ব্যতীত এলন কোন ব্যবদ্যা প্রহান করা মাইবে না, মাহাতে কোন ব্যক্তির জীবন, দ্বাধীনতা, দেহ, দুনাল বা দদ্যন্তির হানি ঘটে। <del>आहे</del>त्रद्ध आश्रम्माख्व अधिकाद

৩২। সাইনানুমায়ী ব্যতীত জীবন ও ব্যক্তি-দ্বাশীনতা হইতে কোন ব্যক্তিকে ব্যক্তিত করা মাইবে না ।

জ্বিন 3 ব্যক্তি-দ্বাধীনতার অধিকার-রক্ষণ

৩০। (১) কোন গ্রেপ্টারকৃত ব্যক্তিকে গ্রেপ্টারের

কার্ন জ্ঞাপন না করিয়া প্রহরায় আটক রাখা মাইবে না এবং উক্ত ব্যক্তিকে তাঁহার মনোনীত আইনজীবীর সহিত পরায়র্শের ও তাঁহার দারা আত্মদক্ষসমর্শনের অধিকার হইতে বঞ্চিত করা মাইবে না। গ্রেপ্তার ও আটক সন্ধর্কে রক্ষাকবচ

- (২) গ্রেম্বারক্ত ও প্রহরাম আটক প্রত্যেক ব্যক্তিকে গ্রেম্বারের চিক্সিশ ঘন্টার মধ্যে (জাঁহাকে আদালতে আনমনের জন্য প্রমোজ্নীম দমম বৃতিরেজ) আদালতে হাজির করা হইবে এবং আদালতের আদেশ ব্যতীত ভাঁহাকে ভদভিরিক্ত কাল আটক রাখা মাইবে না ।
- (७) कान विद्याली मक्त क्षित डेमिन्डेङ प्रकामशृहत कान किहुरे अत्याङ्य रहेत ना।

৩৪। (১) অকল প্রকার জ্বরদ্ঝি-শ্রম নিষিদ্ধ; এবং এই বিশান কোনভাবে নঞ্জিত হইনে তাহা আইনতঃ দ্ভুনীমৃ অপরাশ বনিমা গন্য হইবে।

(২) এই সনুদ্ধেদের কোন কিছুই সেই সকন বাশ্যভাদূনক প্রয়ের ক্ষেনে প্রয়োজ্য হইবে না, যেশানে

(ক) ফৌজদারী অপরাধের জ্ন্য কোন ব্যক্তি আইনতঃ দশুভোগ করিতেচ্নে; সম্প্রা

(খা) জ্নলানের উদ্দেশ্য প্রতিক আইনের দ্বারা তাহা আবশ্যক ইইতেছে।

७৫। (२) अलदादिव माम्यूक कार्यमः घरिनकाल वनवर हिन, धरेक्त आरेन ७% कित्रात अलत्राव बाजीज कान बाकिक पासी मानास करा मारेव ना धवर अलताव-प्रश्चावेनकाल बनवर प्रारे आरेनवल प्र मक्त प्रभा मारेख मानिज, जाराक जारात अधिक वा जारा रहेख जिन्न मुक्त प्रथमा मारेव ना।

(২) এক স্থাপরাবের জন্য কোন ব্যক্তিকে একাধিক-বার ফৌজদারীতে সোপার্দ ও দক্তিত করা মাইবে না।

- (৩) ফৌজ্দারী অপরাংশর দায়ে অভিমুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তি আইনের দ্বারা প্রতিষ্ঠিত দ্বাধীন ও নিরপেক্ষ আদানত বা দ্রীইব্যুনালে দুত ও প্রকাশ্য বিচারলাভের অধিকারী হইবেন।
- (৪) কোন অপরাধের দামে অভিমুক্ত ব্যক্তিকে নিজের বিরুদ্ধে দাক্ষ্যে দিতে বাধ্য করা মাইবে না।
- (c) कान बुक्तिक यनुना पिउमा मारे (व ना किश्वा निर्धुत, अबानुषिक वा नाभुनाकत प्रसाम्

জ্ৰৰ্দদ্ধি-শ্ৰদ নিষিদ্ধকৰ্শ

विठात ३ एड प्रकार तकने <u> यारे(व ना कि॰्वा काशवु प्रशिष्ठ व्यवस्थि</u> बुबराव क्रा यार्वि ना।

(७) प्राव्या व्यारेत निर्मिष्ठे कान प्र वा विठातमञ्ज्ञि सभक्ठि कान विवासित अस्माग्रक परे अनु (फ़ (एवं (७) वा (७) प्रकान कान किहुरे अजाविज कवित्व ना।

७७। ज्तस्रार्थ आहेत्त्र पाता आत्रामिठ युष्ठि क्लाक्ष्या स्राधीनम সঙ্গত বাধানিষেধ-সাপেক্ষে বাংনাদেশের সবর্ব অবাধ इलारकता, उदीत त्य कान म्हात वनवाम 3 वप्रकि अगमन प्रवः वाल्लापिक जाम ३ वाल्लापिक मूनः अवन করিবার অধিকার প্রত্যেক নাগরিকের মাকিবে।

७१। ज्नम् अभना वा ज्नब्रास्त्र स्रार्थ जारेत्व দ্বারা আরোপিত মুক্তিসঞ্গত বাধানিষের-সাপেক্ষে मानिष्ट्रनेजात 3 निव्रम् अवस्था प्रमावक दरेवाव এयः क्नअञा उ लाजामाजाम् त्मागमान कवियात अविकात श्रालाक नागतिकत थाकिय।

नमाविलं स्राधीनजा

७৮। জनम् अना ७ निञ्कितात स्रार्थ आहेरात् দ্বারা আরোগিত মুক্তিদঙ্গত বাধানিমের-দাপেকে प्रिमिति वा प्रश्न भवेन कित्राद अधिकाद श्राल्यक नांशवित्कव भाकित्व ;

সংগঠনের স্থাধানতা

उद मर्ड थारक (या, बाज्रिनिजिक डेप्प्मामभान वा लक्ष्यानुष्याती कान प्राम्थ्रमायिक प्रविधि वा प्रश्र किश्वा अनुस्म डेल्मगुप्रस्थेत वा लक्षानु प्राती শর্মীয় নারমুক্ত বা শর্মভিত্তিক অন্য কোন দমিতি दा ज्ञश्च भोग कवियाव वा जाशाव प्रमा दरेवाव বা অন্য কোন প্রকারে তাহার তৎপরতাম সংশ श्रर्भ कविवाद अधिकाद कान व्यक्तित् भाकित्ना।

৩১। (১) চিন্তা ও বিবেকের দ্বাধীনতার নিশ্চ মৃতাদ্যন क्या रहेला।

िनु 3 विविद्यक्त স্থাধীনতা এবং বাক্-দ্বাস্থীনতা

- (२) बाख्येन निवाभडा, विरम्भी बाब्रेमधूरक प्रशिष्ठ বন্ধুপুর্ব সন্ধর্ক, জ্নশৃঙ্খনা, শালীনতা বা নৈতিকতার ब्रार्थ किश्वा आमाल उ- अवसातना, मानश्ति वा अभवाव-अर्घित अर्गाम्ना अभार्क आरेत्न माना आर्गिष्ठ মুক্তিসঞ্জত বাখানিষেধ- দাপেক্ষে
  - (ক) প্রত্যেক নাগরিকের বাক্-ও ভাবপ্রকাশের म्रायीनजात अधिकाद्वत, अवश्

(খ্র) সংবাদক্ষেত্রের দ্বাধীনতার নিশ্চয়তা দান করা হইল।

80। সাইনের দ্বারা সারোপিত বার্যানিষেশসালেকে কোন পেশা বা বৃত্তি গ্রহণের কিংবা
কারবার বা ব্যবসাম -পরিচানানার জ্ব্য আইনের দ্বারা কোন মোগ্যতা নির্মারিত হইয়া থাকিলে সার্রাপ যোগ্যতাসক্ষর প্রত্যেক নাগরিকের মে কোন আইনসঙ্গত পেশা বা বৃত্তি -গ্রহণের এবং মে কোন সাইনসঙ্গত কারবার বা ব্যবসাম পরিচাননার অবিকার থাকিবে।

শেশা বা বৃত্তির স্বাধীনতা

831 (5) आहेन, जनम्भना 3 निकिका आरमा

বর্লীয় স্বাধীনতা

- (ক) প্রত্যেক নাগরিকের মে কোন বর্ম অবলম্বন, পালন বা প্রচারের অধিকার রহিমাচে;
- (খ) প্রত্যেক বর্নীয় সন্ধানায় ও উপ-সন্ধানায়ের নিজ্ম বর্নীয় প্রতিষ্ঠানের স্থানন, রক্ষন ও ব্যবস্থাপনার অধিকার রহিয়াছে।
- (২) কোন শিক্ষাস্থতিষ্ঠানে যোগদানকারী কোন ব্যক্তির নিজ্প বর্ম-সংক্রান্ত না হইনে জঁহাকে কোন বর্মীয় শিক্ষাগ্রহণ কিংবা কোন বর্মীয় সনুষ্ঠান বা উদাসনায় অংশগ্রহণ বা যোগদান করিতে হইবে না।

82। (১) সাইনের দারা আরোপিত বাঁবানি শ্রেশ্ব-সাপেশ্বে প্রত্যেক নাগরিকের সমান্তি সর্জন, শারন, হস্তান্তর ও সন্যভাবে বিলি-ব্যবদ্বা করিবার স্থিকার থাকিবে এবং সাইনের কর্ত্ব ব্যতীত কোন সম্পত্তি বাঁব্যভায়ুলকভাবে প্রহান, রাষ্ট্রায়ন্ত বা দ্খন করা মাইবে না ।

(२) धरे अमूल्हिएत (२) एकात अवीन खनील आरेल क्षित्रमेणर वा बिना क्षिल्हिल वाधुला-सूनकजात शर्म, ताद्वाग्रेडक्र ने वा एक्षल्र विधान करा रहेत अवर कान क्षित्र क्षिल्हिल्म विधान करा रहेला जारात भित्रमान निधान किरवा अनुसून किल्हिल्हे निर्मा 3 प्रमानत नीजि 3 ममुजि निर्मिश करा रहेता; ज्य अनुसून कान आरेल क्षिल्हिल्हे विधान करा रम् नारे विस्मा किरवा क्षिल्हिल्हे विधान करा रम् नारे विस्मा किरवा क्षिल्हिल्हे विधान अमर्मामु रहेगाहि विस्मा प्रिरे आरेन मम्मक्ष कान आम्मल्ह कान खन्न जेन्यान करा प्रारेव ना। সদ্মন্তির অধিকার

80। রাষ্ট্রের নিরাপতা, জ্নশৃষ্পনা, জ্নদাখারনের নৈতিকতা বা জ্নদ্বাদ্যের দ্বাথে আইনের দ্বারা আরোদিত মুক্তিসঞ্জত বাখানিধেশ্ব-দাপেক্ষে প্রত্যেক নাগরিকের

श्र 3 (मानात्माल्य क्क्रन

- (ক) প্রবেশ, তল্লাশী ও আটক হইতে স্থীয় গৃহে নিরাপতালাভের অবিকার থাকিষে; এবং
- (খ) চিঠিদরের ও মোগামোগের স্বর্নার উদায়ের গোদনভারক্ষার স্থিকার থাকিবে।

88। (२) এই ভাগে প্রদত্ত অবিকার্ময়ূহ বনবং করিবার জ্ন্য এই সংবিশানের ২০২ অনুদ্দের(২) দ্ফা-অনুসায়ী পুপ্রীম কোর্টের নিকট মামনা রুজু করিবার অধিকারের নিশ্চমতাদান করা হইন। দৌনিক অবিকার বনবংকর+

(২) এই সংবিধানের ১০২ অনুচ্ছেদের অধীন সুপ্রীম কোর্টের প্রদানতার হানি না ঘটাইমা সংসদ্ আইনের দ্বারা অন্য কোন আদানতকে তাহার এখতিয়ারের দ্বানীয় সীমার মধ্যে সুপ্রীম কোর্ট কর্তৃক প্রয়োগ্যোগ্য সকল বা যে কোন প্রদানত প্রয়োগের শ্বনতা দান করিতে পারিবেন।

80। কোন শৃঞ্চনা-বাহিনীর সদ্স্য-সদ্দকিত কোন শৃঞ্চলামূলক আইনের মে কোন বিধান উক্ত সদ্স্যদের মথামথ কর্তব্যপানন বা উক্ত বাহিনীতে শৃঞ্চনারক্ষা নিশ্চিত করিবার উদ্দেশ্যে প্রনীত বিধান বলিয়া অনুক্রপ বিধানের ক্ষেত্রে এই ভাগের কোন কিচুই প্রযোজ্য হইবে না ।

শৃত্যানামূনক আইনের ক্ষেত্রে অধিকারের পরিবর্তন

8७। এই ভাগের পূর্ববর্নিত বিধানাবনীতে মাহা
বলা হইয়াচে, তাহা সত্ত্বেও প্রজাতন্ত্রের কর্মে নিমুজ
কোন ব্যক্তি বা অন্য কোন ব্যক্তি জাতীয় মুক্তিসংগ্রামের প্রমোজনে কিংবা বাংলাদেশের রাষ্ট্রীয়
সীয়ানার মধ্যে মে কোন অঞ্চলে শৃশ্পলা রক্ষা বা
শুনবহানের প্রমোজনে কোন কার্ম করিয়া থাকিলে
সংসদ সাইনের দ্বারা সেই ব্যক্তিকে দায় মুক্ত
করিতে পারিবেন কিংবা ও সক্ষলে প্রদত্ত কোন
দন্তাদেশ, দন্ত বা বাজেয়াপ্তির সাদেশকে কিংবা
অন্য কোন কার্মকে বৈর্ করিয়া নইতে পারিবেন।

দাম়মুক্তি-বিধানের ক্ষরতা

কতিদম্ আইনের হেফাজ্ত

(ক) কোন দক্ষতি বাখ্যতামূনকভাবে গ্রহন, রাষ্ট্রায়ন্তকরন বা দখল কিংবা দাম্মিক-ভাবে বা স্থায়ীভাবে কোন সক্ষতির নিয়ন্ত্রণ বা ব্যবস্থাসনা;

(খা) বানিজ্যিক বা অন্যবিধ উদ্যোগদমার একাধিক প্রতিষ্ঠানের বাধ্যতা মূলক সংমুক্তকরন ;

(গ) অনুরূপ মে কোন প্রতিষ্ঠানের পরিচানক, ব্যবস্থাপক, একেন্ট ও কর্মচারী দের স্থাপিকগর এবং (মে কোন প্রকারের) শেমার ও স্টকের মানিকদের ভোটাবিকার বিনাস, পরিবর্তন, সীমিতকর্শ বা নিয়ন্ত্রণ;

(ত্ম) খনিজ্দ্রব্য বা খনিজ তৈন -অনুসন্ধান বা -লাভের অধিকার বিলোদ, দরিবর্তন, দীরিতকরন বা নিয়নুধ;

(৬) অন্যান্য ব্যক্তিকে সংশতং বা দ্রন্ধ্রণ্ডঃ
পরিহার করিয়া সরকার কর্তৃক বা
সরকারের নিজ্ম, নিয়নুনাধীন বা
ব্যবদ্যাপনাধীন কোন সংস্থা কর্তৃক মে
কোন কারবার, ব্যবদায়, শিল্প বা
কর্মবিভাগ -চালনা; সথবা

(চ) মে কোন সঞ্চাত্তির দ্বন্থ কিংবা শেশা, বৃত্তি, কারবার বা ব্যবসায় সংজান্ত মে কোন অধিকার কিংবা কোন সংবিধিবদ্ধ সরকারী প্রতিষ্ঠান বা কোন বাধিজ্যিক বা শিল্পগত উদ্যোগের রালিক বা কর্মচারীদের স্পরিকার বিলোপ, পরিবর্তন, সীন্নিতকরন বা নিয়ন্ত্রশা।

(१) परे प्रश्विधात मारा बला रहेमार्ह, जहा

प्राञ्च अथवा उक्क जिल्ल वर्निंग आहेन प्रमृह ( अनु क्रिंभ आहेल कार्य कार

ज्य मर्ज थाक तम, यहे अबूल्ह्राम् कान किंद्रुहे अनुसूष कान आहेन वा विदानक महमाप्त आहेन चा विदानक महमाप्त आहेन- चावा अतिवर्जन वा वाजिन कहा हरेल मिन्ड किंद्रित ना, ज्य अहमाप्त प्रहेन आहेत् कर्म आनेज कान विदान मिन्ड किंद्रित ना, ज्य अहमाप्त प्रहेन आहेत् कर्म जानेज कान विदान मिन्ड अमन कान कार्मकर्जा थाक, यात्र किंद्रित जाहान अमन कान कार्मकर्जा थाक, याहान मल कान मम्मि हरेल दाहे विद्युत हरे कर्म प्रमा कान किंद्रित मिन्ड हर्म, जाहा हरेल अनुमा विन महमप्त प्राचे मिन्न महम्मि अम्मि अमि अम्मि अमि अम्मि अ



## চতুর্থ ভাগ

#### নিবাঁহী বিভাগ

## ১ম পরিচেচ্দ্ রাষ্ট্রপতি

8৮। (১) বাংলাদেশের একজ্ন রাষ্ট্রপতি থাকিবেন, মিনি দ্বিতীয় তক্ষপ্রিলে বর্নিত বিধানবলী-অনুমায়ী সংসদ-সদ্সাগন কর্তৃক নির্বাচিত হইবেন। রাষ্ট্রপতি

- (২) রাষ্ট্রপ্রশানরূপে রাষ্ট্রপতি রাষ্ট্রের অন্য সকল ব্যক্তির ঊর্শ্বে স্থান লাভ করিবেন এবং এই সংবিশান ও অন্য কোন আইনের দ্বারা জাঁহাকে প্রদত্ত ও জাঁহার উপর অপিত সকল ক্ষরতা প্রয়োগ ও কর্তব্য পালন করিবেন ।
- (७) धरे प्रश्विधातम् ८७ अनुष्कृष्तम् (७) प्रका-अनुष्ठात् त्वयम् अधानप्रकी-नित्राणम् १४४ बाजीक माधुमिति जाँदाम् अनुप्राप्ते प्राणिष्ठभानतः अधानप्रकीतं भन्नाद्वर्भ-अनुप्राप्ती कार्म कित्रियनः

তবে শর্ত থাকে যে, প্রশ্নীনমন্ত্রী রাষ্ট্রপতিকে আদি কোন পরামর্শ দান করিয়াচ্চেন কি না এবং করিয়া থাকিলে কি পরামর্শ দান করিয়াচ্চেন, কোন আদানত সেই সম্পর্কে কোন প্রশেষ তদন্ত করিতে পারিষেন না।

- (৪) কোন ব্যক্তি রাষ্ট্রপতি নির্বাচিত হইবার মোগ্য হইবেন না, মদি তিনি
  - (ক) পঁমবিশ বং সবের কয় বয়দ্ধ হন; অথবা
  - (थ) प्रः प्रम् प्रमा निर्वाष्ठि इन्हेबाव स्माणु ना इन ; अथवा
  - (গ) কখনত এই সংবিধানের অধীন অভিশংসন-দারা রাষ্ট্রপতির পদ হইতে অপদারিত হইয়া থাকেন।
- (৫) প্রশানমন্ত্রী রাষ্ট্রীয় ও পররাষ্ট্রীয় নীতি-সংক্রান্ত বিষয়াদি সন্ধর্কে রাষ্ট্রপতিকে অবহিত রাখিবেন এবং রাষ্ট্রপতি অনুরোধ করিলে মে কোন বিষয় মন্ত্রিসভার বিবেচমার জ্ন্য পেশ করিবেন ।

8৯। কোন সাদানত, ট্রাইব্যুনান বা সন্য কোন কর্ত্পক্ষ কর্তৃক স্রদ্ভ মে কোন দড়ের মার্জ্না, বিনম্বন ও বিরাম মঞ্জুর করিবার এবং মে কোন দৃদ্ভ মওকুফ,

ক্ষরাপ্রদর্শনের অধিকার দ্গিত বা ব্লাঘ্ন করিবার ক্ষমতা রাষ্ট্রপতির থাকিবে।

col (>) परे ज्ञानियात्व विधानावनी-मालाक वाष्ट्रेभि कार्यजाव धारति जाविश्व रहेल माँ। वर्मावव মেয়াদে তাঁহার পদে অধিষ্ঠিত থাকিবেন;

তবে শর্ত থাকে মে, রাষ্ট্রপতির পদের মেয়াদ শেষ হওয়া মত্ত্বেও তাঁহার উত্তরাধিকারী কার্মভার গ্রহন না করা পর্মন্ত তিনি দ্বীম্ পদে বহান থাকিবেন।

- (२) अकािपक्रा रडेक वा ना रडेक- पूरे মেমাদের অধিক রাষ্ট্রপতির পদে কোন ব্যক্তি অধিষ্ঠিত थाकियन ना।
- (७) ऋीकारवंद डेप्परम ख्राक्षत्रमुक भवसाल वाहेभि श्रीम भम जाश कविल भावितन।
- वार्ष्ट्रेभिक कार्यकात्रकात्न अश्मर-अम्बर् निर्वाहिङ दहेवात त्याका दहेत्वन ना, प्यट् कान मर्म- मम्मा वाष्ट्रेभि निर्वाहिक रहेल वाष्ट्रे-পতিরূপে তাঁহার কার্মভারগ্রহনের দিনে সংসদে তাঁহার आयम सून् इरेका।

৫১। (३) এई प्रश्विधात्म ६२ व्यमु एक एम् रामि नासे पानि माममूकि না ঘটাইমা বিধান করা হইতেছে মে, রাষ্ট্রপতি জাঁহার पायिञ्च मालव कविए तिया किश्वा अनुक्रम विव्हनाय काम कार्य करिया थाकिल वा ना करिया थाकिल प्रिकेश अंशक काम आमामल क्वार्यप्रि करिल र्रेष ना, जाव अरे प्रका अवकारवव विकृष्ट्र कार्यथावा গ্রহনে কোন ব্যক্তির অধিকার ক্লুর্র করিবে না।

(2) वाक्नेभिज्य कार्यजावकात्न जाराव विकृष्ति কোন আদালতে কোন প্রকার ফৌজ্দারী কার্মখারা पारम् करा या जानू राभा यारेख ना पेवर जाराद श्रिभाव वा कावावासिव ज्ना कान यामान रहेल भरतायाना जाती कता यारिय ना।

C2। ()) अरे प्रविधान लश्चन या छक्उत অন্নদাচরশের অভিমোগ রাষ্ট্রপতিকে অভিশং নিত करा यारेल भाविता ; रेराव उत्ना जर्माप्य सारे मम्प्राय प्रथानिक जार्भिक प्राक्षत अनुस्त अिल्यान् विव्वन निभिवद्य कविशा पकिए अद्यायवं निषिम अभीकारवव निकि । अपान करिए शरेरा; म्मोकारव्य निकि अनुस्म लाहिमसमात्व मिन इरेख होम मित्नव सूर्व वा जिम मिल्र मेर भरे अम्राय जालाहिन ररेल माहित मा;

রাষ্ট্রপত্তি-পদের स्माम

রাষ্ট্রপতির অভিশংসন

এবং সংসদ অধিবেশনরত না থাকিলে স্মীকার অবিলয়ে সংসদ আহ্বান করিবেন।

- (২) এই অনুচ্চেদের অধীন কোন অভিযোগ তদন্তের জন্য সংসদ কর্তৃক নিমুক্ত বা আখ্যায়িত কোন আদানত, ট্রাইব্যুনাল বা কর্তৃপঞ্জের নিষ্কট সংসদ রাষ্ট্রপতির আচর্ন গোচ্ব করিতে পারিবেন।
- (৩) অভিমোগ-বিবেচনাকালে রাষ্ট্রপতির উপদ্পৃত থাকিবার এবং প্রতিনিধি-প্রের্ণের অধিকার থাকিবে।
- (৪) অভিযোগ-বিবেচনার পর মোট সদল্য-সংখ্যার অনুনে দুই-স্তামাংশ ভোটে অভিযোগ মথার্থ বনিয়া ঘোষনা করিয়া সংসদ কোন প্রস্তাব গ্রহন করিলে প্রস্তাব গৃহীত হইবার তারিখে রাষ্ট্রপতির সদ শুন্য হইবে।
- (৫) अरे प्रश्विधात्म ८८ अमू (क्षूम अमू मांगी क्रिकान कर्क नाष्ट्रे भिन्न पाग्नि क्षानि कर्म कर्म नाष्ट्रे भिन्न पाग्नि क्षानि अरे अमू (क्ष्य क्षित कर्म क्षीकात्म कर्म क्षीकात्म कर्म क्षीकात्म के अमू (३) प्रकाम क्षीकात्म के अम्बर्ध क्ष्य क्ष्य
- ৫৩। (२) माहीदिक या ज्ञानिक अन्नाम(गुँव काहारे वाह्नेभिजिक जाँदाव भिन दरेख अभाविक कहा मादिक भाविता; देशक कता प्रश्मापक स्माप्ते भिन्ना क्रिक्ष क्राक्ष क्रिक्ष अद्भाव विवत्र निभिवास अद्भाव स्वाक्ष क्ष विक अभाविक म्लीकात्वर निक्षे भ्रमान कविष्ठ दरेख।

অলাদার্খ্যর কারনে রাষ্ট্রপতির অপলারন

- (७) जमप्रावर्ति कृति श्रमारव तािष्म प्रभोकारवव निकि श्रमात्व भव रहेल प्रोप् पित्व शूर्य वा श्रिम पित्व भव श्रमुवि लिटि एएशा माहेरि ना, अवर अनुकृष प्रमाप्व प्रावी श्रमुवि डिम्माम्बर क्रिन श्रमवाम प्रश्मप आखारवार्व श्रमुवि हेम्सम्बर्ग स्थाप्य अग्रवार्व श्रम्
- (8) প্রদ্যাবটি বিবেচিত হইবার কালে রাষ্ট্রপতির উপদ্যিত থাকিবার এবং প্রতিনিধি-থের্নের অধিকার থাকিবে।
- (७) श्रद्धावि जः प्रति छेथाभत् सूर्व बाहुमिरि भर्मत्म पाता भरोक्षिठ दरेवाव ऊना छेमिष्ठ ना रहेगा भाकित्न श्रम्जावि छाटि प्रख्या मारेख मावित्व धवः जः प्रति प्रमान प्रशास स्वान पूरे-छ्लेगः म छाटि जारा भ्रीठ रहेत्व श्रम्जावि भ्रीठ रहेवाव जावित्य बाहुमिलिक भम भूना रहेत्व।
- (७) अममात्रतंत्र ज्ता श्रमावि मः मा डेणानिज र्रेवात शूर्व ताञ्चेमिन मर्बापत निकि मतोक्रिज र्रेवात कृता डेमिम्ड र्रेगा थाकिल प्रः प्राप्त निकि मर्वापत प्रजावन लिंग कित्वात प्राप्ता ना त्पउमा मर्मन श्रमावि ज्ञाति एउमा मारेत ना ।
- (१) प्रश्मित कर्ड्क अमुावि ३ मर्सात्व विलार्टें (माशा अरे ज्यूस्तित्व (२) म्का- य्यूमात्व मत्रीकात्व माज मित्तव मत्री माध्यित्य कर्ता रहेत्व अरः य्यूस्तम- जात्व माध्यित्य ना कर्ता रहेत्व ज्ञशा वित्वक्तात्व अत्माक्त रहेत्व ना) वित्विक रहेतात्व मत्र प्रश्मित्व साधि प्रमानु प्रश्मित्व य्यूत्व मूहे- एजीमाश्य ज्यूत्व मूहे- एजीमाश्य ज्यूत्व क्रिशेज रहेत्व जाहा श्रीज रहेतात्व जातित्थ वाह्ये मिजद मा
- ৫৪। রাষ্ট্রপতির পদ শুন্য হইলে কিংবা অনুপদ্ধিতি,
  আদুস্তা বা অন্য কোন কারনে রাষ্ট্রপতি দায়িরপাননে
  অদসমর্থ হইলে ক্ষেত্রয়ত রাষ্ট্রপতি নির্বাচিত না হওয়া
  পর্মন্ত কিংবা রাষ্ট্রপতি পুনরায় দ্বীয় কার্মভার গ্রহন না করা পর্মন্ত ক্ষ্মিকার রাষ্ট্রপতির দায়ির পালন করিবেন।

অনুপদ্ধিতি প্রভৃতির কানে বাষ্ট্রপতি-পদে স্দীকার

## ২য় পরিচেচুদ-প্রধানমন্ত্রী ও মন্ত্রিসভা

**৫৫।** (२) श्रवानसन्तीत त्वरङ् वाल्लाम्स्यत वकि मन्ति

अनु जा थाकित्व पवः खयानभन्ती अ जमत्म जिनि यक्षण ब्रिव कवित्वन, व्यर्क्षण अन्ताना मनी नरेमा वरे असिमडा गठिउ रहेरव।

(২) প্রসানমন্ত্রী কর্তৃক বা জাঁহার কর্তৃত্বে এই সংবিধান-अनुमासी अङ्गालस्त्र निर्वाही अभ्या अमुक रहेरव।

(७) ब्रिक्ति प्रचा त्योथ जात्व प्रश्म प्रकृतिक हे पायी थाकित्वन।

(8) अवकार्व अकल नियारी गुवमा वास्नेभिविव नास गृरीज ररेगाह् वलिया अकान करा रहेता।

(৫) बाद्देमिवं नात्म मनीठ आप्मममूर अन्याना हुकिमय किसाल प्रजामिक वा ध्रमानीकुछ इरे(व, बाब्रेभिंड जाहा विधिम्बहूर-मावा निर्धावन করিবেন এবং অনুক্ষভাবে সত্যায়িত বা প্রয়ানীকৃত कान आरम्भ वा ठुकिमय मथामथजात अनीज वा अस्मािप् रस नारे विलसा जाराव विवेजा अस्मर्क कान आपाल एक डेभामन करा मारेद ना।

(७) दाब्देलिङ प्रविताती कामावली वन्तेन ७ भविष्ठालनाव उत्तर विधिलसूर अनेमन कवित्वन।

(७) (२) पकज्र अश्वानमनी शाकित्वन पादः मिनुतन প্রখানমন্ত্রী মেরুপ निर्धावन कवियन, प्रिशेष अन्याना ब्रक्ती, ख्री अ जेमब्रक्ती थाकित्वत ।

(२) अवानशनी 3 अनाना मनी, अजि-मनी अ डेमब्रुनिमिक्त बाब्रेमि निरमामपान कविरवन;

उत्व मर्ड थारक त्य, मः वम्- वम् वा रहेल यरे अनुक्ष्प्त (8) म्का-मालक्ष्क कान गुक्ति अनुक्ष नित्मामना (७३ त्याम) रहेरवन ना।

- (७) (म प्रश्मन-प्रमम् प्रश्मामिक प्रश्मामिक সদ্ধ্যের আস্তাজ্ন বলিয়া রাষ্ট্রপতির নিকট প্रতीयद्यान रहेरवन, वाद्येषि जांशक प्रधानमनी निसाध कविरवन ।
- (8) अनी-अप नियुक्त दरेवाउं प्रश्र (कान व्यक्ति अर्अप्-अप्अर ना भाकित्न यपि जिति अनुक्ष निर्माणव अविथ रहेट हम मालव मधी महम-अम्बा निर्वाहिक ना इन, जाशा श्रेल किनि मनी थाकिर्वन ना।
- (७) प्रश्मम जिल्लामा याउमा प्रयश्म मध्मम-সদ্স্তদ্র অব্বহিত পর্বর্তী সাধার্ণ নির্বাচন-व्यनुकात्मव प्रवादर्जीकाल अरे व्यनुक्षित् (२) या (७) म्फाक् अधीन निर्माणमानक अस्माङ्ग रम्था

मिल प्रथम जाक्षिमा मारेवाव अवर्षिक श्रूर्व मारावा प्रथम-प्रमा हिल्लन, अरे म्काव जेल्मा-प्राधनकल्ल जारावा प्रमानक्षण वराल वरिमारहन विस्ता भनी रहेरा।

৫१। (२) প্রধানয়ন্ত্রীর পদ খুন্য হই(ব, মদি

(ক) তিনি কোন সময়ে রাষ্ট্রপতির নিকট পদ্ত্যাগপত্র প্রদান করেন; অথবা

(थ्र) जिनि प्रश्मप-प्रमु ना थारकन ।

(২) मरमान मरभागितक मनमान मनर्मन हातारेल श्रवानसन्ती भन्जाभ कित्वन किश्वा मरमान ज्ञाक्षिण्या निवाद कृता द्राब्धेभिजिक भन्नामर्भान कित्वन अवर जिनि अनुक्षि भन्नामर्भनान कित्न द्राब्धेभिज मर्मम ज्ञाक्षिण्या निवान ।

(७) श्रवानमनीत छेउताविकाती कार्मजात शर्भ ना कता भर्मत श्रवानमनीतक मीम भए वशन थाकिछ यरे अनुत्कुएत कान किहुरे अत्याभा कित्व ना।

(८৮। (२) श्रवानमञ्जी याजीक व्यना कान मन्तीव अम भूना दरेरा, यिम

(ক) তিনি রাষ্ট্রপতির নিকট পেশ করিবার জ্ন্য প্রশানমন্ত্রীর নিকট পদ্ত্যাগপত প্রদান করেন;

(थ) छिनि मः प्रम-प्रमा ना थारकन ;

(গ) এই অনুক্রেদ্র (২) দফা- অনুদারে রাষ্ট্র-পতি অনুরূপ নির্দেশ দান করেন; অথবা

(ছা) এই স্পরুদ্ধেদ্র (৪) দ্ফাম মেরুশ বিবান করা ইইয়ানে, ভাষা কার্মকর হয়।

(2) श्रवानमनो त्म कान मम्स् कान मन्नेकि भम्जाभ कवित्व अनुदार्थ कवित्व भावित्वन ध्वद् डेक मन्ने अनुस्त्र अनुदार्थभान्यत अममर्थ रहेला जिन बाद्देभिजिक डेक मन्नोन नित्मात्मत अयमान घोरियात भगामर्थ मान कवित्व भावित्वन ।

(8) अवानबनी भम्जाभ कहिल वा सीम भर्म वशन ना थाकिल मनुर्मित अलुक भम्जाभ প্রশ্বানমন্ত্রীর পদের মেয়াদ

अन्ताना मन्नीत शरमत समाम् করিয়াছেন বলিয়া গণ্য হইবে; তবে এই পরিছেদের বিবানাবলী-সাপেক্ষে ভাঁহাদের উত্তরাবিকারিগণ কার্যভার গ্রহণ না করা পর্যন্ত ভাঁহারা দ্ব দ্ব পদে বহাল থাকিবেন।

(৫) এই অনুছেদে "মন্ত্রী" বনিতে প্রতি-মন্ত্রী ও উপয়ন্ত্রী অনুর্ভুক্ত।

## ৩য় পরিচ্চেদ্ স্থানীয় স্থাসন

৫১। (১) আইনানুমায়ী নির্বাচিত ব্যক্তিদের সমর্ম্ গঠিত প্রতিষ্ঠান সমূহের উপর প্রজাতন্ত্রের প্রত্যেক প্রশাসনিক এককাংশের দ্যানীয় শাসনের ভার প্রদান করা হইবে।

(२) धरे प्रश्विधान ७ अन्य कान आरेन आलक्ष प्रश्मम आरेत्न पाना य्यक्तम निर्मिष्ठ कविरवन, धरे अनुस्कृत्मत्र (२) म्काम उल्लिधि अनुक्तम ध्याण्यक श्रिक्शान म्याममूक श्रमामिक धक्काश्मान म्यो प्रारम्भ मामिन्न भानन किवरान धरः अनुक्तम आरेत्न निम्नालिधिक विषय-प्रश्कात मामिन्न अनुक्त रहेक भावितः

(क) अभाजन उ जनकाती कर्मानी प्रत कार्य;

(भ) ज्ञम्भना-नंभा ;

(গ) জ্নুসাধারনের কার্ম ও অর্থনৈতিক উন্নয়ন -সঞ্চার্কিত পরিকল্পনা -প্রন্য়ন ও -বাদ্রবায়ন।

७०। এই সংবিশ্বানের ৫० अनुह्ह्एत विधायनीत भूने कार्यकर्ञामात्तर जेल्लाला प्रश्मम आरेतर द्वारा डेक अनुह्ह्ए जेल्लिथि म्नानीय साप्तन मश्कान श्रक्ति कानप्रमूट्क म्नानीय धायाक्त कर आदाम करियार अध्याप्तर याक्षि श्रमुक्तरने उ निक्ष कर्यान रूप्तराक्षरीय अध्या श्रमान करियन।

দ্রানীয় শাসন -সংক্রার প্রতিষ্ঠানের ক্ষরতা

मुानीय नाजन

### 8 थॉ भितित्कुम- अिवत्रका कर्मनिजाश

৬)। বাংলাদেশের প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগ সর্হের প্রবাধিনায়কতা রাষ্ট্রপতির উপর ন্যান্ত হইবে এবং সাইনের দ্বারা তাহার প্রয়োগ নিয়ন্তি হইবে।

সর্বাধিনামকতা

৬২। (১) সংসদ আইনের দ্বারা নিমুলিখিত বিষয়-সমূহ নিম্বুশ করিবেন: প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগে ভর্তি প্রভৃতি

- (ক) বাংলাদেশের প্রতিরক্ষা কর্মবিভাগসমূহ ও উক্ত কর্মবিভাগসমূহের সংরক্ষিত সংশসমূহ গঠন ও রক্ষণাবেক্ষণ;
- (भ) डेक कर्मविज्ञानप्रमूह किमन मञ्जूनी;
- (গ) প্রতিরক্ষা-বাহিনীসমূহের প্রবানদের নিয়াগ-দান ও তাঁহাদের বেতন ও ভাতা-নির্বারন; এবং
- (ঘ) উক্ত কর্মবিভাগরয়ূহ ও সংবৃদ্ধিত অংশ-সমূহ -সংকান্ত শৃঙ্খনামূনক ও অন্যান্য বিষয়।
- (২) प्रश्मित् आहेत्तव द्वावा अहे अनुष्क्षव (२) प्रकाम वर्निक विषम्प्रस्र्रह्र इत्रा विधान ना कवा भर्मनु अनुस्प (य प्रकल विषम् अञ्चित आहेत्वव अधीन नहर, वाञ्चेभिक आद्यास्मित द्वावा (अहे प्रकल विषय् इत्राह्म दियान कवित्व भावित्वत ।

৬৩। (১) সংদদ্রে সমাতি ব্যতীত মুদ্ধ ঘোষনা করা মাইবে না কিংবা প্রকাতন্ত্র কোন মুদ্ধে অংশ গ্রহণ করিবেন না।

- (২) वाश्लामिक विक्षि म्ल, क्ल वा आकार निर्मा अक्र वा आकार निर्मा अक्र वा आजन आक्रमित क्षित वार्षेषि वाश्लामित क्षा अधिवृक्षा क्र क्र जाँग्र विकास अस्मित क्षा अधिवृक्षा अद्ये क्रिए भावित्व अस्मित विकास अस्मित विकास वार्षेष्ठ ना भाकित उर्क्षिए प्रश्मम आखान करा देशे ।
- (७) युद्ध किश्वा आक्रमने वा प्रमञ्ज विद्यादित काल क्रिनितामछा निकिठ कित्यात ७ वाधुकि वक्षा कित्वात छेष्प्रभा चिल्मा अख्याक प्रश्मापत विधियम् कान आहेनक धेरे प्रश्विधातत कान किह्ने श्रीविध कित्व ना ।

## ৫ম পরিচ্ছেদ— অ্যাটর্নি-জেনারেল

७८। (>) जूसीम कार्टिन विठातक रहेवान त्यामा कान नाकिक नास्त्रेमिक वाल्ला (एलन अग्रोहेर्न (कृगासन - मित्सामान कनितन ।

(2) अगादिन - रङ्गार्वे वाहुे भिक् कर्वे अमु उ

अगार्धिन-क्षत्राख्न

সকল দায়িত্ব পালন করিবেন।

- (৩) স্যাটরি-জেনারেলের দায়িস্থালনের জন্য বাংলাদেশের সকল স্থাদালতে সাঁহার বক্তব্য পেশ করিবার অধিকার থাকিবে।
- (৪) রাজুপতির সন্তোষানুমামী সমম্সীমা পমর্ব অ্যাটর্নি-জেনারেল স্থীম্ পদে বহান থাকিবেন থবং রাজুপতি কর্তৃক নির্বারিত পারিমুয়িক লাভ করিবেন।

#### পঞ্চম ভাগ

#### **आ**रेन जं

### **३** अतिरक्ष्य — जश्जप

७६। (১) "काजीस मध्यम्" नास वाश्नाप्तात् अवि मध्यम् थाकित्व धवः धदे प्रश्विधात्मव विदानावनी-प्रात्मक खकाजत्मुक आदेनस्रमेसन-ऋत्रजा मध्यप्ति जेभक नामु दहेत्व ;

ञश्त्रम-श्रिका

তবে শর্ত থাকে মে, সংসদের সাইন-দারা মে কোন ব্যক্তি বা কর্তৃপক্ষকে আদেশ, বিধি, প্রবিধান, উপ-আইন বা আইনগত কার্মকরতাসমূর অন্যান্য চুক্তিপত্র প্রথমনের ক্ষরতার্পন হইতে এই দ্ফার কোন কিচুই সংসদকে নিবৃত্ত করিবে না।

- (২) একক आक्षालिक निर्वाहनी प्रलाकाममूट रहेरा প্রত্যক্ষ নির্বাहনের মাধ্যমে आहेनान यामी নির্বাहিত তিন শত সদ্দ্য নইমা এবং এই স্কুদ্ধের (৩) দ্ফার কার্মকর্তাকালে উক্ত দ্ফাম বর্নিত সদ্দ্য-দিগকে নইমা সংসদ গঠিত হইবে; সদ্দ্যাপন সংসদ-সদ্দ্য বলিয়া অভিহিত হইবেন।
- (৩) এই সংবিশান-প্রবর্তন হইতে দৃশ বংসরকান অতিবাহিত হইবার অব্যবহিত পরবর্তীকালে সংসদ ভাঙিগমা না মাওমা পর্মন্ত পনরটি আসন কেবল মহিলা-সদ্স্যদের জন্য সংরক্ষিত থাকিবে এবং তাঁহারা আইনানুমামী পুরোজ সদ্স্যদের দ্বারা নির্বাচিত হইবেন;

তবে শর্ড থাকে মে, এই দ্ফার কোন কিছুই এই অনুদ্ধেরে (২) দ্ফার স্থীন কোন আগনে কোন মহিনার নির্বাচন নির্বত্ত করিবে না।

(८) वाक्षानीक अध्याप्य आवन थाकित।

७७। (३) कान नुष्कि नाश्नाम् सन नाम कि देशेल अवर जाँदान व्यस भाँ किया निष्म निष्म स्थान भूमें द्रदेश्य परे जनुष्क्रित् (३) मकास निर्मा विभिन्न विद्यान-आलक जिन सर्मात् सम्मा निर्मा कि द्रदेशन पदर सर्मि-सम्मा थाकि वाद्य स्थान द्रित्त ।

(२) कान गुकि मः मान्य मन्त्र निर्वाहिक इरेवाक थवः मरमन-मन्त्र थाकिवाव त्याना रहेवन ना, यिन प्रश्नित् निर्वाहिङ द्वेयात त्यागुङा ३ अत्यागुङा

- (ক) কোন উপমুক্ত আদানত জঁহাকে স্থেক্তিস্ বলিয়া ঘোষনা কবেন;
- (খা) তিনি দেউনিমা ছোমিত হইবার পর দাম হইতে অব্যাহতি নাভনা করিয়া থাকেন;
- (গ) তিনি কোন বিদেশী রাষ্ট্রের নাগরিকত্ব অর্জন করেন কিংবা কোন বিদেশী রাষ্ট্রের প্রতি আনুগত্য ঘোষণা বা জ্বীকার করেন;
- (ছা) তিনি নৈতিক সন্মানমজনিত কোন ফৌজদারী অপরাধে দোষী দাব্যস্ত হইমা অন্যান দুই বংদরের কারাদ্রে দন্তিত হন এবং তাঁহার মুজিলাভের পর পাঁচ বংদরকাল অতিবাহিত না হইমা থাকে;
- (৬) তিনি ১৯৭২ সালের বাংলাদেশ মোগ-সাজ্পকারী (বিশ্বস্থ ট্রাইব্যুনাল) আদেশের অশীন মে কোন অপরার্থে জন্য দন্তিত হইয়া থাকেন;
- (চ) আইনের দারা সদাধিকারীকে সমোগ্য ঘোষণা করিতেচ্ না, এমন সদ ব্যুতীত তিনি প্রজাতন্ত্রের কর্মে কোন লাভজনক সদে অধিষ্ঠিত থাকেন; সম্প্রবা
- (क्) जिनि कान आहेरनर मादा ग अवीन अनुक्रम निर्वाहरनर क्रा आयाण हन।
- (৩) এই অনুদ্ধেদের উদ্দেশ্যসাধনকল্পে কোন ব্যক্তি কেবল মন্ত্রী, প্রতিমন্ত্রী বা উপমন্ত্রী হইবার কার্নে প্রজাতন্ত্রের কর্মে কোন লাভজনক শংদ অধিষ্ঠিত বলিয়া গণ্য হইবেন না।
- (8) कान अरुमा-मामा जाँशत निर्वाहतत भन थरे अनुत्कृति (२) म्मा म विर्व अयाभाजात अथीन शरेमा हिन कि ना किरवा परे अरिविधातत १० अनुत्कृत- अनुमात कान मरमा-मामात्र आमन मूना शरेक कि ना, प्र ममार्क कान विकर्ष प्रभा मिला सनानी उ निकालित करा अभी निर्वाहन कि निर्वाहन कि समान कि स्थित शरेक शरेक अनुमान कि समान कि स्थान हिन शरेक समान कि समान हिन शरेक शरेक अनुमान कि समान कि समान हिन शरेक शरेक शरेक।
- (৫) अने अनुस्कृतित (४) मकात विधानायनी प्राशास धूर्म कार्यकरणा लाख करिए भारत, रिमेर जेल्लाला निर्वाहन किस्मन्तक अध्यानार्त्तव अन्तु

সংলদ মেরূপ প্রয়োজন বোঁষ করিবেন, আইনের দ্বারা জেইরূপ বিধান করিতে পারিবেন।

७१। (>) कान अर्बन्- मन्(माद आक्रेन श्र्ना इरेक्, मिन सम्बाह्य आस्त्र सूना इउग्रा

(ক) তাঁহার নির্বাচনের পর সংসদ্ধ প্রথম বৈঠকের তারিখা হইতে নম্মই দিনের মধ্যে তিনি তৃতীয় তফ্রিলে নির্বারিত শপ্রপ্রহার বা ছোমনা করিতে ও শপ্তমা প্রে বা ছোমনাপ্রে দ্বাক্ষরদান করিতে সদর্য্য হন ;

> তবে শর্ক থাকে মে, অনুরূপ মেয়াদ্ অতিবাহিত হুইবার পুর্বে স্মীকার মথার্ম কার্নে তাহা বর্ষিত করিতে পারিবেন;

(খ) সংসদের অনুমতি না লইয়া তিনি একাদিকমে নস্বাই বৈঠক-দিবদ সনু-পদ্ধিত থাকেন;

(भ) अर्मप् जिल्लमा याम ;

(श) जिनि এरे प्रश्विधातन ५५ अनु एक एत् (२) मकान अधीन अत्याना रहेगा यान; अथवा

(७) परे महिवैशासक १० अनुस्कृति वर्निछ अविद्विष्ठिक डेनुक इस।

(২) कान प्रत्मित-प्रमाग प्रभीकार्य निकित प्राक्षत्र प्रकार प्रदेश प्राक्षत्र प्रकार प्रीय प्रमा जाग करिए पारिएन, अवर भीकार्म किर्वा भीकार्य प्रमा प्रमा भाकिल वा जना कान कान्ति प्रभीकार प्रीय पारिश्वभागत ज्यमध्य रहेला एजपूषि भीकार प्रभान जेक भाज प्राप्त रून, ज्यम रहेला जेक प्रमाश्व जामन सुना रहेरा

৬৮। সংসদের সাইন-দ্বারা কিংবা অনুরূপভাবে নির্বারিত না হত্তয়া পর্মন্ত রাষ্ট্রপতি কর্তৃক আদেশের দ্বারা মেরূপ নির্বারিত হইবে, সংসদ্-সদ্স্যুগর্ণ বেতন, ভাতা ও বিশেষ-স্থাধিকার নাভ করিবেন।

সংমদ-সদস্যদের বেজন প্রভৃতি

७०। (कान गुक्ति ५२ ज्रः विधान विधान अनुभामो समथश्रद्यने वा व्याभने कविवाव ५ वद भमभामा वा व्याभने माला म्राक्षव्राव कविवाव भूर्त किथा जिनि प्रश्मिन मन्ना दरेवाव व्याभा नाहन वा

শদমগ্রহান পুর্বে আসনগ্রহন বা ভোটদান করিলে সদস্যের অর্থদন্ত अत्याना दरेगारहन कानिया प्रश्मम्-मम्माक्ताल आस्रन-श्रद्य वा खारेमान कित्र जिनि स्रिक मिलद अनुक्रम कार्येद कृता श्रकाजरम्भ निकटे प्रना दिमाद छेसून-त्याना प्रक दाकाद होका कित्रमा अर्थम्रस्ट मस्नीय इटेरवन।

90। কোন নির্বাচনে কোন রাজ্নৈতিক দ্লের প্রাথিরিক্সে মনোনীত হইয়া কোন ব্যক্তি সংগদ-সদ্দ্য নির্বাচিত হইনে তিনি মদি

(क) डेक म्य रहेल भम्गाग कलन, अथवा

(খ্র) সংসদে উক্ত দলের বিপঞ্চে ভোটদান করেন,

जारा रहेत्न प्रश्माप जाँराव आप्रम भूना रहेत्व, जत्व जिनि प्रिरे कावते भववर्जे कान निर्वाष्ट्रत प्रश्मपन प्रमुखा रहेवाव आयोगा रहेत्वन ना ।

রাজ্মৈতিক দ্ল হুইতে পদত্যাগ বা

দলের বিপয়েচ

खारेमात्व काव्रि व्याप्तन सूना रहमा

(4) (5) कान युक्ति अकरे प्रमास पूरे वा ठळाविक निर्वाचनी अलाकाव प्रश्मम-मम्प्रा रहेरवन ना ।

(२) त्कान बाक्तित अकरे ममस् पूरे वा उलाधिक नियांक्री अलाका रहेल निर्वाहनक्षार्थी रुउम्रास अरे अनुस्कुरित (२) एकास वर्निज त्कान किहुरे छाजि-वक्तका मृष्टि कवित्व ना, जत्व जिनि यिष अकाधिक निर्वाहनी अलाका रहेल निर्वाहिज रून जारा रहेल

> (ক) তাঁহার সর্বশেষ নির্বাচনের বিশ দিনের মধ্যে তিনি কোন, নির্বাচনী এলাকার প্রতিনিধিত্ব করিতে ইচ্চুক, তাহা জ্ঞাপন করিয়া নির্বাচন কমিশনকে একটি স্বাঞ্চরযুক্ত ঘোষণা প্রদান করিবেন এবং তিনি অন্য মে সকল নির্বাচনী এলাকা হইতে নির্বাচিত হইয়াচিলেন, সতঃপর সেই সকল এলাকার আসন-সমূহ শূন্য হইবে;

> (थ) परे प्रकात (क) डेम-प्रका प्रामा करिए अन्नस्य दरेला जिति या प्रकन आमत निर्वाहिज दरेग्राहिलन, प्रदे प्रकन आमन सूना दरेव ; प्रवः

> (গা) এই দ্ফার উপরি-উক্ত বিধান সমূহ মতখানি প্রযোজ্য, ততখানি শানন না করা পর্মন্ত নির্বাচিত ব্যক্তি সংমদ্-সদ্দ্যের শাসমগ্রহান বা ঘোষনা করিতে ও শাস্থ

দ্বৈত-সদ্স্যুতায় বাবা পতে বা ঘোষনাপতে দ্রাঞ্চরদান করিত পারিবেন না।

92। (১) জরকারী বিজ্ঞপ্তি-দারা রাষ্ট্রপতি সংসদ আহ্বান, দ্বিত ও ভঞ্জ করিবেন এবং সংসদ আহ্বানকালে রাষ্ট্রপতি প্রথম বৈটকের সময় ও দ্বান নির্বার্থ করিবেন;

তবে শর্ত থাকে মে, সংসদের এক অবিরেশনের দ্রমান্তি ও সরবর্তী অবিবেশনের প্রথম বৈঠকের মধ্যে মাট দিনের অভিরিক্ত বিরতি থাকিবে না।

(২) এই অনুচ্চেদের (২) দফার বিশামারলী রেস্থেত সংসদ-সদস্যদের মে কোন সামারণ নির্বাচনের ফলাফল ঘোষিত হইবার ত্রিশ দিনের মধ্যে বৈঠক অনুষ্ঠানের জ্ন্য সংসদ আহ্বান করা হইবে।

(৩) রাষ্ট্রপতি পূর্বে ভাজিয়া না দিয়া থাকিনে প্রথম বৈঠকের তারিখ হইতে পাঁচ বংদর অতিবাহিত

र्रेल प्रत्म जानिस्मा यारेख :

তবে শর্ত থাকে মে, প্রকাতন্ত্র মুদ্ধে নিপু থাকিবার কানে সংসদের আইন-দ্বারা অনুরূপ দেয়াদ এককানে অনপ্রিক এক বংগর বর্ষিত করা মাইতে পারিবে, তবে মুদ্ধ সমাপ্ত হইনে বর্ষিত দেয়াদ কোনজনে চুমু মাদের অধিক হইবে না।

- (8) प्रश्मित ज्ञा श्रीवात भन् धवः अःप्राप्त भन्नकीं प्राधातमे निर्वाहन अनुकात्मन भूदि नाकु भिवत निर्काह प्राधान स्था त्या प्राध्यक्ष निर्काह प्राधान स्था त्या प्राध्यक्ष स्था प्राधान निर्वाह स्था प्राधान निर्वाह स्था प्राधान क्ष्म व्याख्या क्ष्म क्ष्म क्ष्म व्याख्या क्ष्म व्याख्या क्ष्म व्याख्या क्ष्म व्याख्या क्ष्म क्ष्म व्याख्या क्ष्म विष्म व्याख्या क्ष्म विष्म विष
- (৫) अरे अनुष्कृत्पत्र (२) मकात्र विधानावनी-प्रात्माक कार्यक्षनानी-विधि-मात्रा वा अनुज्ञात प्रश्मम् त्यक्षम निर्धात्रने कवित्वन, प्रश्मापत् विधेकप्रमूर त्मरे-क्रम प्रमास ७ मृत्त अनुष्ठिज दरेत्व।

৭৩। (১) রাষ্ট্রপতি সংমদে ভাষ্ট্র দান এবং বাণী প্রের্থ করিতে পারিবেন।

- (২) সংসদ-সদস্যদের প্রত্যেক সাধারণ নির্বাচনের পর প্রথম অবিবেশনের সূচনাম এবং প্রত্যেক বং সর্ প্রথম অবিবেশনের সূচনাম রাষ্ট্রপতি সংসদে ভাষণ দান করিবেন।
  - (৩) রাষ্ট্রপতি কর্তৃক প্রদন্ত ভাষন প্রবন বা

प्रश्माप्त्र अधिवन्त

सःमाम बाबुभिन्ति जासने ३ वानी त्यति वानी आधित भन मध्यम डेक जायने वा वानी अमार्क आत्नाहना कवित्वन।

(2) क्यीकाद या उपूर्विक्यीकात्व भम शूना इरेटा, यमि

(क) जिति प्रथम- प्रमुप्ता ना थारकन ;

(भ) जिनि मनी-अप शहन कर्वन ;

- (গ) পদ্ হইতে তাঁহার অপদারণ দাবী করিয়া মোট সংসদ্-সদ্দ্যের সংখ্যাগরিষ্ঠ ভোটে সময়িত কোন প্রদ্যাব (প্রদ্যাবটি উশ্যা-পনের অভিপ্রায় জ্ঞাপন করিয়া অন্যুন চৌদ্দ দিনের নোটিশ প্রদানের পর) সংসদে গৃহীত হয়;
- (ছা) তিনি রাষ্ট্রণতির নিকট দ্বাঞ্চরমুক্ত পত্র-মোগে তাঁহার পদ ত্যাগ করেন ;
- (৬) কোন সাধারন নির্বাচনের পর অন্য কোন সদ্স্য তাঁহার কার্মভার গ্রহণ করেন; অথবা

(চ) ডেপুটি দ্দীকারের ক্ষেত্রে, তিনি দ্দীকারের পদে মোগদান করেন।

(७) अभोकारत्त भम भूगु रहेल या जिनि ताद्देभिन्न पाग्निज्ञ भानता त्र थाकिल किश्वा अगु कान कात्र किश्वा अगु कान कात्र किश्वा अगु माग्निज्ञ भानता अप्रसर्थ विन्या प्रथम निर्धात्म किश्वा भाग्निज्ञ किश्वा कात्र किश्वा कार्मिक किश्वा भाग्निज्ञ किश्वा क्ष्मिक क्षीकार्त्व भाग्न किश्वा क्ष्मिक किश्वा क्षानि किश्वा कार्म किश्वा कार्म किश्वा कार्म किश्वा कार्म किश्वा क्ष्मिक किश्वा क्ष्मिक किश्वा क्ष्मिक क्

দ্দীকার ও ডেপুটি দ্দীকার

- (8) प्रश्मित्व कान देवितक म्मोकावतक ठाँशव भिन्न श्रीक ज्यामाव्यावित क्रमा कान श्रमाव विविध्या-कात्म म्मोकाव (किश्वा छिषु छि म्मोकावतक ठाँशव भिन्न श्रीकाव (क्रिया छिषु छि म्मोकावतक ठाँशव भिन्न श्रीकाव ज्याप्तावित्य क्रमा क्रमाव विविध्या-कात्म छिषु छि म्मोकाव ) छेमिन्न भाकित्य प्रजामित्य कवित्य ता पवर पर्रे अनुष्कृत्व (७) प्रमास वर्निठ एक्षव्यव म्मोकाव वा छिषु छि म्मोकावव अनुभिष्ठ -कानीन देविक प्रमार्क श्रामाका विश्वावनी अनुक्रम श्रालाक देवितकव एक्षाव श्रामाका श्रीवा
- (৫) क्रीकात वा उपपूषि क्रीकात्व अभगावलेव क्रिया काम असाव प्रश्माम वित्विष्ठ दरेवात् काल क्ष्म्यमञ क्रीकात वा उपपूषि क्रीकात्व कथा वित्वाव उ प्रश्मामक कार्यभावाम स्माजात अश्मप्रदर्शव अधिकाव थाकित्व धवश जिति क्ष्मिन प्रमाजात उपनिवास स्मिनात्वे दरेत्वन ।
- (७) अट्टे अनुष्क्रित् (२) म्मात विधानायली प्राष्ट्रिक १ १४ में कार्य क्रीकात ठाँशन जेडनार्विकानी कार्यजान श्रद्धने ना कना भर्मक स्वीम भरम वहाल नहिमारहून सलिमा भर्ग दहेरव।

१८। (३) धरे प्रश्विधान-प्रात्भक्ष

(क) अरुप्रम् कर्ज्क अनीज कार्यश्रमानी-विवि - मात्रा अवर अनुक्रम विवि अनीज ना रुअमा भर्मनु वाष्ट्रेमिज कर्ज्क अनीज कार्यश्रमानी - विवि - मात्रा मर्प्राम्य कार्य-अनानी निम्मिज्य रहेरद ;

(খা) উপরিত ও ভোটদানকারী সদস্যদের সংখ্যাসরিষ্ঠ ভোটে সংসদে সিদ্ধান্ত গৃহীত হইবে তবে সমসংখ্যক ভোটের ক্ষেত্র ব্যতীত সভাপতি ভোটদান করিবেন না এবং অনুরূপ ক্ষেত্রে তিনি নির্নীয়ক ভোট প্রদান করিবেন;

(भ) प्रश्माप्त काम प्रमुश्म भूना विश्माह, क्रियम पर्टे कावले किश्वा प्रश्नाम डेमिष्ठ रहेबाद वा लिंदिनात्व वा ज्यमा काम डेमार्स कार्यथावास अश्मध्र सेव अधिकाव ना थाका प्रखु काम बाकि ज्यमूक्ष कार्स कविसाहिन, क्रियम पर्टे कावले प्रश्माप्त काम कार्यथावा ज्यिव रहेव ना । কাৰ্যপ্ৰশালী-বিধি, কোৱাম প্ৰভৃতি

- (২) সংসদের বৈঠক চলাকালে কোন সময়ে উপদ্পিত সদ্স্য- সংখ্যা সাটের কয় বলিয়া মদি সভাপতির দৃষ্টি আকর্ষন করা হয়, তাহা হয়ল তিনি অন্যুন ষাট জন সদ্স্য উপদ্যিত না হৣয়া পর্মন্ত বৈঠক দৃ্গিত রাখিবেন কিংবা মুন্তবী করিবেন।
- १७। (३) ज्ञश्माप्त खालाक अधित्वमात्तव ध्यथम रेविहेटक ज्ञश्माप्त प्रमाप्त प्रदेश द्रिक ज्ञास्मा लोगा ज्ञश्माप निम्नानिधिक म्रामी किन्निष्ठम् निर्माण किन्निया

সংসদের দ্বামী কমিটিসমূহ

- (क) प्रवकाती शिषाय किषिटि;
- (थ) विलिध- अधिकाद कमिटि; पवर
- (গ) সংলদের কার্মপ্রধানী-বিধিতে নির্দিষ্ট অন্যান্য দ্যায়ী কলিটি।
- (২) সংসদ এই সেরুচ্ছেদের (২) দফায় উল্লিখিত কয়িটিসমূহের অতিরিক্ত অন্যান্য দ্বায়ী কমিটি নিমোগ করিবেন এবং অনুরূপভাবে নিমুক্ত কোন কয়িটি এই সংবিধান ও অন্য কোন আইন -দাপেক্ষে
  - (क) अन्नज़ा विल ও अन्याना आहेन शठ अनुग्व भन्नेका कतिल भानित्वन;
  - (খ) আইনের বনবংকরন পর্মালোচনা এবং অনুরূপ বনবংকরনের জন্য ব্যবদাদি প্রহনের প্রস্তাব করিতে পারিবেন;
  - (भ) ज्रनकुरुञ्जमभन्न विनमा प्रश्नम् कार्य विषयं प्रभार्क किपिटिक अवश्चि कवित्न त्मरे विषयं कान मनुनानस्य कार्य वा अभापन प्रमुक्त अनुप्रकान वा उप्तु किवि भावित्वन এवः कान प्रमुनानस्य निकिट रहेर्ड अध्यञ्जाषु अजिनिवित पार्यास प्राप्तश्चिक उथ्यामि प्रश्चारत अवः अभामित स्मोधिक वा निधिक डेड्वनाख्न यावस्ना किविर् भावित्वन ;
  - (ছ) সংপ্রদ কর্তৃক অপিত অন্য মে কোন দায়িত্ব পানন করিতে পারিবেন।
- (७) प्रःमम् आहेरात् मात्रा परे अनुरक्रम् अ
  - (ক) সাক্ষীদের হাজিরা বনবং করিবার এবং শদাম, ছোমনা বা অন্য কোন উপায়ের অখীন করিয়া ভাঁহাদের সাক্ষ্যপ্রহনের,

(খ) দলিলপত্র দাখিল করিতে বাধ্য করিবার প্রস্মতা প্রদান করিতে পারিবেন ।

99। (১) সংসদ আইনের দারা ন্যায়পানের শদ্ প্রতিষ্ঠার জুন্য বিশান করিতে পারিবেন।

(২) সংগ্রদ্ আইনের দারা ন্যায়পানকে কোন মনুনান্ম, সরকারী কর্মচারী বা সংবিধিবদ্ধ মরকারী কর্তৃপক্ষের মে কোন কার্ম সঞ্চার্কে তদ্দুদরিচাননার ক্ষমতাগ্রহ মেরুপ ক্ষরতা কিংবা মেরুপ দায়িত্ব প্রদান করিবেন, ন্যায়পান সেইরুপ ক্ষরতা প্রয়োগ ও দায়িত্ব পালন করিবেন ।

(৩) ন্যায়পাল জাঁহার দায়িত্বপালন সদ্মর্কে বাংলরিক রিপোর্ট প্রথমন করিবেন এবং স্নার্ক্স রিপোর্ট সংসদে উপদ্যাপিত ইইবে।

৭৮। (১) সংসদের কার্মবারার বৈবিতা সম্পর্কে কোন আদানতে প্রশ্ন উত্থাপন করা মাইবে না।

(२) अश्याप्त तम अपमा वा कर्मना के अपन प्रश्मापन कार्यश्रमानी निष्मुन, कार्यमनिम्नान वा मृज्यनात्रकात अपना नामु थाकित जिन परे अकन अभागाश्रमान नम्मकिं कार नामात् कार यामानल्य प्रश्मित्रात्व अपीन दहेत्वन ना।

(৪) সংসদ কর্তৃক বা সংসদের কর্তৃত্ব কোন রিপোর্ট, কাগজ্পতা, ভোট বা কার্মখারা প্রকাশের জ্ন্য কোন ব্যক্তির বিরুদ্ধে কোন সাদানতে কোন কার্মখারা গ্রহন করা মাইবে না।

(৫) यरे ज्यनुष्क्र-प्राप्ताक प्रध्यप्त जारेन-माना प्रध्यप्त, प्रध्यप्त किमिरिप्रमूद्त प्रवश् प्रध्यप्-प्रप्रप्त विष्य जिन्न विर्वान विर्वान क्या प्रारेख भानित।

१३। (३) अथ्यापन निक्य मिवानम् थाकित।

(২) সংসদেক সচিবানমে কর্মচারীদের নিয়োগ ও কর্মের শর্তসমূহ সংসদ আইনের দ্বারা নির্মাঠ করিতে পারিবেন।

(৩) রংসদ কর্ত্ক বিশান প্রনীত না হওয়া পর্মন্ত ক্ষীকাবের সহিত প্রারশক্ষে রাষ্ট্রপতি न्यायभान

সংমদ ও সদস্যদের বিশেষ-অধিকার ও দামমুক্তি

**मः त्रद-त्रहिवालग्** 

मर्मप्त मिहवालास कर्महातीप्त निरमाभ उ कर्मत् শ্রময়ূহ নিখারন করিয়া বিধি প্রশ্মন করিতে সারিবেন এবং অনুরূপভাবে প্রনীত বিধিপমূহ মে कान आहेत्व विधान- मालाक कार्यकर रहेता।

# ২য় পরিচ্চেদ— আইনপ্রশয়ন ও অর্থ -সংক্রান্ত পদ্ধতি

bol (>) आर्रेन ख्रेन्स्न के प्लाल प्रामित व्यानी व्यारेन खर्मा कि প্রত্যেকটি প্রদ্ধাব বিল-আকারে উপ্যাপিত হইবে।

- (२) प्रश्मम कर्ज्क कान विन शृशेज रहेला সম্মতির জ্ন্য তাহা রাষ্ট্রপতির নিকট পেশ ক্রা उदेरव ।
- (৩) রাষ্ট্রপতির নিকট কোন বিন্ন পেশ করিবার भर भनत पित्र मधी जिति जाराज ममाजिपान क्रियन किश्वा अर्थिन युजी अन्य कान विल्य ক্ষেত্রে বিলটি বা তাহার কোন বিশেষ বিধান भूनर्विदिष्ठनाव किश्या बाबुेभिक कर्क निर्पाणिक कान मः लार्थनी विविष्ठनाव अनुवार्थ खामन कविमा पकि वार्जामर जिनि विनि मश्माप कार पिछ भावित्वन ; प्रवः वार्षेभि ज्ञां कवित् अममर्थ ररेल डेक समारम्य अवमात जिनि विनिर्देश प्रमिष्टिमान कवियाकिन विनिया भन् रहेरव।
- (৪) রাষ্ট্রপতি মদি বিনটি অনুরূপভাবে मरमा क्रिक्ट भार्यान, जादा दरेक्न मरमम् वार्षेपवित वार्जाबर जारा भूनविर्विष्ठना कविरवन; अवः प्रः लावेनी-प्रश् वा प्रश्लाविनी वाजितिक प्रध्यप पूनराश विनिष्ठि शुर्भ कवित्न अमाजिव क्रा जारा वार्षेभिज्य निकछे डेममामिङ दरेद अवर अनुकृष डेममामदा माङ पित्तव प्राथि जिति विलिटि प्रश्नाजिमान कवितिन ; वरः बाहुभिक जाशा कित्र जाममर्थ रहेला डेक सिमार्द्र अववात जिति विनिहेल नम्जिनान कविमाहिन विलिमा भनी इरेटि ।
- (৫) সংঘদ কর্তৃক গৃহীত বিনটিতে রাষ্ট্রপতি मग्रिविमान कवित्व वा जिनि मग्रिजिमान कविमारहन विल्या अभी बहुरे जाहा आहेत भविभेठ इहेट अवर मरमाप्त आरेन बनिमा अভिरिठ रहेता।

b)। (i) धरे जाल "अर्थविन" वनिए त्करन निम्नासिश्व विष्यम् ममृद्द मकल वा त्य कान वकि

अर्थविल

ज्ञक्कार्किङ विधानायली-ज्ञश्यनिङ विल बुभारेख:

- (ক) কোন কর আরোপ, নিয়ন্ত্রণ, রদবদল, রওকুফ বা রহিতকর্ণ;
- (খা) সর্কার কর্তৃক খানপ্রহান বা কোন গ্যারাটি দান, কিংবা সর্কারের আর্থিক দাম-দামিস্থ সদ্মকিত আইন সংশোবন;
- (গ্ৰ) সংমুক্ত তহৰিলের রক্ষণাবেক্ষণ, অনুকৃষ তহৰিলে অর্মপ্রদান বা অনুকৃষ তহৰিন হইতে অর্থ দান বা নির্দিষ্টকরণ;
- (ছা) সংমুক্ত তহবিলের উপর দায় আরোপ কিংবা অনুরূপ কোন দায় রদ্বদ্ন বা বিলোপ;
- (৬) সংমুক্ত তহৰিল বা প্রকাতন্ত্রের সরকারী হিসাব বাবদ্ অর্মপ্রোপ্তি, কিংবা অনুরূপ অর্থ রক্ষনাবেক্ষন বা দান, কিংবা সরকারের হিসাব-মিরীক্ষা;
- (চ) উপরি-উক্ত উপ-দ্ফাসমূহে নির্ধারিত মে কোন বিষমের অখীন কোন আনুষ্ঠিপক বিষয়।
- (२) कान क्रियाना वा जन्य जर्यम् ज्ञात्म वा व्यन्त ज्ञात्म क्रिया नार्ट्यम्न-कि वा कान मार्यं क्रिया किरवा ज्ञात्म वा छमान किरवा क्रानीय जेमून ज्ञात्म का छमान किरवा क्रानीय जेम्म कर्षक कान कर ज्ञात्म कर्षक वा अधिका कर्क कान कर ज्ञात्म नियम् ने, व्रम्यम्स, मञ्जूक वा वरिज्ञ कर्तन विवान करा रहेग्राह, क्रियन धरे कार्त कान विस्त जर्थिक विसान करा रहेग्राह, क्रियन धरे कार्त कान विस्त जर्थिक विसान करा रहेग्राह, क्रियन धरे कार्त कान विस्त जर्थिक
- (७) बाकुलिवित प्रमाणित क्रा गंदात निकिष्टे लग्न कित्रवाद प्रमाण थालाक व्यथिति क्रोकादित ब्राक्कत्व परे मार्म प्रकिष्ट मार्किकिक्षे भाकित या, जादा प्रकिष्ट व्यथिता, प्रवः व्यनुक्ता मार्डिकिक्षि प्रकल विश्वास पूजातु दरेत्व प्रवः त्यरे प्रकार्क कान व्यामानल श्रम जेशालन क्रा मारेत ना।

৮২। সরকারী অর্থব্যয়ের প্রশ্ন জড়িত রহিয়াছে, এমন কোন অর্থবিল বা বিল রাষ্ট্রপতির সুদারিশ ব্যতীত সংসদে উম্পাধন করা মাইবে না;

তবে শর্ত থাকে মে, কোন কর ব্লাস বা বিলোলের বিশ্বান-সংবলিত কোন সংশোধনী উত্থাদনের জ্ন্য এই অনুদ্ধেদের অশ্বীন সুপারিশের প্রয়োজ্ন হথৈ না। आर्थिक युवस्यकोड़ प्रभाविम ৮৩। সংসদের কোন আইনের দ্বারা বা কর্তৃ ব্যতীত কোন কর আরোম বা সংগ্রহ করা মাইরে না।

সংসদের আইন ব্যতীত করারোশে বার্থা

৮৪। (>) সরকার কর্তৃক প্রাপ্ত সকল রাজ্ম্ম, সরকার কর্তৃক সংগৃহীত সকল ঋণ এবং কোন ঋণদরিশোর হিতে সরকার কর্তৃক প্রাপ্ত সকল অর্থ একটি দার তহুবিলের অংশে পরিনত হইবে এবং তাহা "সংমুক্ত তহুবিলা" নামে অভিহিত হইবে ।

সংমুক্ত তহবিন ও প্রজাতন্ত্রের সরকারী হিসাব

(२) प्रतकात कर्षक वा प्रवकारवृत भक्त प्राप्त अनु प्रकल प्रतकाती अर्थ अकाउरमुद प्रवकाती दिष्टार्थ क्या देशेरा ।

> अवकाती अर्थित निम्तुरे

> अज्ञानसङ्घन जननाती रिमाय अपम् जर्भ

**৮৬।** প্রজাতন্ত্রের সরকারী হিসাবে জ্য়া ইইবে=

(क) बारुख्न किश्वा এই प्रश्विकात्व ५-८ ज्यू एक् प्रिक् (२) म्मान कान्ती एम्स्र ज्यू प्रश्यूक ज्यू विज्ञान कार्ती एम्स्र ज्यू प्रश्यूक ज्यू विज्ञान कार्ती विश्व कर्म विश्व क्रिया अकान्त कर्म विश्व क्रिया अकान्त विश्व कर्म प्राप्त कर्म क्रिया क्रिय

(थ) মে কোন মোকদ্বা, বিষয়, হিমাব বা ব্যক্তি বাবদ মে কোন আদানত কুৰ্ত্বক প্ৰাপ্ত বা আদানতের নিকট জ্য়া রহিয়াছে, এইক্লদ সকন অর্থ।

৮৭। (১) প্রত্যেক অর্থ-বং দর দঞ্চার্ক বং দর্র জন্য দরকারের অনুমিত আম ও ব্যুম -দং বনিত একটি বিবৃতি (এই ভাগে "বার্মিক আর্থিক বিবৃতি" নামে অভিহিত) দংদদে উপদ্যাপিত হইবে।

(২) বার্ষিক আর্থিক বিবৃতিতে পৃথক পৃথকভাবে

ৰাৰ্ষিক আৰ্থিক বিবৃতি

- (क) परे मः विधातिक द्वारा वा अधीन मः युक्त जर्वित्मक छेलक मास्त्रक्त वर्षिक वास-निर्वादक कना श्रासाक्तीस अर्थ, पवर
- (था) प्रश्मुक उर्श्वन रहेल गुप्त कहा रहेत, अरेक्षण अम्बाविक अन्याना गुप्ति निर्वाहरू कृता अस्माक्तीय अर्थ

अम्बिंज इरेक अवः व्यन्ताना वाम रहेल वाक्ष्मभालव वाम श्यक कविमा अम्बिंज रहेक।

**७७**। मश्यूक जर्बित्व डेलव मास्यूक वास् निम्नुक्ष रहेरव :

मः मुक अर्वित्वव डेलद माग्

- (ক) রাষ্ট্রপতিকে দেম পারিপ্রমিক ও তাঁহার দপুর-সংশ্লিষ্ট সন্যান্য ব্যুম;
- (था) (आ) म्लीकात उ एपूरि म्लीकात, (आ) जुलीस कार्टिन निवातकगर्भ,
  - (रे) प्रश दिमाव-निवीक्षक ७ निम्नुक,
  - (क्रे) निर्वाहन क्षिमनावृशन,
  - (उ) अवकावी कर्म क्षिमातव मन्मुपिशक एम् भाविश्रक्षिक ;
- (গ) সংসদ, সুপ্রীম কোর্ট, রহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিম্নুকের দন্তর, নির্বাচন কমিশন এবং সরকারী কর্ম কমিশনের কর্মচারী-দিগকে দেম পারিশুমিকসহ প্রশাসনিক ব্যুম;
- (ম) মুদ, পরিশোধ-তহবিলের দাম, মূনধন পরিশোধি বা তাহার ক্রম-পরিশোধি এবং ঋণসংগ্রহ-বালদেশে ও সংমুক্ত তহবিলের জ্যানতে গৃহীত ঋণের মোচন-সংকার অন্যান্য ব্যম্মহ সরকারের ঋণ-সংকার দকন দেনার দাম;
- (৬) কোন আদানত বা টুাইব্যুনান কর্তৃক প্রজাতন্ত্রের বিরুদ্ধে প্রদৃত্ত কোন রাম, ডিক্রী বা রোমেদাদ কার্মকর করিবার জন্য প্রমোজনীম মে কোন পরিয়াণ অর্থ; এবং
- (চ) এই সংবিধান বা সংসদের আইন -দ্বারা অনুরূপ দামমুক্ত বনিয়া ঘোষিত অন্য মে কোন ব্যম।

৮৯। (১) সংমুক্ত তহবিলের দাম্মুক্ত ব্যম্ সন্দার্কিত বার্ষিক আর্থিক বিবৃতির অংশ সংসদে আলোচনা করা হইবে, কিন্তু তাহা ভোটের আত্ততা-ভুক্ত হইবে না।

বার্ষিক আর্থিক বিবৃতি সন্মর্কিত পদ্ধতি

निर्मिके कर्न आरेन

- (২) অন্যান্য ব্যয়-সঞ্চার্কিত বার্ষিক আর্থিক বিত্তির অংশ মঞ্জুরী-দাবীর আকারে সংদদে উপস্থা-পিত হইবে এবং কোন মঞ্জুরী-দাবীতে সম্মতিদানের বা সম্মতিদানে অদ্বীকৃতির কিংবা মঞ্জুরী-দাবীতে নির্বারিত অর্থ ব্লাম-সাপেক্ষে তাহাতে সম্মতিদানের ক্ষমতা সংসদের থাকিবে।
- (৩) রাষ্ট্রপতির দুপারিশ ব্যতীত কোন মঞুরী দাবী করা মাইবে না।
- ३०। (२) जिश्मम कर्ज्क धरे मश्विचातित ५० अनुत्कृतित् अभीन प्रञ्जूती-मातित भन मश्युक उर्श्वल रहेल निम्नालिश्व वाम्मिनिर्वादन ज्ञा खामाक्रीम प्रकल अर्थ निर्मिष्टकर्तिन विधान-प्रश्वलिश्व धकि विल मथाभीच्च अश्वति छेणाभन करा रहेता:

(ক) সংসদ কর্তক প্রদত্ত অনুরূপ মাজুরী; এবং

- (ম) সংসদে উপদ্যাপিত বিবৃতিতে প্রদর্শিত অর্থের অনবিক সংমুক্ত তহবিনের দামমুক্ত ব্যম।
- (२) व्यनुक्तम कान विस्त्र प्रशास अश्वास अश्वास अश्वास अश्वास कहा रहेरव ना, याराज कर्ना अनुक्तमणात अन्त कान मञ्जूतीज्ञ भित्र कान मञ्जूतीज्ञ भित्र कान केर्न भित्र कान केर्न भित्र कान केर्न केर्न मास्युक वर्राया भित्र किर्म मास्युक वर्षाया भित्र किर्म कि
- (৩) এই সংবিধানের বিধানাবনী-সাপেঞ্চে সংমুক্ত তহবিন হইতে এই অনুদ্ধেদের বিধানাবনী-অনুমামী গৃহীত আইনের দ্বারা নির্দিপ্টকর্ম ব্যতীত কোন অর্থ প্রত্যাহার করা হইবে না।
- ১)। কোন অর্থ-বংগর প্রদক্ষে মদি দেখা মাম মে,

সঞ্রক ও অতিরিজ মঞুরী

(ক) চনিত অর্থ-বংসরে নির্দিষ্ট কোন কর্মবিভাগের জ্ন্য অনুমোদ্তি ব্যয় অপর্মাণ্ড ইইয়াচে কিংবা এ বংসরের

90

বার্ষিক আর্থিক বিবৃতিতে অনুর্ভুক হয় নাই, এমন কোন নৃতন কর্ম-বিভাগের জ্ন্য ব্যয়নির্নাহের প্রয়ো-জ্নীয়তা দেখা দিয়াচে, অথবা

(খ) কোন জার্থ-বংদরে কোন কর্মবিভাগের জন্য মঞ্জুরীকৃত অর্থের অধিক অর্থ ঐ বংদরে উক্ত কর্মবিভাগের জ্ন্য ব্যায়িত হইয়াছে,

जाहा हरेल परे प्रश्विधात्म द्वामा या अवीन प्रश्युक जहिलाम छेला रेहारक पास्मुक करा हरेक वा ना रहेक, प्रश्युक कहिला रहेल परे वर्म निर्वाहर कर्ज्य श्रामान किर्वाम करियाम क्षिण्य मार्कित थार्कित थार्कित प्रश्युक जहिला करियाम वर्मिक प्रकृतिक करियाम कर

১২। (১) এই পরিচ্চেদ্র উপরি-উক্ত বিধানাবলীতে মাহা বলা ইইয়াচে, তাহা সম্ভেত্ত

হিনার, ঋন গ্রন্থতির উদর ভোট

- (ক) মজুরীর উপর ভোটদান সন্দর্কে এই
  সংবিধানের ৮৯ অনুচ্চ্চে নির্মারত
  পদ্ধতি সন্দর্মর না হওয়া পর্যন্ত এবং
  এ ব্যম সন্দর্মিত ১০ অনুচ্চ্চের বিধানাবনী-অনুযায়ী আইন গৃহীত না হওয়া
  পর্মন্ত কোন অর্থ-বৎপরের কোন অংশের
  জ্ন্য অনুমিত ব্যমের অগ্রিমা মজুরীদানের প্রমতা সংসদের থাকিবে;
- (था) कान कार्यं विभान्न वा अनिर्षि विभान्न वा अनिर्षि विभान्न वार्षिक व्यक्ति विश्वित क्रिन् विभान्न वार्षिक व्यक्ति विश्वित प्राचन वार्षिक व्यक्ति विश्वित व्यक्ति विश्वानि व्यक्ति व्यक्ति क्रिन् व्यक्ति व्यक्ति क्रिन् व्यक्ति विभाव विक्ति विक्ति
- (গ) কোন অর্থ-বিংসরের চলিত ব্যায়ের অংশ নয়, এইরূপ ব্যতিক্রয়ী মঞ্জুরীদানের ক্লমতা

### जः प्रति थाकितः ;

এবং মে উদ্দেশ্যে অনুরূপ মঞ্জুরীদান করা ইইয়াছে, তাহা আইনকল্পে সংমুক্ত তহবিন হুইতে আইনের দ্বারা অর্থ প্রত্যাহারের কর্তৃপ্রদানের ক্ষমতা সংদদ্ধে থাকিবে।

(2) वार्षिक आर्थिक विवृध्ि उल्लिभिड कान वार्म- मम्मिक्ड सञ्क्र्सी मातन (क्रांट्स वर जन्म वार्म निर्वार्ट्स उल्लिगा प्रश्मुक उर्दिन रहेल अर्थ निर्मिश्चेकत्र तेत कर्ड्स अमातन क्रा अनीज्या आरेतन (क्रांट्स पर्टेस प्रतिमानन क्रा अनीज्या बारेतन (क्रांट्स पर्टेस प्रतिमानन क्रा अनुक्लि विधानावनी (यस्ता प्रक्रिम रहेति, वर्षमान अनुक्लित (३) म्यान अधीन कान मञ्जूतीमातन (क्रांट्स पर्टेस म्यान अधीन अनीज्या कान आरेतन (क्रांट्स उन्नेक अनुक्त्मम् प्रमाण कार्यक्र रहेति।

## ৩য় পরিচ্চেদ্দ অধ্যাদেশপ্রশয়ন-ক্ষমতা

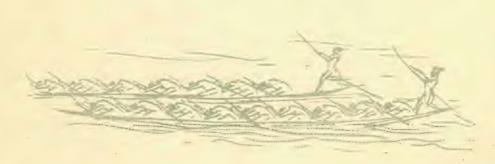
३७। (२) मश्मादि अविदिश्याम बुठीठ कान मिस्स बाद्धेशिवत निकिट आग्छ बादम्राध्यर्थत् कृत्रा ख्रिसाक्तीम भित्रिम् विद्यास बिद्यास बिद्यास बिद्यास वित्र बिद्यास विद्यास प्रतिम् अविद्यास ख्रीम् कित डेक भित्रिम् क्रिक्ट यस्त्र अर्थास्त्रीम वित्र मित्र प्रति क्रिक्ट यस्त्र अर्थास्त्रीम वित्र कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति विद्यास प्रति कर्ति विद्यास प्रति कर्ति विद्यास प्रति कर्ति विद्यास प्रति विद्यास विद्यास

ত্র শর্ভ থাকে মে, এই দ্ফার অবীন কোন অব্যাদ্ধে এমন কোন বিবান করা ইইবে না,

- (ক) মাহা এই জংবিখানের স্থান সংসদের আইন-দারা সাইনদ্ধতভাবে করা মাম না;
- (খ) মাহাতে এই সংবিবানের কোন বিবান পরিবর্তিত বা রহিত হইয়া যায়; অখবা
- (গ) মাহার দ্বারা পূর্বে প্রনীত কোন অখ্যা-দেশের মে কোন বিখানকে অব্যাহত-ভাবে বলবং করা মায়।
- (২) এই অনুচ্চেদ্রে (১) দ্ফার অধীন প্রনীত কোন অধ্যাদেশ জারী হইবার পর অনুষ্ঠিত সংসদের প্রথম বৈঠকে তাহা উপস্যাসিত হইবে এবং ইতঃপূর্বে

অন্যাদেশপ্রশম্ন-ক্ষরতা वाजिन ना रहेगा थाकिल अर्थाापमि अनुसम्भाव उभमामत् भन जिम दिन अजिवाहिज रहेल किश्वा अनुसम त्ममाप डेडीर्न रहेवान भूवि जारा अनुसामन कनिमा प्रभाप अमुाव श्रीज रहेल अर्थाापमिक कामक्राज लाभ भारेख।

(৪) এই অনুদ্ধেদ্র (৩) দফার অবীন জারী-কৃত প্রত্যেক অব্যাদেশ মথাশীল্ল সংসদে উপদাপিত হইবে এবং সংসদ পুনর্গঠিত হইবার তারিখ হইতে প্রিশ দিনের মধ্যে এই সংবিধানের ৮৭,৮৯ ও ১০ অনুদ্ধেদসমূহের বিধানাবলী প্রয়োজনীয় উপযোগীন কর্মসহ পালিত হইবে।



### ষ্ঠ ভাগ

# বিচারবিভাগ

# ১ম পরিচ্ছেদ- সুপ্রীম কোর্ট

38। (১) "वाश्लाम् मुश्रीम कार्षे" नास वाश्ला দেশের একটি সর্বোচ্চ আদানত থাকিবে এবং আদীন বিভাগ ও হাইকোর্ট বিভাগ নইয়া তাহা গঠিত হইবে।

(২) প্রধান বিচারপতি (মিনি "বাংলাদেশের প্রধান বিচারপতি" নামে অভিহিত হইবেন) এবং প্রত্যেক বিভাগে আমনপ্রহানের জ্ন্য রাষ্ট্র-পতি মের্লি সংখ্যক বিচারক নিয়োগের প্রয়োজ্ন বোঁব করিবেন, দেইরূপে সংখ্যক অন্যান্য বিচারক লইয়া দুপ্রীয় কোর্ট গঠিত হইবে।

(৩) প্রশ্নান বিচার্পতি ও আপীল বিভাগে নিমুক্ত বিচারকগন কেবল উক্ত বিভাগে এবং অন্যান্য বিচারক কেবল হাইকোট বিভাগে আজন

धर्म कवित्वन ।

- (৪) এই সংবিশানের বিশ্বানাবনী-মাপেক্ষে প্রশান বিচারপতি এবং অন্যান্য বিচারক বিচারকার্য-পাননের ক্ষেত্রে স্থাধীন থাকিবেন।
- ৯৫। (১) প্রশান বিচারপতি রাষ্ট্রপতি কর্তৃক নিমুক্ত হইবেন এবং প্রশান বিচারপতির প্রহিত প্রায়র্শ করিয়া বাষ্ট্রপতি অন্যান্য বিচারককে নিয়োগদান করিবেন।

(२) कान बाकि बाल्नामिलक नामिक ना इरोक्न अवर

> (ক) সুপ্রীম কোর্টে অন্যূন দশ বংগরকাল স্যাতভোকেট না থাকিয়া থাকিলে সংখ্যা

> (খ) বাংলাদেশের রাষ্ট্রীয় সীয়ানার মধ্যে অনুনে দৃশ বংজর কোন বিচারবিজ্ঞীয় দদে অধিষ্ঠান না করিয়া থাকিলে কিংবা অন্যুন দশ বংজরকাল অ্যাডভোকেট না থাকিয়া থাকিলে; এবং অন্যুন তিন বংজর জেলা-বিচারকের ঞ্চরতা নির্বাহ্ না করিয়া থাকিলে

তিনি বিচারকপদে নিয়োগলাভের যোগ্য হইবেন না। (৩) এই অনুদ্ধেদে "মুপ্রীয় কোর্ট" বনিতে जुल्रीझ कार्टे -श्रविका

বিচারক-নিয়োগ

परे अश्विधान-अवर्जन शूर्व (य कान प्रमास गःला-पिट्मा नाङ्गीस प्रीमानान प्रावेष्ठ या ज्यापानक राहेरकार्टे रिजार्क पथित्रांत अरमान करियाहि, प्रिशे ज्यापानक असुर्कुक रहेरक।

১৬। (১) এই অনুচ্চেদ্র বিখানাবনী-সাপেক্ষে কোন বিচারক বাষটি বংলর বম্ল পুর্ন হওমা পর্মন্ত স্থীম পদে বহাল থাকিবেন।

विष्णव्यक्तम् अस्ति । स्मिमान्

- (২) श्रमानिक अम्रमाहत्रने वा अस्राम्माश्रुत्रं काद्रते सः माम्य स्मामे सम्म्यु-अः भगाद अनुग्न मूरे- कृत्रोसाः भाविश्वजाद माना प्रमर्थिक मः माम्य श्रमानकाद्य श्रमुख वाष्ट्रेभिक्ति आाम्य गुळीक कान विहानकाक अम्रमाविक कहा सारे वि ना।
- (৩) এই অনুচ্ছেদের (২) দফার স্থান প্রস্তার সন্ধর্কিত পদ্ধতি এবং কোন বিচারকের অন্নদাচরন বা অসাসর্থ্য সন্ধর্কে তদন্ত ও প্রমানের পদ্ধতি সংসদ সাইনের দ্বারা নিম্দুন করিতে পারিবেন।
- (৪) কোন বিচারক রাষ্ট্রপতিকে উদ্দেশ করিয়া স্থাক্ষরযুক্ত প্রযোগে শ্বীয় পদ ত্যাগ করিতে পারিবেন।

৯৭। প্রখান বিচারপতির পদ শূন্য হইলে কিথা অনুপদ্ধিতি, অপুদ্ধৃতা বা অন্য কোন কার্থে প্রশান বিচারপতি তাঁহার দামিবুশাননে অপনর্ম বনিমা রাষ্ট্রপতির নিকট প্রস্তোমজনকভাবে প্রতীয়নান হইলে ক্ষেত্রমত অন্য কোন ব্যক্তি অনুরূপ পদে যোগদান না করা পর্মন্ত কিংবা প্রখান বিচারপতি দ্বীয় কার্ম-ভার পুনরায় গ্রহ্ম না করা পর্মন্ত আলীন বিভাগের অন্যান্য বিচারকের মধ্যে মিনি কর্মে প্রবীনতন্ন, তিনি অনুরূপা কার্মভার পাননা করিবেন।

अनुमी श्रधान विन्नमिंड निस्मान

३७। এই সংবিশানের २८ অনুদ্ধের বিধানাবনী সত্ত্বেও প্রশান বিচারপতির সহিত পরামর্শ করিয়া রাষ্ট্রপতির নিকট পুস্রীম কোর্টের কোন বিভাগের বিচারক-সহখ্যা সাম্মিকভাবে বৃদ্ধি করা উচিত বলিয়া সন্থোষজ্নকভাবে প্রভীয়মান হইলে তিনি মথামথ মোগ্রাসদমর এক বা একাবিক ব্যক্তিকে অন্যিক দুই বংসরের জন্য সভিরিক্ত বিচারক নিমুক্ত করিতে পারিবেন, কিংবা তিনি উপমুক্ত বিবেচনা করিলে হাইকোট বিভাগের কোন বিচারককে মে কোন অন্থায়ী সেয়াদের জ্ন্য স্কাপীন বিভাগে

সুখ্রীদ কোর্টের অতিরিক্ত কিনুকগর্ম আসনগ্রহনের ব্যবস্থা করিতে পারিবেন;

তবে শর্ক থাকে মে, অতিরিক্ত বিচারকর্মে নিমুক্ত কোন ব্যক্তিকে এই সংবিধানের ৯৫ অনুচ্চ্দ্রে অখীন বিচারকর্মে নিমুক্ত হইতে কিংবা বর্তমান অনুচ্চ্দের অখীন আরও এক মেয়াদের জন্য অতিরিক্ত বিচারকর্মেপে নিমুক্ত হইতে বর্তমান অনুচ্চ্দের কোন কিছুই নির্ভ করিবে না।

३०। कान व्यक्ति (अरे प्रश्विधातन २৮ अनु-फ्रिन्न विधानावनी-अनुप्तात् अठिनिक विग्निक्स् पामित्रणानन व्यक्ति) विग्निक्स्प पामित्रणानन कित्मा थाकित्न छेऊ भम रहेल अवप्रम्भूरतंन वा अभूषात्रिक रहेवान भन जिनि कान आपानक वा कर्षात्रक निकिट एकानिक वा कार्य कित्विन ना अवर श्रद्धान्त्व कार्य निर्माणनाल्य गाणा रहेवन ना। অব্দর্গ্রনের পর বিচারকদের অক্ষয়তা

300। बाङ्धानी छ मुधी मा कार्षित मुग्नी आजन भाकित, जत बाद्देश जित अनु स्मान्त महेगा ध्वान विष्ठा विष्ठा प्रमाम् अनु स्म म्हान वा म्हान महूर निर्वादन कित्रत्वन, स्मिरे म्हान वा म्हानमग्रूह राष्ट्रिकार विद्यालक् अवित्यमन अनु कि रहे छ भाविता।

সুদ্রীয় কোর্টের আমন

303। परे महिंदीन वा अनु कान आहेत्व माना रारेकार्ट विভाशित डेल्स यम् आदि, आभोम अ अनुस्रकात - पथित्रात ७ अन्नज अलिंड ररेमाह्, डेऊ विভाशित हिरेस्ल पथित्रात ७ अन्नज भाकित।

হাইকোট বিভাগের এখতিমার

১০২। (১) कान अश्कृष व्यक्तित आतिएनका धरे अश्विदात्तत ज्ञीम जालित चाना अर्लि अविकान-अस्टित स्म कान धकि वलवे कित्वात जन्य अस्टित स्म कान धकि वलवे कित्वात जन्य अस्टित स्मावलीत अश्चि अस्मिक्ठि कान पामित्रभालनकानी व्यक्तिप्रदेश निस्भावली वा आस्भावली पान कित्र भानित्वन।

মৌনিক অধিকার
বনবংকর+ প্রদ্রাজ্য
থবং কতিপম
আদেশ ও নির্দেশ
প্রভৃতি -দানের ক্ষেমে
হাইকোর্ট বিভাগের
ক্ষমতা

(২) হাইকোর্ট বিভাগের নিকট মদি সন্তোম-জ্নকভাবে প্রতীয়য়ান হয় মে, স্থাইনের দ্বারা অন্য কোন সমফনপ্রদ বিধান করা হয় নাই, তাহা হইলে (ক) মে কোন সংশ্বন্ধ ব্যক্তির আবেদ্নক্রমে

- (অ) প্রজাতর বা জ্যানীয় কর্ণকের বিষয়াবলীর সহিত সংশ্লিপ্ট মে কোন দায়িত্বপালনে রত ব্যক্তিকে আইনের দ্বারা অনুমোদিত নয়, এমন কোন কার্ম করা হইতে বিরত রাখিবার জ্ন্য কিংবা আইনের দ্বারা তাঁহার কর্নীয় কার্ম করিবার জ্ন্য নির্দেশ প্রদান করিয়া, অথবা
- (আ) প্রজাতন্ত্র বা কোন স্নানীয়
  কর্তৃপক্ষের বিষয়াবলীর সহিত
  দংশ্লিপ্ট মে কোন দায়িত্বপালনে
  কৃত ব্যক্তির কৃত কোন কার্ম বা
  গৃহীত কোন কার্মবারা আইনসঙ্গত কর্তৃত্ব ব্যতিরেকে করা
  হইয়াচ্চে বা গৃহীত হইয়াচ্চে
  ও তাহার কোন আইন গত
  কার্মকর্তা নাই বলিয়া ঘোষণা
  করিয়া

উক্ত বিভাগ আদেশদান করিতে পারিবেন; অথবা (থা) মে কোন ব্যক্তির আবেদনকরে

- (आ) आहेन प्रभुज कर्ब गुजित्तक वा विजाहेनी जेलाएम कान बुद्धिक श्रह्मम् आहेक बाधा रम्म नाहे विलिम्मा माराज जेक विजालव निकट प्राह्मा क्रक्न कात श्रेज्या मान रहेल भारत, प्रमें क्या श्रह्मम् आहेक जेक बुद्धिक जेक विजालव प्रसूप्य आनम्मद निर्म्स श्रमान कविसा, अथवा
- (আ) কোন সরকারী পদে আমীন বা আসীন বলিয়া বিবেচিত কোন ব্যক্তিকে তিনি কোন্ কর্তৃবলে অনুরূপ পদ্মর্যদায় অধিষ্ঠানের দাবী করিতেচ্রে, তাহা প্রদর্শনের নির্দেশ প্রদান করিয়া

डेक विजाभ आएममान कविल भावित्वन।

(७) डेमर्नि-डेक प्रकाममूह यादा वला रहेमार्क्, जादा मञ्जू धरे मर्विवातन ४१ अनुस्कृप প্রযোজ্য হয়, এইয়প কোন আইনের ক্লেত্রে বর্তমান অনুদ্ধেদের অধীন কোন আদেশদানের প্রথমতা হাইকোর্ট বিভাগের থাকিবে না।

(8) परे जनुष्क्रप्त (२) म्का किश्वा परे जनुष्क्रप्त (२) म्कान (क) छेष-म्कान अधीन कान जारवम्नक्रा या रक्षत जनुर्वे आरम्भ क्षार्थना करा रहेमारह प्रवश् जनुरुष जनुर्वे आरम्भ

> (ক) মেখানে সমাজ্তান্ত্রিক কর্মদূচী বাস্ত্র-বামনের জ্ন্য কোন ব্যবস্থার কিংবা কোন উন্নম্নমূলক কার্মের প্রতিকূনতা বা বাবা সৃষ্টি করিতে পারে, অথবা

> (শ্র) মেখানে জন্য কোনভাবে জ্নজ্বার্থের পক্ষে ক্ষতিকর হইতে পারে,

(मर्भात ज्याप्टिन-रहनात्मक डेक आत्मन प्रमार्क मुक्तिप्रकेष ताष्टिममान थवर ज्याप्टिन-रहनात्मक (किश्वा परे विषयः जाँराज प्वावा जावसामु जन्य कान ज्याज जार किया वक्ष्य अवसे ना कवा भर्मस् पवर परे म्मान (क) वा (भ) डेम-म्माम डेल्लिभिज श्रिकिमा पृष्टि किन्ति ना विनमा रारेकार्टि विज-श्रिक निकटे म्हामक्तकजात श्रिममान ना रुमा भर्मस् डेक विज्ञा कान असुर्वेठी ज्याप्त मान किन्तियन ना ।

(७) श्रमाश्वर प्राप्ताञ्चल अन्तर्भ ना दरेल धरे अनुरक्त्र "वाङि" विन्छ मः विविवक्ष मन्नानी कर्ष्ट्रमञ्च उ वाल्लार्म्सन श्रविन्नः कर्मविना मार् -मःकानु आर्रेतन् आवीन श्रविश्वि कान आम्मान वा द्वेरियुनाल वाजीज किश्वा धरे मः विवासन >>१ अनुरक्त् श्राप्ताञ्च र्म, धरेन्न्रम कान द्वेरियुनाल वाजीज स कान आम्मानज वा द्वेरियुनाल अनुर्ज्ज ररेत्व।

১০৩। (১) হাইকোর্ট বিভাগের রাম, ডিক্রী, আদেশ বা দ্যাদেশের বিরুদ্ধে আদীন শুনানীর ও তাহা নিষ্পত্তির এখতিয়ার আদীন বিভাগের থাকিবে।

(२) शहेकार्ट विजाशव वाम, जिक्री, आदिश वा म्हादिशक विक्दि आभीन विजाशव निक्छे जिटे ११६८ अधिकाववत्न आभीन कवा माहेत्व, या ११६८ शहेकार्ट विजाश

(क) अरे झार्स जार्डिफित्कि मान कवित्वत त्म, माझनाछित जिल्ल अरे प्रश्वितन আদীন বিভাগের এখতিয়ার ব্যাখ্যার বিষয়ে আইনের গুরুত্বপূর্ন প্রশ্ন জড়িত রহিয়াচে; অথবা

(৩) কোন মৃত্যুদ্দ বহাল করিয়াচ্ন কিংবা কোন ব্যক্তিকে মৃত্যুদ্দে বা মাবজ্জীবন কারাদন্তে দ্দ্তিত করিমাচ্নে; অথবা

(গা) উক্ত বিভাগের অবদাননার জ্যু কোন ব্যক্তিকে দ্ভদান করিমাছেন;

धवः जः अत्मत्त आहेन-माता त्यम् विधान करा हरेत्व,

ष्प्रदेस्म यन्ताना (कवा।

(७) शहेरकार्टे विज्ञालिक वाम, जिकी, आदिश वा म्झादिसक विकृद्धि त्य ब्राम्नाम परे अनु-एम्हादि (२) प्रका श्रामाङ्का नर्ह, रकवन आशीन विज्ञाल आशीत्मक अनुम्रिक्शिन कवित्स प्रिरे ब्राम्बनाम आशीन किर्ति।

(८) ज्ञश्यम आहेराव प्वाया स्थायना कवित्व प्रावित्वन त्य, परे अनुष्कृष्म विधानप्रभूर राहेलाएँ विভाश्यव स्थाप्त त्यक्त स्याक्ष्य, अन्य कान आपानउ वा द्वीरियुनात्नव स्थाप्त जाहा (प्रहेक्त स्याक्षु रहेरव ।

208। कान वाक्रित राक्षिण किश्वा कान मिनन अव डेम्झाहेन वा माधिन कितवार आदम्भावर आशीन विভाशित निकहे विवादांवीन त्य कान झाझना वा विश्वास प्रक्षूर्म नामित्रवाद्व क्रमा त्यक्षण धासाक्रनोम रहेळ भारत, डेक विভाश जिसेक्षण निर्द्म, आदम्भ, डिक्रो वा बोहे काबो कित्र भावित्वत ।

আশীন বিভাগের পরোয়ানা জারী ও নির্বাহ

২০৫। দংদদের মে কোন আইনের বিধানাবলী-দাপেক্ষে এবং আপীল বিভাগ কর্তৃক প্রদীত মে কোন বিধি- দাপেক্ষে আপীল বিভাগের কোন ঘোষিত রাম বা প্রদৃত্ত আদেশ পুন বিবেচনার ক্ষরতা উক্ত বিভাগের থাকিবে।

আদীন বিভাগ কর্তৃক রায় বা আদেশ পুনর্বিবেচনা

১০৬। মদি কোন সমমে রাজ্বিপতির নিকট প্রতীম্মান হয় মে, আইনের এইর্গে কোন প্রশ্ন উত্থাপিত হর্ষ্মান্ত্রে উত্থাপনের সন্ধাবনা দেখা দিয়াক্, মাহা এমন বরনের ও এমন জনগুরুত্ব-সম্পান্ন মে, সেই সমার্কে সুপ্রীম কোর্টের মতামত গ্রহণ করা প্রয়োজন, তাহা হইলে তিনি প্রশ্নটি

जूषोम कार्टित उलामधामूनक पथाउँमान আশীন বিভাগের বিবেচনার জন্য প্রেরণ করিতে পারিবেন এবং উক্ত বিভাগা দ্বীয় বিবেচনায় উপযুক্ত শুনানীর পর প্রস্নাটি সন্ধার্কে রাষ্ট্রপতিকে দ্বীয় মতায়ত ভ্রাপন করিতে পারিবেন।

১০৭। (২) সংসদ কর্তৃক প্রনীত যে কোন আইন-সাপেক্ষে সুপ্রীয় কোর্ট রাষ্ট্রপতির অনুমোদন নইয়া প্রত্যেক বিভাগের এবং অবস্তুন যে কোন আদানতের রীতি ও পদ্ধতি-নিম্নু নের জ্ন্য বিধিসমূহ প্রথমন করিতে পারিবেন ।

দুপ্রীন্ন কোর্টের বিধিপ্রশম্ন-ক্ষমতা

- (২) जूथीम कार्ट परे अनुक्कृत्मत (२) मृक्ता प्रवर परे मर्वियातत २२०, २১६ ७ २२५ अनुक्कृत-प्रमूर्व अधीन मामिञ्चममूर्व जान जेक आमानलव कान प्रकृति विज्ञान किरवा प्रकृति वा प्रकारिक विज्ञानक अभिन किर्नु भानितन।
- (७) এই अनु (क्ष्राप्त अभीन अभीज विधिन्न प्रूर-नार्षाक रकान् कान् विनानकक नरेमा कान् विज्ञालन कान् विक्ष भठिज ररेख थवा कान् कान् विनानक कान् जेप्पाण आजन श्रद्ध कित्वन, जारा श्रांत विनानमिज निसान कित्वन।
- (৪) প্রখান বিচার্পতি সুপ্রীয় কোর্টের যে জান বিভাগের কর্মে প্রবীধতয় বিচারককে অেই বিভাগে এই অনুদ্ধেদের (৩) দ্ফা কিংবা এই অনুদ্ধেদের অধীন প্রনীত বিধিসমূহ-দ্বারা অর্দিত যে কোন ক্ষরতাপ্রযোগের ভার প্রদান ক্রিতে পারিবেন।

२०४। त्रुष्टीम कार्ट अकि "कार्ट अव त्रकरं" इरेटिन अवर देशन अवमाननान क्रा उपत्तर आएम-मान वा म्हाएममात्तर अभाजमर आहेन-मालक अनुक्ष आमान्य प्रकल अभाजन अधिकाती थाकिटन।

"কোর্ট অব রেকর্ড" রূপে সুপ্রীয় কোর্ট

১০%। হাইকোর্ট বিভাগের অবস্তুন একন আদানত ও ট্রাইব্যুনালের উপর উক্ত বিভাগের তত্ত্বার্বনান ও নিয়ন্ত্রণ-ক্ষমতা থাকিবে।

আদ্যনতসমূহের উপর তত্ত্বাবধান ও নিম্নুন

>>>। शहेरकार्टे विजाशित निकि मिन प्रत्याम-क्रिकजारव अञीमसान दम स्म, उक विजाशित कान अविज्ञन आमाल्य विष्णां वीन कान मामलाम् पर्दे प्रश्विवास्त्र बाज्या- प्रश्कानु आहेरात् प्रसन् अक्ष्रभूने अन्न वा प्रसन क्रिक्ष्मप्रमान विष्ण অধন্তন আদানত হইতে হাইকোর্ট বিভাগে মামনা স্থানাক্তর क्रिक विश्वाहि, मिश्रिक मामनाव भीमारमाव क्रिना माराव मक्षर्क मिम्नानुध्य से अरमाक्त, जारा रहेटन राहेटकार्ट विकास केक आमानक रहेट मामनार्टि अज्याराव कविमा सरेखन धवर

> (क) ख्रुग्रेट माद्यनाष्टित मीमार्मा करितनः, अथवा

(थ) डेक आहेत्व अमि हिन निश्वि किंदिन त्या प्रवाह डेक अम मम्साल शहेलाँ विভाগেन नाराम नकलमा एम आहाल हो होताँ विভाগেन नाराम किंद्र मामलाहि अगृश्व क्वा शहेगाहिल, स्मिरे आहाल (वा अन्य काम अवस्त आहाल) मामलाहि स्वाह क्वा अवस्त आहाल हो सामलाहि किंद्र मामलाहि किंद्र मामलाहित मामलाहित मामलाहित मामलाहित मोमलाहित किंद्र अव्याह श्रे कुंद्र शहेर्यन ।

১১১। আপীন বিভাগ কর্তৃক প্রোমিত আইন হাইকোর্ট বিভাগের জ্ন্য এবং দুপ্রীয়া কোর্টের মে কোন বিভাগ কর্তৃক ঘোষিত আইন অধদ্যন দ্রকন আদানতের জ্ন্য অবশ্যপাননীয় হইবে। দুপ্রীর কোর্টের রামের বাব্যসমূনক কার্মকরতা

>>>। প্রক্রাতন্ত্রের রাজ্রীয় দীয়ানার অন্তর্ভুক্ত দকল নির্বাহী ও বিচার বিভাগীয় কর্তৃপক্ষ দুপ্রীয় কোর্টের সহায়তা করিবেন। দুলীল কোর্টের দহাম্তা

3) (२) अथान विष्ठाव्यकि किश्या जाँश्व निर्द्रभक्ष व्यन्त कान विष्ठाव्य वा कर्म ष्ठावी मूस्रीम कार्टिन कर्म ब्रोमिशक निमुक करियन प्रवश्च वार्षु भठिव भूर्यानु स्थापनक्ष मूस्रीम कार्टे कर्म स्रीक विधिन्न सूर्यानु व्यनु मामी परे निर्माणमान कहा रहेक । मुल्लीस कार्टिन । कर्मानिशन

(२) अश्माप्त एम कान आहेत्व विश्वाना-वनी-आलाक मूखीम कार्टे कर्ज्क खनीज विधिनमूह एमक्रम निर्धाविज इहेरव, मूखीम कार्टेव कर्मावीएव कर्म्य गर्जावनी प्रिहेक्स इहेरव।

## ২য় পরিচ্চেদ্ অধস্তুন আদালত

১১৪। আইনের দ্বারা মেরূপ প্রতিষ্ঠিত হইবে, দুপ্রীম কোর্ট ব্যতীত দেইরূপ অন্যান্য অধ্যান আদানত থাকিবে। অধ্যন্ত আদানত-দ্ৰমূহ -প্ৰতিষ্ঠা

>>৫। (>) विष्ठाविज्ञाशीमः भरम् वा विष्ठाविज्ञाशीम् मामिञ्जभानवकावी अगुर्जिस्ट्रिटे-भरम् অর্থস্কন আদানতে নিমোগ

- (क) व्हिला- विठाउ (कर क्षाप्त प्रिप्त कार्षेत्र मुभाविभक्ता, धवर
- (খা) অন্য কোন ব্যক্তির ক্ষেত্রে উপমুক্ত দর্কারী কর্ম কমিশন ও সুখ্রীম কোর্টির দহিত প্রারশ্ক্রে রাষ্ট্রপতি কর্তৃক উক্ত উদ্দেশ্য প্রেনীত বিধিদয়ূহ-অনুমায়ী

बाद्धेभि नित्माभमान कवित्वन।

- (২) কোন ব্যক্তি জেমা-বিচারক -পদে নিয়োগ-নাভের মোগ্য হইবেন না; মদি তিনি
  - (ক) নিমোগলাভের সময়ে প্রজাতন্ত্রের কর্মে রত থাকেন এবং উক্ত কর্মে অন্যুন সাত বংসরকান বিচারবিভাগীয় পদ্ বহাল না থাকিয়া থাকেন; অথবা
  - (খ) অন্যূন দশ বংগ্ৰকান আ্যভভোকেট না থাকিয়া থাকেন।

336। विष्ठात - कर्मविकाल निमुक गुकिएत पवर विष्ठात्रविकालीस मासिङ्गणान्ता तक माजिएस्टिएत निस्तुन (कर्मजून-निर्भातन, लापान्निण्यान ७ कृष्टि-पञ्जूती जर) ७ म्ड्यनाविधान मुस्रीस कार्षित केलत नामु भाकित्व। অবস্তুন আদানত-সমূহের নিয়নুন ও সৃঙ্গুলা

# ৩য় পরিচ্ছেদ— প্রশাসনিক ট্রাইব্যুনাল

3)91 (২) ইতঃপুর্বে মাহা বনা হইয়াছে, তাহা

সত্ত্বেও নিমুনিপিত ক্ষেএসমূহ সন্দর্কে বা ক্ষেএসমূহ
হইতে উদ্ভূত বিষয়াদির উপর এখতিয়ার-প্রয়োগের
জন্য সংল্পদ্ আইনের দ্বারা এক বা একাবিক
প্রশাসনিক ট্রাইব্যুনাল প্রতিষ্ঠিত করিতে পারিবেন:

(ক) নবর ভাগে বর্নিত বিষয়াদি এবং

ष्ठमाञ्चनिक च्रेग्रेव्या-नानअपूर অর্থদন্ত বা অন্য দন্তসহ প্রকৃতিরের কর্মে নিমুক্ত ব্যক্তিদের কর্মের মর্ত্রমনী;

(গ) মে আইনের উপর এই সংবিধানের ১০২ অনুদ্ধেরে (৩) দফা প্রয়োজ্য হয়, সেইরুপ কোন আইন।

(२) कान किया परे अनुष्कृष्त्र अधीन कान ध्रमाझनिक द्वेरिद्राताल श्रविष्ठिण रहे ल्ल अनुक्ष द्वेरिद्रातालक प्रथाविमाद्व अनुभंज कान विश्वास अनु कान आपालण कानक्ष्र कार्यवादा धर्म किव्यन ना वा कान आप्ता श्रमान किव्यन ना;

ज्व गर्ज थाक त्म, प्रश्मम आहेत्र द्वाना जातूनम कान द्वीरेद्रानात्मन प्रिक्वानु पूनर्विकना वा जातूनम प्रिक्वातुन् विकृष्ट्व आमील्य विधान कृष्टि भावित्व ।

#### সম্ভন্ন ভাগ

# निर्वाहन

336। (३) श्रवाम निर्वाचन किमनावृक्त नरेगा थवर बादुभि जि जमरम जमरम रमक्त निर्दाश किवियन, जिर्मे जरभाक अनुनान निर्वाचन किमिनावृक्त नरेगा वार्लाप्त्र पकि निर्वाचन चन किमिन भाकित थवर छेक विश्तम श्रमीठ कान आरेत्व विधानावली-जात्मक बाद्धेभिठ श्रवान निर्वाचन किमिनावृक्त अ अनुना निर्वाचन किमिनावृक्त निर्याणमान किवियन।

(২) একার্ষিক নির্বাচন করিশনারকে নইয়া নির্বাচন করিশন পঠিত হইলে প্রধান নির্বাচন করিশনার তাহার মভাপতিরূপে কার্ম করিবেন।

- (৩) এই সংবিধানের বিধানারনী-সাপেক্ষে কোন নির্বাচন কমিশনারের পদের মেয়াদ্ গঁহার কার্মভারপ্রহেশের তারিখ হইতে পাঁচ বংদ্রকাশ হইবে এবং
  - (ক) প্রথম নির্বাচন ক্ষিপনার -পদে স্থিতিত ছিলেন, এঘন কোন ব্যক্তি প্রকৃতিরের কর্মে নিম্মেপনাভের মোগ্য হইবিন না;
  - (খ) অন্য কোন নির্বাচন কমিশনার অনু-রূপ পদে কর্মাবিলানের পর প্রবান নির্বাচন কমিশনার রূপে নিয়োগনাভ্র মোগ্য হইবেন, তবে অন্য কোনভাবে প্রকৃতিরের কর্মে নিয়োগনাভর মোগ্য হইবেন না।
- (8) निर्वाहत किमन नामिञ्चभानत् क्रिया द्यांथीन थाकिरवन धवर किनन धरे मर्विधान उ आरेराव अधीन रहेरवन।
- (৫) प्रश्मम कर्ज्क ध्रेनीं एम कान आहेत्तर विधानायनी-प्रात्मक्ष्म निर्वाचन किम्मनात्र प्रत् कर्सित भेजांबनी ताब्रेमिं आप्तिमत्र माना त्मम्म निर्वावन कित्तिन, त्यरेक्म दरेत्व;

তবে শর্ক থাকে মে, প্র্প্রীম কোর্টের বিচারক মেরূপ পদ্ধতি ও কার্নে অপসারিত হইতে পার্নে, সেইরূপ পদ্ধতি ও কার্ন ব্যুতীত কোন নির্বাচন ক্রিশনার অপসারিত হইবেন না। নির্বাচন কলিশন' -প্রতিষ্ঠা

(৬) কোন নির্বাচন কমিশনার রাষ্ট্রপতিকে डेल्प्स करिया माक्रवयुक भवत्याल मीय भन ত্যাস করিতে পারিবেন।

১১৯।(१) प्रश्मित्व प्रकल निर्वाहत्व इता छाहाव- निर्वाहन किमिलन তানিকা প্রদ্রুতকর্নের তত্ত্বাবধান, নির্দেশ ও নিম্দুর্ণ अवर मरमाप्त नियानन उ नासुमिनि-भाष्त्र नियानन পরিচালনার দায়িত্ব নির্বাচন কমিশনের উপর नाु थाकित पवः नियाहन क्रियान परे मःविधान उ जारेनानुमासी

वार्षेणि - भरम्य निर्वाहन व्यनुश्रोन (本) कवित्वत ;

मः मप- मप्माप्त निर्वाहन अनुषान कवित्वन ; पवर

मः मार्म निर्वाहत्व क्रा निर्वाहनी (54) वनाकात सीमाना निर्वातनं उ छाछात्-তানিকা প্রদ্রুত করিবেন।

(१) डेलिंब-डेऊ म्फाजबृ (१ निर्शाविज माष्ट्रि-অমুহের অভিরিক্ত মেরুপ দা্মির এই দংবিখান वा अनु कान आहेरात पाना निर्वाति उहेरा, নির্বাচন কমিশন সেইকুপ দায়িত্ব পালন করিবেন।

20। परे जालक अधीन नियानन किमिनात्व डेल्य नामु पामित्रभामत्त्व ज्ना (यक्ष कर्मातीव প্রয়োজন হইবে, निर्याहन कप्रिमन अनुता करित वाष्ट्रेणि नियां हन कित्रमनक रप्रदेश कर्पहारी अमालक् वावसा कवित्वन।

नियाँ हम किमान त्य কর্মচারিগন

>2>। সংসদের নির্বাচনের জন্য প্রত্যেক आक्रिक निर्वाहती पलाकाव पकि कविमा छितेन जानिका थाकित्व पवर वर्स, क्रांठ, वर्ने ७ बारी-शुक्ष स्टल्प् डिडिए छाडे वित्र वित्र किव्या কোন বিশেষ ভোটাব-তানিকা প্রান্ন করা यारेत ना।

প্রতি এনাকার জ্ন্য একটিমান্র ভোটার-जानिका

222। (१) आषुवम् एक्स् वाहिषिकात्- जिडिल अः प्रत्र नियां हत अनुषित्र रहेता।

ভোটার-তানিকায় নামভুক্তির যোগ্যতা

(२) कान बुक्ति मध्यापन निर्वाहतन जुना निर्दादिङ कान निर्वाहनी प्रमाकाम (छाहे।व-ठाविका-चुक दरेवात अधिकाती दरेत्वन, यपि

- (ক) তিনি বাংলাদেশের নাগরিক হন;
- (भ) जाँशाद वम्रज व्याधाद वर्जादंद कंम : भा द्रम ;
- (গ) কোন মোগ্য আদানত কর্তৃক তাঁহার সঞ্চার্কে অপ্রকৃতিজ্ বনিমা ঘোষণা বহাল না থাকিয়া থাকে;
- (ছা) তিনি ঐ নির্বাচনী এলাকার অধিবাদী বা আইনের দ্বারা ঐ নির্বাচনী এলাকার অধিবাদী বিবেচিত হন; এবং
- (७) छिनि २०१२ ज्ञालक वाश्लां (म्ल साम-प्राक्षकाती (विश्व द्वेरिताल) ज्ञात्मलक अभीन कान अपनायंत्र कृत्र मृतिक ना रहेगा थाकन।

3201(2) दाङ्केषिज-भरमद सिमाम-अवमात्त्र कार्त डेक मम भूना दहेला सिमाम-मिमाभित जादित्यव नक्षरे मिन भूर्त भूनाभम भूदर्तत्र जुना निर्वाहन अनुष्ठि दहेरा : निर्वाब्द-अनुष्ठात्व जन्म

ज्य गर्ज थाक तम, तम मश्माप्त प्रमाप्त प्रावा जिति निर्वाहिज रहेमाहिम, जिरे मश्माप्त तम्माप्त काला वार्षेणिज्य कार्यकाल त्मम रहेला मश्माप्त भवाजी प्राथावन निर्वाहन ना रुग्या भर्मन अनुमा भूमी कितिवान कार्या निर्वाहन अनुमा भूमी कितिवान कार्यान निर्वाहत मन स्थाप्त प्राथावन विवेदित मन स्थाप्त प्राथावन विवेदित मन स्थाप्त प्राथावन विवेदित मन स्थापत प्राथावन विवेदित मन स्थापत प्राथावन विवेदित मून्यापत भूमी कितिवान अनुष्ठिज रहेता।

- (2) मृञ्रा, भम्जाभ वा अभजावत्तं कल वाब्रेभिजव भम् मृत्रा दरेला भम्कि भूता दरेवात भव नबरे मित्तव प्राव्या जारा भूर्व कविवाव ज्या निर्वाहत अनुष्ठिज दरेवा।
- (৩) সংসদ-সদ্প্রদের সাবারন নির্বাচন স্মু-ভিত হইবে
  - (क) त्म्याप्- अवसात्व काव्य अर्म ज्ञाप्ति । ज्ञाष्ट्रियां यादेवां तक्षा ज्ञाष्ट्रियां यादेवां पूर्ववर्णे नस्वरे प्रित्व प्रविदः अवर
  - (अ) प्रिमाम्-अवद्यान बुजिङ अनु कान कान्त्रस अध्यम् जाङ्गिमा मारेवान

क्रिय जिल्लामा यारेवात भववरी नक्षरे मित्तत मध्याः

ज्य मर्ज थात्क (स, यहे प्रकार (क) जेम-प्रमा -अतूमाग्नी अतूषिज प्रावारम निर्वाहत निर्वाहिज ब्राङ्किश्च डेक डेम-प्रकाम डेल्लिथिज (मग्नाप प्रमाणु ना १३गा भर्मतु प्रश्मप-अप्रमास कार्यज्ञ शहरे करित्वन ना ।

(8) अरुअप जिल्लामा याउमा गुठी जना कान कान्नते प्रश्माप्त कान अप्राप्त भूना रहिल अपि भूना रहेगान नक्षरे पितन प्राप्त डेक भूना-अप् भून किन्नान जना निर्माहन अनुष्ठि रहेता।

328। परे प्रश्विधातम् विधानावनी-प्रालिकः प्रश्नम् अर्थितम् प्रारं निर्वाचनो प्रमानाम् जीमा निर्वाचने, ज्ञाचित् ज्ञानिका श्रमुज्कन्ने, निर्वाचन अनुष्ठान पवः प्रश्नम् प्रशासका भर्मन् अर्थन् ज्ञानु श्रम् प्रश्नम् प्रश्नम् प्रश्नम् प्रश्नम् प्रश्नम् प्रश्नम् प्रभावन प्रश्नम् विधानम् प्रश्नम् विधानम् प्रश्नम् विधानम् प्रमानम् विधानम् विधानम् विधानम् स्रमान क्रिट् प्राविद्यनः।

নির্বাচন সম্মর্কে সংসদের বিধান-প্রনিয়নের ক্ষরতা

>২৫। এই সংবিধানে यादा बना द्रेगाह, जारा प्राकृत निर्वाहती आरेन उ

- (क) परे प्रश्विवात्म १२८ अनुष्कृष्ण्य व्यवीन प्रमीज वा श्रमीज वित्मा वित्विष्ठिल निर्वाष्ट्रमी प्रमानाव श्रीमा निर्थायमे, किश्वा अनुम्ल निर्वाष्ट्रमी प्रमानाव कृत्य आप्रम-वर्षेन प्रश्लेकित प्रमान्ति आरोत्म रिवेजा प्रसार्क कान आप्री-माल श्रम जेल्यालन कृता याहेत ना;
  - (খ) সংসদ কর্তৃক প্রনীত কোন আইনের দ্বারা বা অখীন বিধান-অনুমায়ী কর্তৃপক্ষের নিকট এবং অনুরূপভাবে নির্বারিত প্রধালীতে নির্বাচনী দ্রখাস্ত ব্যতীত রাষ্ট্রপতি-পদে নির্বাচন বা দংসদের কোন নির্বাচন সম্পর্কে কোন প্রশ্ব উত্থাপন করা মাইবে না।

১২৬। নির্বাচন কমিশনের দায়িত্বপাননে এহায়তা করা একন নির্বাহী কর্তৃপক্ষের কর্তব্য হইবে।

নির্বাচন কমিশনকে নির্বাহী কর্তৃপক্ষের সহায়তাদান

#### অষ্ট্রম ভাগ

# মহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিয়ন্ত্রক

১২৭। (১) বাংনাদেশের একজন মহা হিদাব-নিরীক্ষক ও নিম্কুক (অতংশর "মহা হিদাব-নিরীক্ষক" নামে অভিহিত) থাকিবেন এবং তাঁহাকে রাঞ্জিতি নিয়োগদান করিবেন। मरा रिलाव-निज़ीक्कक -भारम्ब अजिका

(१) परे प्रश्विधान उ प्रश्मम कर्ड्क स्रिनीठ एम कान ज्यारेटनक विधानावनी-प्रात्मक प्रशा रिप्राय-निवीक्क किन कर्मिन गर्डावनी बाहु भिठ ज्याम-एमन प्राया एमक निर्मात्न किन्तिन, (प्रश्केष ११८)।

> उत्त्व प्रशायनिवीकल्य कावी पामिञ्च वीक्का

>२६।(२) प्रदा रिप्राय-नितीक्षक अङ्गाउत्तर प्रवकाती रिप्राय प्रवश् प्रकल आमालठ, प्रवकाती कर्ज्भक उ कर्षमतीत प्रवकाती रिप्राय नितीक्षा कतित्वन उ अनुक्ष रिप्राय प्रमार्क तिलाई मान कतित्वन प्रवश् प्रिरे उल्लिभी जिनि किश्वा प्रारे आस्माज्ञत जाँरात चाता क्रम्याशास लान गुडि अङ्गाउत्तत जाँरात चाता क्रम्याशास लान गुडि अङ्गाउत्तत कर्म निमुक प्रमान गुङिक म्थल-चूक प्रकल निश्च तरि, तिप्रमा, मिनन, नभम अर्थ, मोगान, ज्ञामिन, जाङात या अनुध्वकात प्रवकाती प्रमाडि भत्नीक्षात अधिकाती रहेत्वन।

(२) परे अनुष्क्रित् (२) एकाम वर्नि विद्याना वनीत रानि ना किया विद्यान कता ररेएक एम, आरेलिक प्रान्त प्रान्त प्राप्त विद्यान नित्तीकात अ अनुक्रम रिप्ताव प्राप्त किता विद्यान प्राप्त किता प्राप्त किता प्राप्त प्राप्त विद्यान विद्यान प्राप्त प्राप्त विद्यान विद्यान प्राप्त विद्यान विद्यान प्राप्त विद्यान प्राप्त विद्यान प्राप्त विद्यान प्राप्त विद्यान प्राप्त विद्यान विद्यान

(७) परे अनुष्क्रित् (०) प्रकास निर्वातिन मासिश्वस्त्र वानो प्रक्रम आरेत्र द्वाना त्यक्रम निर्वातने कितित्वत, प्रशा दिसाव-निन्नोक्षकत्क त्यरे क्षण पासिश्वजान अर्थन कितित्व पासिश्वजान अर्थन कितित्व प्राप्तित प्रवेश परे प्रकान अर्थन विद्यानावनी अभीन ना रुग्रा अर्मेन वार्षेणि आत्मालन प्राप्त यार्मेण विद्यानावनी अर्मेन कितित्व आर्मेसन कितित्व भानित्वन ।

(8) धरे अनुत्कृत्त्व (३) म्काव अवीन माग्निङ्ग-

भानत्तव किया प्रशा हिमाय-निवीक्षकरक ज्यना कान गुक्ति वा कर्षाक्षव भविद्यानना वा निम्नुत्तव ज्यीन कवा दरेख ना।

১২১। (১) এই অনুদ্দেদ-সাপেকে মহা হিসাক নিরীক্ষক ষাট বংসর বয়স পুর্ন হওয়া পর্যন্ত ভাহার পদে বহান থাকিবেন।

महा शिकाव-निवीक्राक्तव करमें व सिमाप

- (২) जूक्षीझ कार्षिय कान विठायक स्पस्त भद्मिछ अ काय प्रभाविक इहेट भारत्य, प्रदेस्म भद्मिछ अ काय याजीक महा हिमाय-नियोक्कक व्यभजायिक इहेट्या ना ।
- (৩) মহা হিলাব-নিরীক্ষক রাষ্ট্রপতিকে উদ্দেশ করিয়া স্বাক্ষরমুক্ত সত্রযোগে দ্বীয় পদ প্রাণ করিতে সারিবেন।
- (8) कर्पावमात्मव भन मरा रिमाव-निनेक्षक अङ्गाजत्मुन कर्पा जमगु काम भए निमूक रहेवाव त्यामु रहेरवम ना ।

300। कान प्रश्र प्रश हिमाव-निर्नेक्क्त्र मम्
भून थाकित्न किश्वा अनुमास्त्रिं , अयुम्बा वा
अन्य कान काव्य जिन कार्यबावमान्य अक्षय
विन्या बाद्देमिक निक्षे प्रस्तावक्त्रकबाद ध्रवीयः
वान हरेत्न क्ष्यम्य परे प्रश्वितात्व १११ अनुष्हुप्तः
अवीन कान निर्माणपान ना कहा भर्यत्र किश्वा प्रश
हिमाव-निर्नेक्षक ध्रुनहाम् प्रीम् पास्त्र् श्रुर्भ ना
कहा भर्यत् वाद्देमिक कान व्यक्तिक प्रश हिमाव-निर्नेक्षक ध्रुनहाम् प्रीम् पास्त्र श्रुर्भ ना
कहा भर्यत् वाद्देमिक कान व्यक्तिक प्रश हिमावनिर्नेक्षकक्त्रभ कार्य किविवाद क्र्मा प्रशः केष्ठ भर्मव
पार्विश्वाद भान्यत्व क्रम निरम्नाभपान किविद्य

अमुग्नी महा हिमाब-निवीक्रक

১৩১। রাষ্ট্রপতির অনুমোদ্নক্রমে মহা হিদাব-নিরীক্ষক যেরূপ নির্বার্থ করিবেন, সেইরূপ আকার ও পদ্ধতিতে প্রজাতন্ত্রের হিদাব রক্ষিত হইবে।

প্রজাতন্ত্রের হিমাব-রক্ষার আকার ও পদ্ধতি

२७२। প্রজাত ক্রের হিলাব সম্পর্কিত মহা হিলাব-নিরীক্ষকের রিলোর্টি মরুহ রাষ্ট্রপতির নিকট পেশ করা হইবে এবং রাষ্ট্রপতি তাহা সংমদে পেশ করিবার ব্যবস্থা করিবেন। সংসদে মহা হিলাব-নিরীক্ষকের রিলোর্ট উপজ্ঞাপন

#### নবম ভাগ

# বাংলাদেশের কর্মবিভাগ

## ১ম পরিচ্ছেদ্ কর্মবিভাগ

১৩৩। धरे अश्विधातम् विधानावनी-प्रात्मक प्रश्मम् आरेतम् माना श्रकालत्तम् कर्म कर्मानी-एम् निर्माण अ कर्मन् गर्नावनी निम्मुन कर्मिल् भावित्वनः

निएगांश 3 कार्मन শर्जाननी

ज्त गर्ड थाक (स, धरे डेल्ल्ला आरेतव द्वावा वा अवीन विधान अनीज ना रख्या भर्मक अनुक्षण कर्मा हाति निर्माण उ कर्मन गर्छाः वनी निर्मुक्तन कविया विधिन्न मूर्यः अनुक्षण (स कान आरेतव विधानावनी- मालिक अनुक्षण विधिन मूर्य कार्यक व् रहेत्य ।

১৩৪। এই সংবিধানের দ্বারা অন্যর্নুপ বিধান না করা হইয়া থাকিলে প্রজাতন্ত্রের কর্মে নিমুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তি রাষ্ট্রপতির সন্তোষানুমায়ী সম্মুদ্দীদা পর্মন্ত দ্বীয় পদে বহাল থাকিবেন।

कर्मक रमगाप

১৯৫। (১) প্রজ্যতন্ত্রের কর্মে অপ্রামর্কি সন্দে নিযুক্ত কোন ব্যক্তি তাঁহার নিয়োগকারী কর্তৃপক্ষ-অপেক্ষা অর্ধস্তুন কোন কর্তৃপক্ষের দ্বারা বর্থাস্ত বা অপ্রার্থিত বা পদাবন্দ্রিত ইইবেন না। जमामित्रक मन्कानी कर्मानीस्पन वन्धामु प्रजृति

(२) अनुक्ष भरम निमुक कान व्यक्ति जाँदात प्रकारक श्रमाविज व्यवम् श्रद्धतं विक्रिक् कार्तने प्रकादिवाद मुक्तिप्रक्षतं प्रयागमान ना कवा भर्ममु जाँदाक वर्षामु वा अभवाविज वा भमा-वनविज कहा माद्देव ना;

ख्य गर्ड थाक त्म, अरे म्का त्मरे मकल कित्य श्रामाङ्घ रहेत मा, त्मभात

- (অ) কোন ব্যক্তি মে সাচর্নের ফলে ফৌজ্দারী অপরাধে দক্তিত হই-য়াছেন, মেই আচর্ধের জ্ন্য জাঁহাকে বর্ত্থান্ত, অপ্রারিত বা পদাবন্ধিত করা হইয়াছে; অথবা
- (আ) কোন ব্যক্তিকে বরখাম, অপদারিত

या भपावनित्र कत्वात् ऋप्रशामभन कर्णक्रव निकटे मत्याष्ठ्रकार প্রতীয়মান হয় মে, কোন কার্ধে-यारा डेक कर्षक निषिवक करिएन-डेक वाकित्क कार्न प्रशिवाव प्रायाभ-पान करा युक्तिमध्ना जात मस्य नर्ह ; अथवा

- (ই) রাষ্ট্রপতির নিকর্চ সন্তোষজ্নকভাবে প্রতীম্মান হয় মে, রাষ্ট্রের নিরাপতার म्रार्थ डेक वाकित यनुक्रम मुणाभ-मान अझो होन नरह।
- (७) अनुक्ष कान व्यक्तिक धरे अनुक्रिएत (२) प्काम वर्निंड कार्न प्रश्रीवार सुयाश पान करा युक्तिमध्यञ्जाय प्रमुव कि ना, धरेक्ष अश डेणामिङ रहेल (मरे ममार्क डाँश क वव्धाजु, अमन्नाविज वा मन्यनिविज कविवाव क्रमजामक्षेत्र कर्षाकर विद्वान हुड़ातु देशेव।
- (৪) যে ক্ষেত্রে কোন ব্যক্তি কোন নিখিত मुक्तिक अधीन अकाउत्तुव कर्स निमुक रहेगारहन प्यर डेक हुकित मर्जावनी- अनुयामी प्रथायथ ताहि-त्भव मावा हुकिछित अयज्ञान घछीत रहेशाल्, व्यरे किया चुकिरित अनुक्ष अववातत क्ना जिति यहे अनुस्कृत्त्व डेल्प्गुप्रायनकत्का अप रहेल अलमाविक रहेमात्न विनमा भन रहेत ना।

১৩৬। আইনের দ্বারা প্রজাতন্ত্রের কর্মবিভাগ- কর্মবিভাগ-পুনর্গঠন प्रमृत्रत मृष्टि, प्रश्युककर्न उ अकीकर्नप्र पून-भीठ (नव विधान कवा मारेख अवर अनुकृष आहेन প্রজ্ञाञ्च कार्स निमुक कान गुक्ति कार्सन শर्जवलीय जावजना कवित्व उ जाश वप कवित्व भावित्र।

# २য় পরিচ্চেদ সরকারী কর্ম কমিশন

১७१। आरेत्र दावा वाल्नारम्ला ज्रा अक বা একাধিক সরকারী কর্ম করিশন প্রতিষ্ঠার বিধান क्रा यारे(य प्रवः प्रकल्म ज्ञामिक्ति उ आरेत्व माना (यक्तम निर्दादिङ इरेस, ट्यरेक्नम यनान) मन्मारक नरेमा প্রত্যেক কমিশন গঠিত रहेरव।

কমিশন-প্রতিষ্ঠা

১৩৮। (১) প্রত্যেক সরকারী কর্ম করিশনের সভাপতি मम्मा-निर्माश

ও अन्वाना मम्मा बाबुभि कईक नियुक रहेखन; उत्र मर्ज थात्क त्य, প্रालाक क्रिमान् यजपूत সন্ত্র অর্থেক (তবে অর্থেকের কম নহে) সংখ্যক अम्बा प्रमन गुक्तिश्न रहेरवन, गाँशवा कुछ वरमव वा उलाधिककाल वाल्लाएलव वाहुरीम मीमानाव मत्थु त्म त्कान अमर्म कार्यक्र त्कान अवका ख़ब कल्म कान लप अधिकिंठ हिलन।

(২) प्रश्मप कर्क अनीज त्य कान आहेन-মাপেক্লে কোন সরকারী কর্ম কমিশনের সভাপতি ও অन्यान्य अप्राप्त्र कर्मत् मर्जवनी राष्ट्रेमि आफलार माना (यक्ष निर्भातने कतिरायन, स्परिक्ष रहेरव।

၁७३। (>) धरे अनु तक् प्त्र विधानावनी- प्रात्मक कान प्रवकारी कर्स किमियत प्रजामिक या जा। कान अम्मा जाँशव माग्निवृश्वरासंव जाविश्व रहेल भाँ व व प्रव वा जाँशव वाष्ट्रि व प्रव व प्रव वूरी २७मा- रेहाक मध्य यादा व्यक्ष घर्छ, स्मरे काल भर्मतु श्रीस भए वहाल थाकित्वन।

(२) मुखीय कार्टिक कान विठाउक प्यक्रभ मक्रि ७ कार्स अममादिङ दरेल भारत, प्रदेशम भद्भां उ कार्म युजीज कान प्रवकारी कर्म किम्मलव अञाभिक वा ज्यना कान अम्मा जममाविक रहेरान ना।

(७) कान अवकारी कर्म किम्भलव प्रजामित या अन् रकान अम्बर् बाह्रेमिक्क डेप्प्स करिया श्वाक्षत्रयुक भवात्यारभ श्वीम भए जाम कविल भावित।

- (8) कमीवज्ञात्नव भन्न रकान प्रवकारी कर्म किमिश्ति अप्ना अक्रिक्त कर्स भूनवाम निमुक रहेबाक़ (यान्यु थाकिलन ना, जल परे अनुत्कृत्मक (३) मका- आरमक
  - (क) कदीविद्यात्व भव कान प्रजामिक पक सिमाप्त्र ज्ना भूनिस्मान नार्ज्य त्यात्रा थाकितनः पवः
  - क्सीयज्ञात्नक् भव कान प्रमा (प्रज-পতি ব্যতীত) এক মেয়াদের জ্ন্য কিংবা कान प्रवकावी कर्म किमिशतव व्रामि किस्मा निस्माना क्रियाना थाकियन।

2801 (२) कान प्रवकारी कर्म किप्रमत्व पार्मिष्ट किप्रमत्व पार्मिष्ट

भए५व सिमाप

ररेत

- (क) श्रङ्गाङ (तुर कर्ष निर्माणमाल कर्ग) उपयुक्त व्यक्तिमिशक मरनान्म रन्व उपमुक्त या चारे अभवेका भविष्ठाननाः

(গ) আইনের দ্বারা নির্বারিত অন্যান্য দায়িত্বপালন ।

- (২) সংসদ কর্তক প্রনীত কোন আইন এবং কোন কমিশনের সহিত পরামর্শক্রমে রাষ্ট্র পতি কর্তক প্রনীত কোন প্রবিধানের (মাহা অনুরূপ আইনের সহিত অসমজ্মে নহে) বিধানাবনী-মাপেক্ষে রাষ্ট্রপতি নিম্ননিপ্রিত ক্ষেত্রমমূহে কোন কমিশনের সহিত পরামর্শ করিবেন:
  - (ক) প্রজাতন্ত্রের কর্মের জ্ন্য মোগাতা ও তাহাতে নিমোগের পদ্ধতি সঞ্চার্কিত বিষয়াদি:
  - (খ) প্রক্রাতন্ত্রের কর্মে নিয়োগদান, উক্ত কর্মের্ব এক শাখ্যা হইতে অন্য শাখ্যায় সদোরতিদান ও বদনিকর পরের তিদান অনুরূপ নিয়োগদান, পদোরতিদান বা বদনিকর ধের জ্ন্য প্রার্থীর উদ্দ মোগিতা - নির্মিয় সঞ্চার্কে অনুসর্নীয় নীতিসমূহ;
  - (গ) অবসর-ভাতার অধিকার্মহ প্রজাতন্ত্র কর্মের শর্সবনীকে প্রভাবিত করে, এইরূপ বিষ্মাদি; এবং
  - (ম) প্রজাতন্ত্রের কর্মের শৃঙ্খনামূনক বিষ্যাদি।

১৪১। (১) প্রত্যেক কমিশন প্রতি বংদর মার্চ মামের প্রথম দিবসে বা তাহার পূর্বে পূর্ববর্তী একবিশে ডিমেম্বরে সমাস্ত এক বংসরে দ্বীম্ কার্মাবনী সম্বন্ধে রিশোর্ট প্রস্তুত করিবেন এবং ভাহা রাষ্ট্রপতির নিকট সেশ করিবেন।

वार्षिक विलारे

- (২) রিপোর্টের সহিত একটি স্মারকনিপি থাকিবে, মাহাতে
  - (क) कान क्षाय किमित्र कान भग्नमर्भ भूरोज ना रहेगा भाकित्म त्मरे क्षाय पवर भग्नामर्भ भूरोज ना रहेवाज कार्न, पवर
  - (খ) মে একন ক্ষেত্রে কমিশনের সহিত পরামর্শ করা উচিত ছিন অখচ পরামর্শ করা হয় নাই, সেই একন ক্ষেত্র এবং পরামর্শ না করিবার কার্ন

সম্বন্ধে করিশন মতদূর অবগত, ততদূর নিপিবদ্ধ করিবেন ।

(७) या वर्ष्मन विलार्ट (मन करा दरेमारह, प्रिटे वर्ष्मन पकजिला मार्टन भन जनूर्विज मर्मादन प्रथम विठेक वार्षुपि डेक विलार्ट ३ म्यावक-निमि प्रश्माप डेममाम्सन व्यवमा कवितन।

#### দৃশম ভাগ

# সংবিধান-সংশোধন

>8२। अरे प्रश्विधात याश वना रहेगाहि, जाश प्राञ्च

সংবিধানের বিধান সংশোধন বা বৃহিতকরধীর ক্ষমতা

- (ক) সংসদের আইন-দ্বারা এই সংবিধানের কোন বিবান সংশোধিত বা বৃহিত হইতে পারিবে; তবে শর্ভ থাকে যে,
  - (अ) अनुकाम प्रश्लाविनी वा विश्वकर्ति करा आनीक काम विलाव प्रभूने भिवनामाम अदे प्रश्विवात्व काम विवान प्रश्लाविन वा विश्व करा दिवान प्रश्लाविन वा विश्व करा दिवान प्रश्लाविन विनिधि विवान क्रम धाकिला विनिधि विवान क्रम धादी करा यादी वा ना ;
  - (আ) সংসদের মোট সদ্স্য-সংখ্যার সন্যুন দুই-স্তীয়াংশ ভোটে গৃহীত না হইনে অনুরূপ কোন বিনে সদ্মতিদানের ক্র্যু তাহা রাষ্ট্রশতির নিকট উপস্যাপিত হইবে না :
- (भ) उपिति-उक उपार्य कान विन गृहीठ हरेबान पन प्रमाणित क्रिन स्थाणित क्रिम स्थाणित हरेला उपमुग्नि पान प्राच्या जिल्ला प्राच्या पित्र प्राच्या जिल्ला प्राच्या पित्र प्राच्या विनि विन्य प्राच्या क्रिन क्रिम क्रिन क्रिम क्रिम

#### একাদেশ ভাগ

## विविध

280I (5) आरेनमक्षां जाति अङ्गां जात् के प्रेय अङ्गां अञ्चां अञ्जां अञ्चां अञ्चां अञ्चां अञ्चां अञ्चां अञ्चां अञ्चां अञ्चां अञ्य नामु या कान जूमि वा मक्षाउ गुजीज নিশিত সঞ্চিররের প্রত্তের উপর इरेदा :

- (क) वाल्लारमाल्य (य कान जुमित अनुःमु प्रकल भनिङ उ अनाना मृनामभन जामशो;
- वार्नारम्लात वाद्वीय ज्लमीमाव अतु-वंडी मश्रामास्वत अतुः म् किश्वा वाश्लात्पत्मक प्रशिष्मामात्व नेपविषु मराप्राभारतंत्र अतुः स मकल स्मि, थितिक् उ अन्यानी मृन्यमभन माम्योः पदः
- বাংলাদেশে অবিষ্কৃত স্রকৃত মানিক-विशेन (य कान प्रमाउ।
- (२) जश्मन् मद्यस् मद्रस्य आहेरात् प्राता वार्नारम्ला वार्द्वीय जीवानाव पवर वार्नारम्लाव बाद्दीय क्नजीया 3 महीत्माभात्नव मोबा-निर्याः युलेक विधान कवित्व भावितन।

388। अङ्गाउत्तुद निर्वारी कर्र्य अस्त्रि धर्म, विक्रम, रक्षानुब, वस्तरुपान अ विलि-गुवम्, स कान कानवान वा वानमाम - जनना पवः स कान हुकि अन्यन कवा मारेक।

अभाष्टि 3 कानवान প্রভৃতি-প্রদঞ্জে নিৰ্বাহী কৰ্মজু

2861 (२) अङ्गाण्युत निर्वाशी कर्ड्ख अनीक कृष्टि 3 मिनन प्रकल हुकि उ प्रतिल बाद्देशिक कर्क अभीव विल्या अकाम कवा दरेख पवर बाह्येणि (यक्ष निर्देश वा क्रवा अमान करित्वन, जाँशर लक्ष मिरेक्ष गुक्ति कर्क 3 त्यरेक्ष स्नानील जारा ' जम्मापिक रहेरव।

(২) প্রজাতন্ত্রের নির্বাহী কর্তৃত্বে কোন চুক্তি वा प्रिल अनेम्न वा प्रक्षाप्त क्या श्रेल डेक कईएइ अनुक्ष हुकि वा प्रिल अनेग्रन वा प्रस्माप्त करियाक ज्ता वाष्ट्रेभि किश्या अना कान वाकि वाकिभञ्जात मासी रहेरान ना, ज्य

वरे अनुष्कृत अवकात्वत विकृत्म प्रथायथ कार्य-भावा आनम्पत कान वुक्तित अधिकात सूत्र कृतिक ना ।

3841 "वाश्लाएम" परे नास वाश्लाएम अवकाव कर्क वा वाश्लाएम अवकावव विक्र भाष्ट्रमा पार्यव कवा मारेख भावित । বাংনাদেশের নামে সাসনা

289। (১) এই অনুদ্ধে প্রযোজ্য হয়, এইর্শ কোন পদে অধিষ্ঠিত বা কর্মরত ব্যক্তির পারিশ্রদিক, বিশেষ-অধিকার ও কর্মের অন্যান্য শর্ত সংসদের আইনের দ্বারা বা অধীন নির্বারিত হইবে, তবে অনুরূপভাবে নির্বারিত না হস্তয়া পর্যন্ত

কতিপ্য পদাধিকারীর পারিপ্রদিক প্রভৃতি

(ক) এই সংবিশান-প্রবর্তনের অব্যবহিত পূর্বে ক্ষেত্ররত সংশ্লিপ্ট পদ্ অধিষ্ঠিত বা কর্মরত ব্যক্তির ক্ষেত্রে তাহা যেরুপ প্রযোজ্য চিল, দেইরুপ হইবে; অথবা

(था) व्यव्यविक धूर्ववर्जी डेम-प्रका श्राटमाङ्य ना रहेला दाङ्केमिक व्याद्धासार पाना त्यक्तम निर्मेश कवित्वन, प्रिरेक्षम रहेता।

(१) धरे ज्यन्ताम् श्रामाक्त रस, धरेक्ष काम भाम ज्यिषित वा कर्मक वाक्रिक कार्यज्ञातमा जाराज भाविद्यितिक, विश्वास-अधिकात उ कर्मक् ज्यनगाना भावित्य असन जाविज्या क्रिया मारेख ना, मारा जाराज भाक्ष असुविधाक्तक रहेल भाता।

(७) अरे अनुस्कृत स्राप्ताकृत र्यं, अरेक्ष रकान लिए निमुक वा कर्मकृ वृक्ति रकान नाठ-कृतक लिए किश्वा विक्तानिभूक लिए वा मर्माम्य वहान रहेरवन ना किश्वा मुनाकानाछक छेल्ला-मूक रकान रकाम्यानी, प्रक्रिकि वा स्रिक्शित्नक व्यवस्थानम् वा भित्रकाननाम् रकानकृत्र अश्व भ्रद्ये किश्वा नाः

তবে শর্জ থাকে মে, এই দ্ফার উদ্দেশ্যমারন-কল্পে উপরের প্রথমোল্লিখিত পদে অধিষ্ঠিত বা কর্মরত রহিয়াচে্ন, কেবল এই কার্থে কোন ব্যক্তি অনুরূপ লাভজ্মক সদ্ বা বেতনাদিযুক্ত সদ্ বা মর্যাদায় অধিষ্ঠিত বলিয়া গণ্য হইবেন না।

(8) अरे अनुत्कृत् निम्निणिज भन्जमूर अत्याकुर रहेताः

(ক) রাষ্ট্রপতি,

(थ) अधानमती,

(भ) अभेकात वा एजूटि अभेकात,

(ब) ब्रुत्ती, श्रु अन्ति वा डेमब्रुती,

(७) मुष्टीम कार्दिन विहातक,

(क) प्रशा हिमाय-निवोक्षक अ निम्तुक,

(ह) नियांक्त किंग्रिमनात,

(ज्) प्रवकावी कर्म किमियतव प्रमार।

১৪৮। (১) ভূতীয় তফলিনে উল্লিখিত মে কোন পদের শদ্ম পদে নির্বাচিত বা নিমুক্ত ব্যক্তি কার্মভারগ্রহণের পূর্বে উক্ত তফলিন-অনুমায়ী শদ্মগ্রহন বা ঘোষনা (এই অনুদ্ধে "শদ্ম" বনিয়া অভিহিত) করিবেন এবং অনুক্ষা শদ্মদ্বে বা ঘোষনাপ্তে দ্বাঙ্কর্দান করিবেন।

(২) এই সংবিশ্বানের অধীন নির্দিষ্ট কোন ব্যক্তির নিকট শদমগ্রহন আৰশ্যক হইলে এবং কোন কার্নে সেই ব্যক্তির নিকট শদমগ্রহন দম্ব না হইলে অনুরূপ ব্যক্তি মেরূপ ব্যক্তি ও দ্বান নির্মারন করিবেন, সেইরূপ ব্যক্তির নিকট সেইরূপ দ্যান শশম গ্রহন করা মাইবে।

(७) धरे मः विवासित अभीत य किय कान गुक्ति मक्क कार्यजान्ध्रश्ते धूर्व ममश्राद्यने आवमाक, स्मिरे किया ममश्राद्यने अवादिश् भन्न जिति कार्यजान ध्रद्यने कविशाहित विन्मा भन्न रहेता।

283। परे महिवाति विधानावली-आलक मकल श्रामेज आहेतिक कार्यकर्जा अवराइउ शाकित, जत अनुक्ष आहेन परे महिवातिक अधीन श्रमीज आहेतिक माना महत्याधिज वा वृद्धि रहेज भाविता। প্রচনিত আইনের হেফাজ্ত

कान्तिकानीय उ अमृग्मी विधानावनी

১৫১। রাষ্ট্রপতির নিম্ননিখিত আদেশসমূহ রহিতকরন এতদ্বারা বহিত করা হইন:

> (ক) আইনের ধারাবাহিকতা বনবং করন আদেশ (১৯৭১ লানের ১০ই এপ্রিন

जातिएभ अभीक);

- (খ) ১৯৭২ সানের বাংলাদেশ সম্মী সংবিধান আদেশ;
- (গ) ১৯৭২ সালের বাংনাদেশ হাইকোর্ট আদেশ (১৯৭২ সালের পি. ও.নং ৫);
- (घ) २०१२ मात्मक वाश्नाद्यम मरा रिमाव-निवीक्षक ७ निम्नुक आद्याप्म (२०१२ प्रात्मक भि. ७. नः २८);
- (७) २०११ मात्मक वाश्यादम अनेभविषद ज्यादम्भ (२०१२ मात्मक भि.उ.नः १२);
- (क) २०१२ माल्जर वाल्लाद्यम निर्वाचन कप्रिमन ज्याद्यम (२०१२ माल्जर मि. ७. नर् २७);
- (ह) २२१२ प्रात्मक् वाश्माएम प्रकारी कर्म किमिनप्रमूश आएम ( २२१२ प्रात्मक् भि. ७. नः ७८);
- (क्) २०१२ मात्मद वाश्मादिश (मत्कावी कर्म मम्माद्य) आदिश (२०१२ मात्मद भि: 3. नः ७७)।

১৫২। (১) বিষয় বা শ্রমঞ্জের প্রয়োজ্ন অন্যূর্প শাখ্যা না হইলে এই সংবিধানে

" অবিবেশন" ( সংমদ্-প্রমঞ্জে) স্বর্ম এই
সংবিধান-প্রবর্তনের পর কিংবা একবার
স্কৃষিত হইবার বা ভাজিয়া মাইবার
পর সংমদ মখন প্রথম মিনিত হয়,
তখন হইতে সংমদ স্কৃষিত হয়য়া
বা ভাজিয়া মাতয়া পর্মন্ত বৈঠকসমূহ;

"अनुक्त्म" अर्थ और जिल्लामा कान कान अनुक्त्म ;

" अवज्ञत्- जाठा" अर्थ आश्मिकजात ध्राप्तम् रहेक वा ना रहेक, या कान अवज्ञत्- जाठा, मारा कान गुक्तिक ग गुक्तित् क्षांत्र प्रमः; पवश्कान जिवगु-उर्विलात् गाँचा वा रेश् प्रार्ठि मश् याक्षिक अठितिक अर्थ ध्रेणुर्भने-गुण्लाम् एम् अवज्ञत्कान्तीन त्राठन वा आनु-लाधिक रेश् गुनुकुक ररेता;

" अर्थ-वर्मव " अर्थ जूनारे माल्यव अथम

पिवा या वाष्ट्रात्त आत्मु;

" আইন" অর্থ কোন আইন, অধ্যাদেশ, আদেশ, বিধি, প্রবিধান, উপ-আইন, বিজ্ঞপ্তি ও অন্যান্য আইনগত দ্নিন এবং বাংনাদেশে আইনের ক্ষমতাসম্ভান মে কোন প্রথা বা রীতি;

" আদীন বিভাগ" অর্থ সুপ্রীম কোর্টের আদীন বিভাগ;

"डेम-म्फा" अर्थ तम म्काम नक्षि बुवक्छ, प्रारे भकार अकि डेम-म्का;

" ঋনগ্রহন " বলিতে বাংসরিক কিন্তিতে পরি-শোর্থমোগ্য অর্থমংগ্রহ অরুর্ভুক্ত হইবে; এবং "ঋন" বলিতে তদ্মুরূপ অর্থ বুকাহিবে;

"করারোদ" বনিতে সাধারন, স্থানীয় বা বিশেষ— যে কোন কর, খাজ্মা, শুদ্ধ বা বিশেষ করের আরোদ অনুভুক হইবে; এবং "কর "বনিতে তদনু-কুদ অর্থ বুঝাইবে;

"জ্নো-বিচারক" বনিতে অতিরিক্ত জ্নো-বিচারক অনুভূক্ত ইইবেন;

" उक्तिन" अर्थ परे प्रश्विवातत स्मान उक्तिन;

"দ্ফা" সর্থ মে সনুষ্কেদে শব্দটি ব্যবহৃত, দেই সনুষ্কেদের একটি দ্ফা;

"দ্না" বনিতে বাৎসরিক কিব্রি হিসাবে

মূলবন পরিশোধের জন্য মে কোন

বার্থ্যবার্থকভাজনিত দাম এবং মেকোন

গ্যারানি মুক্ত দাম অন্তর্ভুক্ত হইবে;

এবং "দ্নার দাম" বনিতে জনুরূপ

অর্থ বুঝাইবে;

"নাগরিক" অর্থ নাগরিকত্ব-সন্মর্কিত আইনার্-মামী মে ব্যক্তি বাংনাদেশের নাগরিক; "প্রচনিত আইন" অর্থ এই সংবিধান-প্রবর্তনের অব্যবহিত পূর্বে বাংনাদেশের রাষ্ট্রীম मीमानाम वा छेराव अश्मवित्सप्त आरेतव क्रमञामस्मन किंद्ध कार्यक्षय मिक्स थाकूक वा ना थाकूक, धमन या कान आरेन;

"अङ्गान् " अर्थ भने प्रङ्गान् वो वाल्नाप्न ;

"প্রজ্বতন্ত্রের কর্ম" অর্থ অসামরিক বা সামরিক ক্ষরতায় বাংলাদেশ সরকার সংকার মে কোন কর্ম, চাকুরী বা পদ এবং সাইনের দ্বারা প্রজাতন্ত্রের কর্ম বিষ্যা প্রোষিত হইতে পারে, এইরূপ অন্য কোন কর্ম;

"প্রবান নির্বাচন কলিশনার" অর্থ এই দংবিধানের

১১৮ অনুদ্দেদের অধীন উক্ত পদে নিমুক্ত
কোন ব্যক্তি;

"প্রবান বিচার্পতি" অর্থ বাংলাদেশের প্রবান বিচার্পতি ;

"প্রশাসনিক এককাংশ" অর্থ জেনা কিংবা এই সংবিশিনের ৫৯ অনুচ্চেদের উদ্দেশ্যমার্থন-কল্পে আইনের দ্বারা অভিহিত অন্য কোন এলাকা;

"বিচারক" অর্থ সুপ্রীম কোর্টের কোন বিভাগের কোন বিচারক;

"विष्ठात्र-कर्मविज्ञात्र" अर्थ रक्ता-विष्ठात्र निप्तत्र अनु वे कान विष्ठात्रविज्ञात्रीय भए अधिष्ठिज व्यक्तिएत् नरेया शिक्ठि कर्मविज्ञात्र ;

"বৈঠক" (সংসদ্-প্রসঞ্জে) অর্থ মুন্তবী না করিয়া সংসদ্ মতক্ষন ধারাবাহিক-ভাবে বৈঠকরত থাকেন, সেইকৃষ মেয়াদ;

" ভাগ " অর্থ এই সংবিধানের কোন ভাগ;

" রাজ্খানী " অর্থ এই সংবিধানের ৫ অনুদ্দেদ্ রাজ্খানী বনিতে মে অর্থ করা ইইয়াচে ;

"वाक्रिकिक एल" बिलाल धमन धकि व्यक्ति विविद्यक्ति विवि

রাজ্নৈতিক তৎপরতা পরিচাননার উদ্দেশ্যে অন্যান্য অধিসঞ্চ হইতে পৃথক কোন অধিসঞ্চ হিলাবে নিজ্-দিগকে প্রকাশ করেন;

" রাষ্ট্র "বলিতে সংসদ, সরকার ও সংবিধিবদ্ধ সরকারী কর্তৃপক্ষ অন্তর্ভুক্ত;

" त्राबुमिन " अर्थ परे प्रश्विधात्त्र अधीत तिर्वाहिन बार्नाम्मित् वादुमिन हिशा प्राप्तिक्रांत डेक भाम कर्ष्त्र कान बाक्ति;

"म्भ्यता-यात्रिनी" अर्थ

- (क) मुन, तो या विद्यान -याश्नी;
- (भ) भूलिम-यादिनी;
- (গ) আইনের দ্বারা এই সংক্রার অর্থের অনুগতি বলিমা ছোঘিত মে কোন শৃঞ্খলা-বাহিনী;

" मृष्यनामूनक आरेन" अर्थ मृष्यना-वाश्मिव मृष्यनानिम्तुनेकाती कान आरेन;

" সংবিধিবদ্ধ সরকারী কর্তৃপক্ষ" অর্থ মে কোন কর্তৃপক্ষ, সংস্থা বা প্রতিষ্ঠান, মাহার কার্মাবনী বা প্রধান প্রধান কার্ম কোন আইন, অখ্যাদেশ, আদেশ বা বাংলাদেশে আইনের ক্ষরতাসমার চুক্তি-প্রথ-দ্বারা অদিত হয়;

"प्रश्मम्" अर्थ अरे प्रश्विधात्तत्र ७६ अंनुत्कृष-द्वाता खिर्जिकेच वास्तात्म्लाव प्रश्मम् ;

"সদ্ধতি" বলিতে সকল স্থাবর ও অস্থাবর, বস্তুগত ও নির্বস্তুগত সকল প্রকার সম্পত্তি, বানিজ্যিক ও শিল্পগত উদ্যোগ এবং অনুরূপ সম্পত্তি বা উদ্যোগ্রের সহিত সংশ্লিষ্ট যে কোন মৃত্যু বা অংশ অন্তর্ভুক্ত হইবে;

"সরকারী কর্মচারী" অর্থ প্রজাতন্ত্রের কর্মে বেতনাদিমুক্ত পদে অধিষ্ঠিত বা কর্মবৃত কোন ব্যক্তি;

"সরকারী বিজ্ঞপ্তি" সর্থ বাংলাদেশ পেজ্টে প্রকাশিত কোন বিজ্ঞপ্তি;

" प्रिकिडेविटि" विनाट प्रके अनुजूक रहेत;

"সুস্রীয় কোর্ট" সর্ফ এই সংকিরানের ১৪ অনুদ্দে-দ্বারা গঠিত বাংলাদেশের সুস্রীয় কোর্ট; "স্মীকার" অর্থ এই সংবিবানের ৭৪ অনুচ্চেদ্-অনুসারে জামমিকভাবে স্মীকারের সদে অধিষ্ঠিত ব্যক্তি;

"राहेरकार्षे विভाभ" अर्थ जूखीम कार्षित राहेरकार्षे विভाभ ।

- (२) ३४-२१ जात्मद व्हिनादम क्रव्हम् न्याके
  - (क) अश्माप्त कान व्याहेतन काल प्रमुष धारमाञ्चा, अदे अश्विधातन काल प्रहेन्ष धारमाञ्चा देशेत:
  - (খ) সংদদ্র কোন আইনের দ্বারা রহিত কোন আইনের ক্লেমে মেরুদ প্রয়োজ্য, এই সংবিধানের দ্বারা রহিত কিংবা এই সংবিধানের কারনে বাতিন বা কার্মকরতানুদ্ধ কোন আইনের ক্লেমে দেইরুদ প্রয়োজ্য হইবে।

১৫৩। (১) এই সংবিশানকে "গণপ্রকাতন্ত্রী বাংলা-দেশের সংবিশান" বলিমা উল্লেখ্য করা হইবে এবং ১৯৭২ সালের ডিসেম্বর মাসের ১৬ তারিখে ইহা বলবং হইবে, মাহাকে এই সংবিশান "সংবিশান-প্রবর্তন" বলিমা অভিহিত করা হইয়াছে।

(২) বাংনাম এই সংবিধানের একটি নির্ভর্যোগ্য পাঠ ও ইংরাজীতে অনুদিত একটি নির্ভর্যোগ্য অনু-মোদিত পাঠ থাকিবে এবং উভম পাঠ নির্ভর্যোগ্য বনিমা গনপরিষদের জ্পীকার সার্টিফিকেট প্রদান করিবেন।

(७) अडे अनुक्षिप्त (२) म्का-अनुमामी आर्टि-किकिटेमुक कान भार्ठ अडे अड्वियातन विधानावनीन इज़ानु अमाने बनिमा भना दरेख:

ज्व मर्ज थारक तम, वाश्ना अ देश्वाकी भार्षिव सर्विष्ठ विद्यार्थिव स्कट्य वाश्ना भार्व प्राधाना भारेख। खर्कन, डेल्लभ 3 निर्वत्रामगु भाठे



### প্রথম তফসিল

#### [ ८१ जनुस्कृम ]

# অন্যান্য বিধান সত্ত্বেও কার্যক্র আইন

১৯৫० ज्ञात्मर धूर्वन क्षिमारी म्थन उ <u>अ</u>क्। मुङ्ग आहेन (১৯৫১ ज्ञात्मर आहेन नः २৮)।

১०१२ प्रात्मव वाश्नातिक ( निन्म ७ वानिका श्रिकिंगनप्रमूरिक निम्मि ३ वाबम्गिनाक पास्ट्वि-श्रुवर्न) जातिक (अमृष्मी बाह्येणिवव २०१२ प्रात्मव जातिक नः २)।

२०१२ ज्ञालन् वाश्लोप्तम (प्राम्याङ्मकानी (विलय द्वीरेनुताल) ज्याप्तम (२०१२ ज्ञालन् भि. ७. नर् ५)।

১৯৭২ সালেক বাংলাদেশ সরকার (কর্মবিভাগ-সমূহ) আদেশ (১৯৭২ সালেক পি. ও. নং ১)।

১৯৭২ সালের বাংনাদেশ শিপিং কর্পোরেশন আদেশ (১৯৭২ সালের পি: 3. নং ১০)।

२०१२ मात्नव वाश्नादिक ( डेवाकु मकारि थूनक्काव) आर्पिक (२०१२ मात्नव भि. ३. न१२७)।

२०१२ प्रात्मव वाश्नारिक प्रवकावी कर्पनावी (अवज्ञवद्यक्त) व्यादिक (२०१२ प्रात्मव कि. ३. नर् २८)।

১२१२ ब्राल्य वाल्नापिन मित्रजुङ प्रस्नि ( (तिम्द्र्य, व्यवस्थाना ७ विनि-व्यवस्था ) आपिन (२२१२ स्राल्य मि. ७. नः २५)।

२०१२ ज्ञालवं वाश्लापम व्याक्ष (बाध्राम्डकर्न) ज्यापन (२०१२ ज्ञालवं भि. उ. नः २७)।

२२१२ मालक यार्नाप्म मिल्माप्राम (जाष्ट्री-युक्कन्म) आप्न (२२१२ मालक् भि. ३. तर् २१)।

१०१२ जालाम वाल्ना एका अञ्चतीने ज्लमान

कल्पात्नभन आएम (२२१२ मालव मि. ३. नर् २७)।

১৯৭२ ज्ञात्नक वार्नातम (ज्ञक्षिष्ठ उ भविज्ञक्ष । नाजुक्तम) आत्मम (১৯৭२ ज्ञात्मक भि. उ. नर २२)।

১৯৭२ ज्ञात्मत वाश्नार्मि वीमा (ज्रुक्ती विधान-वनी) आरम्भ (১৯৭২ ज्ञात्मत भि. ३. नः ७०)।

>२१२ मात्मक वाश्मात्म निज्यावराम ज्या मद्द्रवार आत्मम (२२१२ मात्मक भि. ३. नर् ८१)।

১৯৭२ मात्मक वाश्नादान उक्र विन्यूक अपनार्व (विश्वच द्वेरिक्युनान ) आदिन (১२१२ मालव भि.७.नः ६०)।

১৯৭২ সালের রাধ্রামৃত্ত ও বেসরকারী সংগঠন-সমূহ (কর্মচারীদের বেতন-নিম্নুন) সাদেশ (১৯৭২ সালের পি: ও. নং ৫৪)।

२०१२ ज्ञात्नव वाश्नाप्तम भाटे व्रष्ठानी जःश्रा ज्याप्तम (१०१२ ज्ञात्मव भिः ३ नः ८१)।

२०१२ जात्नव वाल्नात्म मानि ३ विपार जेन्नमन अर्घम अनुर आत्मन (२०१२ जात्मक भि. ७ नः ७२)।

১৯१२ आत्मक वाश्मात्म प्रवकात (प्रार्डिप्रक् मुनेनिश) आत्मम (১৯१२ प्रात्मक भिः उ. नर् ७१)।

১৯৭२ माल्यक वाल्यापिक मतकात हारे उ वाङ्गत (व्यवस्थाना) स्थापिक (১৯৭२ माल्यक भि.उ. नः १७)।

১৯৭২ সানের বাংলাদেশ সরকার ও আংশিক স্থাম্ত্রশাসিত প্রতিষ্ঠানসমূহ (কর্মচারীদের বেতন-নিম্নুন) আদেশ (১৯৭২ সালের দি. ও. নং ৭৯)।

२०१२ माल्य वाश्नाप्म वीमा (ग्रह्वोग्डकर्म) आप्तम (२०१२ माल्य कि. उ. नः २७)।

२०१२ मात्नत वाश्नामिक जूमि जिता (मीमा-विक्त कत्रने) ज्यारमिक (२०१२ मात्नत कि. ७. नश् २४)। ১৯৭२ मात्मन बाश्मारम्भ विभान आएम (১৯৭२ मात्मन मि. ३. नः २२५)।

১२१२ प्रात्मव बाल्नाप्तम युाक आप्त्म (১२१२)।

२०१२ मात्नत्र वाल्वात्म मिन्स अर्थ मः मुा जात्मम (२०१२ मात्नत्र भिः ७. नः २२৮)।

३०१२ ज्ञात्मक वाल्लारम्भ मिन्न बुाक ज्यारम्भ (३०१२ ज्ञात्मक भि. ७. नर २२०)।

प्रयः बाद्धेभिविव जारम्भिमर श्राम्बि जारेतव प्रावा कृष डेमवि-डेक जारेन ७ ज्यारम्भिमपूरव प्रकल प्रश्मार्थनी ।

## দ্বিতীয় তফসিল

[ ८७ व्यनुष्कृष ]

# রাষ্ট্রপতি-নির্বাচন

- ১। প্রধান নির্বাচন কলিশনার (এই তফ্রিনে
  "কলিশনার" বনিয়া অভিহিত) রাষ্ট্রপতির পদের
  যে কোন নির্বাচন -অনুষ্ঠান ও পরিচাননা করিবেন
  এবং অনুরূপ নির্বাচনে নির্বাচনী কর্তা হাইবেন।
- ২। এই তফজিল-অনুসারে অনুষ্ঠিত সংসদ-সদ্স্যদের বৈঠকে সভাপতিত্ব করিবার জ্ন্য ক্মিশনার একজন ভোটকেন্দ্র-কর্তা নিমুক্ত করিবেন।
- ७। किम्मिनात् मत्काती विक्रिपुत् मार्थाप्त मतानंगनम्य पाण्यिन, भतीका, धन्तादात पवर (अत्माज्न दरेत्न) जिन्धेद्रत्नेत्र मम्म ३ मृति निर्वत्ने कित्त्वन ।
- 8। রানান্যনপত্র দাখিনের জ্ন্য নির্বারিত দিনে দ্বিপ্রহরের পুর্বে মে কোন সময়ে কোন সংসদ্-সদ্স্য রাষ্ট্রপতি-পদে নির্বাচিত হইবার মোগ্রাস্থার কোন ব্যক্তিকে ঐ পদের জ্ন্য মানানীত করিয়া নির্বাচনী কর্তার নিকটি একটি মানান্যনপত্র প্রদান করিতে পারিবেন, মে মানান্যনপত্রে প্রস্তাবক হিসাবে তাঁহার স্বাক্ষর থাকিবে এবং সমর্থক হিসাবে অন্য একজন সংসদ্-সদ্স্যের স্বাক্ষর থাকিবে; সেই সংগ্ মিনি রাষ্ট্রপতি-পদের জ্ন্য মানানীত হইতে মাইতে-ছেন, তাঁহারও উক্ত মানান্যনা সন্মতিসূচক দ্বাক্ষরিত বিবৃত্তি থাকিবে;

তবে শর্ত থাকে মে, প্রস্তাবক হিলাবে বা সমর্থক হিলাবে কোন ব্যক্তি কোন এক নির্বাচনে একটির অধিক মনোন্মনপ্র ম্বাক্ষ্র করিবেন না।

৫। করিশনার ভাঁহার দ্বারা নির্বারিত অন্ম ও স্থানে মনোন্মনপত্র পরীক্ষা করিবেন, এবং পরীক্ষার পর মাত্র একজনের মনোন্মন বৈর্ব থাকিলে উক্ত ব্যক্তিকে নির্বাচিত বনিমা ঘোষণা করিবেন, তবে একার্থিক ব্যক্তির মনোন্মন বির্ব থাকিলে সর্কারী বিজ্ঞপ্তির মাধ্যমে বৈশ্বভাবে মনোনীত ব্যক্তি (এই তফসিলে "প্রার্থী" নামে অভিহ্তিত)-দের নাম ঘোষনা করিবেন।

- ७। প्रार्थिभम् প্রত্যাহারের জন্য নির্নারিত দিনে
  দ্বিপ্রহরের পুর্বে মে কোন সময়ে কোন প্রার্থা ভোট-কেন্দ্র-কর্তার নিকট স্বাক্ষরমুক্ত নোটিশ দাখিল করিয়া নিজের প্রার্থিপদ্ প্রত্যাহার করিতে পারিবেন, এবং কোন প্রার্থা অনুরূপভাবে স্বীয় প্রার্থিপদ্ প্রত্যাহার করিলে তাঁহাকে এ নোটিশ খারিজ করিতে দেওয়া হাইবে না ।
- 9। মদি একজন ব্যতীত সকল প্রার্থী প্রার্থি-পদ প্রত্যাহার করিয়া থাকেন, তাহা হইনে করিশনার প্রেই একজনকে নির্বাচিত বনিয়া ঘোষনা করিবন।
- ৮। মদি কোন প্রাথি প্রাথিপদ প্রস্তাহার না করিয়া থাকেন কিংবা প্রস্তাহারের পর দুই বা তভোবিক প্রাথী থাকিয়া মান, সহা হইলে জরকারী বিজ্ঞপির লাব্যমে কলিশনার অনুরূপ প্রাথীদের এবং ভাঁহাদের প্রস্তাবক ও লমর্থকদের নাম ঘোষনা করিবেন, এবং পরবর্তী অনুচ্ছেদ্লমুহের বিধানাবনী-অনুমায়ী গোপন ভোটের মাধ্র নির্মান অনুষ্ঠানের ব্যবস্থা করিবেন।
- 3। निर्वाहन-प्रमाणित शूर्व यि दिवं जात मतानी कान आर्थीत मृत्रु रम प्रशः लि किन्नु-कर्जा जारात मृत्रुत विल्ला आर्थीत मृत्रु प्रमुख रहेल लि किन्नु-कर्जा छेक आर्थीत मृत्रु प्रमुख निर्मिण रहेतात भन लि छित्र र्था जिन कित्ति उ किन्निनात्क स्म प्रमुख कानारेतन प्रवर छेक निर्वाहन प्रमुक्ति कार्यथाता नूजन कित्र्मा आत्रमु रहेता।
- 30। সংসদ্-সদ্সাদের বৈঠকে ভাটগ্রহ+ অনু-প্রিত হইবে এবং ক্ষিশ্বনারের অনুদাদ্নক্রমে ভাট-ক্রে-কর্তা কর্তৃক নিমুক্ত কর্মচারীদের সহাম্তাম ভোটকেন্দ্র-কর্তা ভোটগ্রহ+ পরিচালনা করিবেন।
  - >>। मः प्रत्न रिवर्षक छारेमालव ज्तु छेभिषुठ

श्राह्म प्रश्निष्ठ (परे ज्यमित "ভाष्टेम्। जाण नात्म अिहिंड) क श्रार्थी प्रवृत्त नाम - अश्वित अविद्या अविदेश श्राह्म श्राह्म क्राह्म कर्मा रहेत्व प्रवृत्त विति त्य श्रार्थी क जिस्ता किल्ला क्रिया क्राह्म क्

১২। ভোটপত্র বাতিল হইবে, মদি

- (ক) উহাতে সরকারী সংখ্যা ব্যুতীত এমন কোন নাম, শব্দ বা চিহ্ন থাকে, যাহা-দ্বারা ভোটদাতাকে সনাক্ত ক্রা মাম; অথবা
- (খা) উহাতে ভোটকেন্দ্ৰ-কৰ্তাৰ নামেৰ দৃদ্ধুখণ্ না খাকে; অখবা
- (গ) উহাতে ঢেরা-চিহ্ন না থাকে; অথবা
- (ম) দুই বা ততাধিক প্রার্থীর নামের পার্মে ভেরা-চিক্ন থাকে; অথবা
- (৬) কোন্ প্রাথবি নামের পার্শ্বে তেরা-চিছ দেওয়া হইয়াছে, সে সদ্ধর্কে কোন অনিক্যুতা থাকে।

३७। ভाष्टेश्वर्य प्रमाणुत मन প्रालुक लार्टेक मु-कर्ज श्रार्थित वा जारात्मन अनुत्मान्ठि श्रुविनिधि-त्मन सभा रहेल माँराना छेमिन्ड थाकिल हेम्कूक, जारात्मन प्रमूत्भ लात्मेन वाक्षण्या भूनित्वर ७ भानि किन्मा क्यानित्वर, यवर अरे मर्विधात्म ५१ अनुत्मुत्म अथीन आरेत्म द्वाना निधानिक श्र्यानील विव लार्टेम्यममूह श्रालुक श्रार्थीन प्रमुक्त लात्मेन प्रभाग भीना किन्तिन यवर अनुस्मानात श्राहर लात्मेन प्रभाग किन्नियान्न क्रामन किन्तिन।

38। यिन प्राप्त पूरेक्त आर्थी থাকেন, তাহা হইলে মে প্রার্থী অবিক-সংখ্যক ভোট লাভ করিয়াচ্নে, তিনি নির্বাচিত হইয়াছেন বলিয়া কমিশনার শ্লোষধা করিবেন।

२६। यिन जिन वा जलिक-प्रःभाक खार्थी भाकिन, जारा रहेला पकक्र खार्थी अविभिष्टे आर्थिकाने कर्डक खाषु प्रविद्यादे खादे-प्रःभा अर्णका अधिक खादे भारेगा भाकिता जिन নির্বাচিত হুইয়াচ্নে বনিয়া কমিশনার ছোষ্ট্রা করিবেন ।

३७। यिन जिन वा जलिक-मःभाक आर्थी थारकन थवः अवाविक पूर्ववर्जी अनुराह्म हि धारमान्द्रा ना रूम, जारा रहेल भर्ने जक्रमिल वर्मिज पूर्ववर्जी विधानमञ्जी-अनुमामी धाननाम् ज्यादेश स्ववर्जी विधानमञ्जी-अनुमामी धाननाम् ज्यादेश स्ववर्णी क्षारम् स्ववर्णी ज्यादेश स्वरम् स्वरम् स्ववर्णी ज्यादेश स्वरम् स्वर्णी प्रविनम् प्रश्मिक ज्यादे नाज किन्माहिलन, जाराक वाम प्रथमा रहेरव ।

३१। अयाविश्व शूर्ववर्डी जिन अनुल्ह्रित्व विद्यानावनी-अनुयामी असाक्नीम छिछेशुर्थ पवर उद्देशवर्जी स्म कान जिल्लेशुर्थ क्रिय थे प्रकन अनुल्ह्रित्व विद्यानावनी असाक्ष्य ११रिट ।

১৮। যে ক্ষেত্রে কোন ভোটগ্রহণের ফনে দুই বা ততাধিক সংখ্যক প্রাথী সমান ভোট পাইবেন, সেইক্স ক্ষেত্রে

(क) यि माज पूरेज्न निर्वाहन थारिकन ; अथवा

(च) यि परे उक्ष जिल्ला २५ अनु एह प्रव अधीन कान छारे ग्रेट मन मा में छारे श्री कान छारे ग्रेट में छारे श्री का का का का का का का का धक्र का का का का का का का जारा रहेला क्षिय प्रज निर्माहत्व क्रिंग वा वा पियां क्रिंग श्री शार्थी वाहारे नहीं बी वा बा रहे रहा।

३०। कात छाटे श्रद्धांत भव छाटे भनेता प्रमाणु देशेल पवः छाटे श्रद्धांत कलाकल ब्रिज़िक्ठ देशेल किमिनाव उरक्रना डेमब्रिंड व्यक्तिएव ब्रम्सू १५ कलाकल खामना कवित्वत पवः उरक्रना प्रवकाती विक्षिणु-मावा जाहा खामनीव व्यवश्रा कवित्वत ।

২০। এই ভফলিলের উদ্দেশ্যমরূহকে কার্যকর করিবার জন্য রাষ্ট্রপতির অনুমোদনক্রমে কমি-শনার সরকারী বিজ্ঞাপ্তি-দারা বিধিমমূহ প্রন্মন করিতে পারিবেন।

### তৃতীয় তফ্সিল

[ ১८৮ व्यनुस्कृप ]

#### সাপথ ও ঘোষণা

>। রাষ্ট্রপতি— প্রশ্নন বিচার্পতি কর্ত্রক নিম্ননিখিত ফরমে শল্ম (বা ঘোষনা) -পাঠ পরিচানিত হইবে :

" সারি, ....., সম্মুচিত্তে শপ্ম (বা দৃঢ়ভাবে মোমনা) করিতেটি মে, আনি আইন- অনুমায়ী বাংনাদেশের রাষ্ট্রপতি-পদের কর্তব্য বিশ্বস্কৃতার সহিত পালন করিব;

আমি বাংলাদেশের প্রতি অকৃত্রিম বিশ্বাদ ও আনুগত্য পোষ্ঠন করিব ;

आिं अप्विधातक क्ष्मने, अमर्थन अ निवाभया-विधान कित्र ;

এবং সামি ভীতি বা সনুগ্রহ, সনুরাগ বা বিরাণের বশবর্তী না হইয়া সকলের প্রতি সাইন-অনুমায়ী মখাবিহিত সাচরন করিব।"

- ২। প্রধানমন্ত্রী এবং অন্যান্য মন্ত্রী,প্রতি-মন্ত্রী ও উপমন্ত্রী— রাষ্ট্রপতি কর্ত্তক নিমু লিখিত ফর্মে শপ্ত (বা ছোম্বনা) -পাঠ পরিচানিত হইবে:
- (ক) পদের সদাথ (বা ঘোষনা):

  "আমি, সপ্রদুচিতে
  শাপথ (বা দৃড়ভাবে ঘোষনা) করিতেচি মে, আমি
  সাইন-সনুমায়ী সরকারের প্রখানমন্ত্রী (কিংবা ক্ষেত্রত মন্ত্রী, প্রতি-মন্ত্রী, বা উপমন্ত্রী) -সদের কর্তব্য বিশ্বস্তুতার সহিত পালন করিব;

আমি বাংলাদেশের প্রতি অকৃবিম বিশ্বাস ও আরুগত্য সোমন করিব ;

पवर व्यामि जीनि वा अनुश्रह, अनुश्राम वा विशासित वसवर्जी ना देशा प्रकल्पत प्रवि आहेन-अनुसामी स्थाविदिन आह्दन कहित।" (খ) গোসনতার নদথ (বা ঘোষনা)ঃ

"आब्रिं, अश्रुष्कि उर्ज्ञ भाष्य (वा मृष्णाद धाष्ट्रमा ) कवि उष्टि र्यं, अवकारवव श्राममा (किश्वा क्ष्यप्रण मन्नो, श्राण्डि-मन्नो, वा छेल्प्रमुने )-क्राण्ण रा प्रकल विष्यं आधार वि दिवनाव क्रिना आपोण रहेर वा रा अकल विष्यं आधार ज्याने रहेर वा रा अकल विष्यं आधार ज्याने रहेर वा श्राममा क्रामण प्रवान हेरेर वा श्राममा क्रामण प्रवान कर्ने । श्राममा क्रामण प्रवान कर्ने । श्राममा क्रामण प्रवान कर्ने । भाष्ट्रमा अश्रिक्ष क्राणम क्रामण स्थान व्यामण व्याममा क्रामण व्याममा क्रामण व्याममा क्रामण व्याममा क्रामण व्याममा क्रामण व्याममा व्

৩। স্মীকার – প্রশান বিচারপতি কর্তৃক নিমুনিপিত ফরমে শল্ম (বা ছোম্বনা) -পাট পরিচানিত ইইবে:

আমি বাংনাদেশের প্রতি অকৃত্রিম বিশ্বাস ও আনুগত্য সোমন করিব ;

ज्याद्वि प्रश्विधात्व वक्षते, प्रवर्धत अ निवामजा-विधान कविव ;

এবং आहि जीकि वा अनुग्रह, अनुवाश वा विवाशित वशवर्जी ना दरेगा अकलव प्रक्रि आहेन-अनुभागो सथाविदिक आह्वन कहिव।"

8। ডেপুটি স্মীকার- প্রশান বিচারপতি কর্তৃক নিমুলিখিত ফর্মে শপ্র (বা ঘোষনা ) - পাঠ পরিচানিত হইবে:

" आब्रि, "मध्य हिल्ड मणथ (वा पृष्णाव धार्मना) कविलिह त्य, आब्रि आहेन- सनूमामी मध्यत्मत राष्ट्रपृष्टि स्मोकात्व कर्वा (पव कथन सार्ष्ट हिल्ल स्मोकात्व कर्वा) विश्व सुख्य प्रदिष्ट भानन कदिव ;

आप्ति वाःलाप्तालक अछि अकृषिप्र विश्वाप

ও आनुशन लामन कवियः

आबि प्रश्विवात् त्रक्रने, प्रवर्थत 3 नितामजा-विवास कतिव ;

এবং সামি ভীতি বা সনুগ্রহ, সনুরাগ বা বিরাণের বশবর্তী না হইয়া সকনের প্রতি সাইন-সনুযায়ী মখাবিহিত সাচরন করিব।"

©। সংসদ-সদস্য— সংসদের কোন বৈঠকে দ্দীকার কর্তৃক নিম্নলিখিত ফর্মে শপথ (বা গ্রোষ্ণা) -পাঠ পরিচালিত হইবে:

" আরি, সংসদ্-সদ্গ্র নির্বাচিত হইয়া সগ্রদ্ধ চিত্তে শব্দথ (বা দৃদ্ভাবে ঘোষনা) করিতেচি মে;

আয়ি মে কর্তব্যভার গ্রহন করিতে মাইতেছি, ভাহা আইন-অনুমামী ও বিশ্বস্তভার সহিত শালন করিব ;

আমি বাংনাদেশের প্রতি অকৃত্রিয় বিশ্বাস ও আনুগত্য সোমন করিব ;

এবং সংসদ্-সদ্স্যরূপে সামার কর্তব্যুপাননকে ব্যক্তিগত দ্বার্থের দ্বারা প্রভাবিত হইতে দিব না।"

৬। প্রধান বিচারপতি বা বিচারক— প্রধান বিচারপতির ক্ষেত্রে রাষ্ট্রপতি কর্তৃক এবং সুপ্রীম কোর্টের কোন বিভাগের কোন বিচারকের ক্ষেত্রে প্রধান বিচারপতি কর্তৃক নিম্নুলিখিত ফর্মে শুপুম (বা ঘোষনা) -পাঠ পরিচালিত হইবে:

" সামি:....., প্রশান বিচারপতি (বা ক্ষেত্রমত সুস্রীম কোর্টের সাপীন/হাইকেটি বিভাগের বিচারক) নিমুক্ত হইয়া সশ্রদ্ধচিত্তে শপথ (বা চূঢ়-ভাবে ঘোষনা) করিতেচ্ মে, আমি আইন অনুমামী ও বিশ্বস্থতার সহিত আয়ার পদের কর্তব্য পানন করিব;

আনি বাংলাদেশের প্রতি অকৃত্রিম বিশ্বাস ও আনুগত্য পোষ্টন করিব;

আদি বাংলাদেশের সংবিধান ও আইনের রক্ষান, সমর্থন ও নিরাশভাবিধান করিব ;

এবং আদি ভীতি বা অনুগ্রহ, অনুরাগ বা বিরাগের বশবর্তী না হইমা সকলের প্রতি আইন-অনুমাদী মুখাবিহিত আচর্ন করিব ।" প্রথান নির্বাচন কমিশনার বা নির্বাচন কমিশনার
 প্রখান বিচার্পতি কর্তৃক নিয়ুনিপ্রিত ফর্মে শৃপথ
 (বা ছোগ্রনা) -পাঠ পরিচানিত ইইবেঃ

" আরি; , , প্রশান নির্বাচন করিশনার (বা ক্ষেত্রমত নির্বাচন করিশনার) নিমুক্ত হিংমা সপ্রদ্ধাচিত্তে শপম (বা দৃদ্ভাবে ঘোষনা) করিতেচি মে, আরি আইন-অনুমায়ী ও বিশ্বস্তুতার মহিত আরার পদের কর্তব্য পালন করিব;

আয়ি বাংলাদেশের প্রতি অকৃত্রিয় বিশ্বাস ও আনুগত্য পোষ্ঠ করিব ;

आि प्रश्विधात्मव क्ष्मनं, प्रमर्थनं 3 निवाधजा-विधान कविव ;

प्रवर त्यामात प्रतकारी कार्य 3 प्रतकारी प्रिष्कारुक व्यक्तिगठ म्वार्थित माता प्रजावित रहेल दिव ना ।"

৮। মহা হিসাব-নিরীক্ষক ও নিয়ন্ত্রক— প্রাথান বিচারপতি কর্ত্বক নিম্নুলিখিত ফর্ল্লে শ্রপথ (বা গ্রোম্বার্না) -পাট পরিচালিত হইবে:

" আনি, নহা হিনাব-নিরীক্ষক ও নিম্কুক নিমুক্ত হইয়া সমৃদ্ধ চিত্তে শপথ (বা দৃঢ়ভাবে ঘোষনা) করিতেছি যে, আনি আইন-অনুযায়ী ও বিশ্বস্তুতার সহিত আমার্ পদের কর্তব্য শালন করিব ;

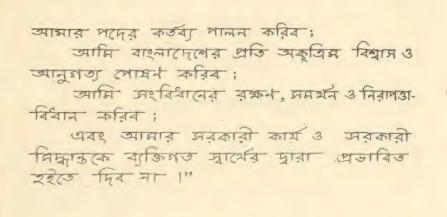
আরি বাংলাদেশের প্রতি অক্তিম বিশ্বাস ও আনুগত্য পোষ্ট্রকরিব ;

সামি সংবিধানের রক্ষা, সমর্থন ও নিরাপত্তা-বিধান করিব ;

এবং সামার সরকারী কার্ম ও সরকারী দিদ্ধান্তকে ব্যক্তিগত শ্বামের দ্বারা প্রভাবিত হইতে দিব না।"

**১। সরকারী কর্ম কিমিশ্যনের সদস্য**— প্রশান বিচারপতি কর্তৃক নিমুলিশ্মিত ফর্মে শদ্ম (বা ছোম্মনা) -পাঠ পরিচানিত্ হইবে:

" সান্নি, সরকারী কর্ম কনিশনের জভাপতি (বা ক্ষেত্রমত সদ্দ্যু) নিযুক্ত হইয়া সম্রদ্ধিতি শপথ (বা দৃড়ভাবে ঘোষনা) করিতি ছি যে, আনি সাইন-অনুযায়ী ও বিশ্বস্কৃতার সহিত





### চতুর্থ তফ্সিল

[ ३०० अनुष्कृप ]

## ক্রান্তিকালীন ও অস্থায়ী বিধানাবলী

३। প্রজাতন্ত্রের জ্ন্য সংবিধান-রচনার মে দামিস্বভার এই গঠপরিষদের উপর ন্যুস্ত ছিল, তাহা পালিত হত্তমাম এই সংবিধান-প্রবর্তনের দাঞ্জে সঞ্জে গঠপরিষদ ভাঞ্জিমা মাইবে।

প্রশারিষদ ভাষ্পকর্ন

(२) अरम्न-मम्मुद्रित स्रथम निर्वाहत उद्भिणप्राथनकद्भा २०१० मात्म स्रकालिक अ भूर्वकर स्राद्धलिक भरिसम् भवत्व उद्भित्मु हिष्टिक निर्याहनो 
धनाकासमूर्व सीमाना धने प्रश्विधात्व २५० 
स्रमुद्धित अवीन हिष्टिक प्रीमाना बिन्मा भर्गु 
रहेर्य धवर निर्वाहन कमिन्न- स्राह्मित्याद स्र 
कान निर्वाहनो धनाकात नाम किर्वा काराव 
सर्वह सरकुमा वा धानाव नाम भविवर्जन 
करिमा- प्रवृक्षा विकालि-माना स्रमुक्ष निर्वाहनी 
धनाकासमूर्व जानिका स्रकान किरवा;

তर्व भर्ज थार्क रम, अरे प्रश्विधात्त ५६ ज्यनुष्कृत्व (७) प्रकाम डेन्निणिज प्रश्चिन-प्रकृत्विक् ज्याप्तन प्रकार्किज विधानायनी कार्यक्र कविवाद ज्वा ज्याहेराद द्वावा विधान कवा माहेरव।

৩१(३) ३२१२ झाल्य २७८म झार्ह रहेल परे झः विवान- खर्यर्जदान जावित्यन मार्थु ध्यनीज वा ध्रनीज वित्रमा विरविष्ठ मकन आहेन, म्राधीनजाव ह्यास्त्रनीयव वा या रकान आहेन रहेल आहिउ वा आहिज विलिमा विरविष्ठ कर्जु खुन स्त्रीन अनुक्रम सिमास्त सार्थु ध्रमुक मकन क्षमजा वा वातावारिकञा-वृक्षा ७ अतुर्वर्जी वावस्रावनी क्छ जनम नार्य पञ्चाता ज्यत्यामित अ महर्षित इरेन प्रवर जारा ज्यारेनानू प्राप्ती प्रथार्थजाव अनीव, अयुक अ कृष ररेगामु विनिया धाषित ररेन।

- (२) २०१२ जात्मतः वाश्मादिश अष्ट्रामी प्रश्विम आदिश वालिम रहेमा माउमा प्रद्वि धरे प्रश्विमत्य विद्यानावनी अनुप्रादः प्रश्मित प्रध्यम्यात विनिज् रहेत्, त्मरेषित भर्मन्न धरे प्रश्विमान-अवज्ञत्मत्र जावित्थन् अवग्विष्ठ सूर्त अङ्ग्जल्मुन् आहेनप्रभेम्मण्ड उ निर्वादी अभ्या (अद्यानम्मीन भवामर्गक्राम बाष्ट्रेमिठ कर्क आदिलान माना आहेन-अन्मत्य अम्बज्ञास्त्र) (यक्षाम् अमुक हरेमात्, जादा त्मरेक्ष्म अमुक रहेल थाकित्य।
- (७) এই সংবিধানের মে विधान সংসদের উপর আইন-প্রনিমনের ক্ষমতা ও দামির অর্পন করিমাছে, উপরি-উক্ত পদ্ধতিতে সংসদ প্রথমবার মিনিত না হওমা পর্মন্ত মেই বিধান রাষ্ট্রপতিকে আদেশের দ্বারা আইন-প্রনিমনের ক্ষমতা ও দামির অর্পনি করিমাছে বনিমা বিবেচিত হইবে এবং এই অনুক্রেদের অর্থনি প্রনীত কোন আদেশ এইর্শে সিকিম হইবে, মেন তাহার বিধানাবলী সংসদ কর্ত্ক বিধিবদ্ধ হইমাছে।

81() परे प्रश्विधातक ८৮ अनु एक एम अश्वीत वाष्ट्रेणिक-लिए निर्वाहिक काम गुक्ति कार्यजाक श्रुष्ट्री मा कहा लिया परे प्रश्विधान-श्रवर्जनक अयुविश्व शूर्य यिनि वाष्ट्रेणिक-लिए अधिष्ठिक हिलान, किनि छेक लिए वहान थाकि तिन, यान किनि परे प्रश्विधातक अधीन वाष्ट्रेणिक-लिए निर्वाहिक रहेशाहन;

उत भर्ज थातक त्य, वर्जमान अनु (क्षु एतं अवीन अन् विकास अरे प्रश्वितात्व ६० अनु (क्षु एतं (२) म्याव डे (क्षु अर्ज विवक्ता अर्ज इरेतन ना ।

(২) अरे प्रश्विधात्म १८ व्यमु एक एत १)
प्रमा-व्यम्भी प्रभीकात उ एक पृष्टि प्रभीकात निर्वाहित ना रुगा भर्मन अरे प्रश्विधान- प्रवर्धत्म व्यव्यविक्षित्र व्यव्यविक्षित्र व्यव्यविक्षित्र व्यव्यविक्षित्र व्यव्यविक्षित्र व्यव्यविक्षित्र विक्षित्र व्यव्यविक्षित्र किल्लाम व्यविक्षित्र किल्लाम व्यविक्षित्र किल्लाम व्यव्यव्यविक्षित्र विक्षा व्यव्यव्यविक्षित्र विक्षा व्यव्यव्यविक्ष्य विक्ष्य व्यव्यव्यविक्ष्य विक्ष्य व्यव्यव्यविक्ष्य विक्ष्य विक्षय विक्षय विक्ष्य विक्षय विक्यय विक्षय विक्यय विक

রাষ্ট্রপতি

श्रवानम्भुती अ अन्याना मन्त्री

©। এই সংবিশানের অধীন প্রথম সানারন নির্বাচনের পর এই সংবিশানের ও৬ অনুচ্চেদের অধীন প্রবানমন্ত্রী নিমুক্ত না হওয়া পর্মন্ত এবং তিনি কার্মভার প্রহান না করা পর্যন্ত এই সংবিশান-প্রবর্তনের তারিখের অব্যবহিত পূর্বে যিনি প্রধান-মন্ত্রীর পদে অধিষ্ঠিত চিলেন, তিনি উক্ত পদে এবং উক্ত তারিখের অব্যবহিত পূর্বে মাঁহারা মন্ত্রী-পদে অধিষ্ঠিত চিলেন, প্রধানমন্ত্রী ভিররণ নির্দেশ না দিলে তাঁহারা সেই সকল পদে বহান থাকিবেন, মেন এই সংবিশানের অধীন তাঁহারা দ্ব দ্ব পদে নিমুক্ত হইয়াচ্চেন; তবে এই সংবিশ্বানের ও৬ অনুচ্চেদের কোন কিছুই প্রশানমন্ত্রীর প্রামর্শক্রের অন্যান্য দন্ত্রী-নিয়োগে নিবৃত্ত করিবে না।

विज्ञाबिकाल

७।(३) ३२०१२ प्रात्मक अमुग्नी प्रश्विधात आत्मिलक मुन्ना अठिं हारे कार्टिक अधात विवादः अठि-अप् पिति धवः अनुगतु विवादक-अप् प्राहाता धरे प्रश्विधात-अवर्जतक अविध्यक अवुविश्व भूवि अविधिन हिलान, जाँशका छेक अदिश्य रहेल प्राप्त अधिकिन हिलान, जाँशका छेक अदिश्य रहेल प्राप्त अप्राप्त शाकित्वत, यन जाँशका धना प्रश्विधातक २६ अनुष्हितक अधीत (प्राप्त धना विवादमनि वा विवादक -अप्त निमुक्त रहेगाहिन।

- (२) अडे प्रश्विधात- अवर्जतत कात्म माहावा अडे अनुरक्ष्मत (२) डेम-अनुरक्ष्म-अनुप्नात विवादक-भर्म (अधान विवादमिन वानिक) अधिष्ठित विवासक, जाहावा हाहरकार्ट विचाल नियुक्त हरेग़ारुन विन्मा अनी हरेवन अवह अडे प्रश्विधात्त २८ अनुरक्ष्म-अनुप्रामी आभीन विचाल निरमाभमान क्वा हरेवा।
- (७) परे अनुष्हिष्त (४) डेम-अनुष्हृष डेन्निथिं आरेनअङ कार्मभाता बुङोङ परे मर्विवान-ध्रव्हान जातिएम् अवपुविद् पूर्व रारेकार्षित प्र मकल आरेनअङ कार्मभाता भीमार्आभीम हिला, जारा रारेकार्षे विভाल स्नातु तिङ रहेरा ७ डेक विভाल मीमार्मभातीम विल्मा भन् रहेरा प्रवः परे प्रतिभाग कार्मभा विल्मा भन् रहेरा प्रवः परे प्रतिभाग कार्मभा हारेकार्षे विভालिं काम वाम वा आरम्भ रारेकार्षे विভालिं पाता प्रमुख वा कुङ वाम वा आरम्भ अवज उ कार्यकर्जा नाड कहिर्य।
  - (৪) মে সকল আইনগত কার্মধারা এই

प्रश्विधान-प्रवर्जतन जानित्यन व्यवाविश्य पूर्व शहे-कार्टिन व्याणीन विज्ञाल प्रीमार्माथीन हिन, पर्वे प्रश्विधान-प्रवर्जन शहेल थे प्रकल कार्यवाम निष्मित्वन कृता व्याणीन विज्ञाल क्ष्मानुन्त्र शहिरा प्रवर्श पर्वे प्रश्विधान-प्रवर्जतन पूर्व शहेकारित्र व्याणीन विज्ञाल कर्जृक प्रमुख वा कृष त्य कान नाम वा ज्यादम पर्वेमण क्षमण उ प्रक्षिम् नाज कनित्व, त्यन जाशा जाणीन विज्ञालन द्वागा प्रमुख वा कृष शहेमाहा ।

(७) परे प्रश्विधात्र विधानावनी पवर

अन् कान आहेन -मालिक

(क) या प्रकल आदि, आभीन ७ अनुतन्न पथित्रात ३०१२ प्रात्नत् वादलादिश् अद्याप्ती प्रदिश्चान आदिश्च -द्वारा शिष्ठि रारेकार्टित् डेमत् नामु 3 डेक रारेकार्टि कर्ट्रक प्रायाशयाम् कता ररेगाहिल (रारेकार्टित् आभीन विভाशित डेमत् नामु पथित्रात् बान्निज), परे प्रदिश्चान-प्रवर्धन रहेर्ड अनुक्रम पथित्रात् रारेकार्टि विভाशित् डेमत् नामु 3 डेक विভाश कर्ट्रक प्रायाशयाभा रहेर्य।

(७) अवसुन आमान सम्मिक्ठ परे प्रश्विवातम् प्रष्ठं जारभक् २ प्र मित्राकृ एत् विवान-वनी प्रथानीष्ट्रा प्रस्त वासुवाग्रिक करा रहेर् प्रवर्श कारा वासुवाग्रिक ना रङ्गा मर्मसु डेक मित्राक्ति विश्व प्राप्ति धरे प्रश्विवान-धवर्ठतम् अवग्वरिक पूर्व (प्रमुल निम्नुक रहेक, आरेतम् माग्रा धनीक स्य कान विवान-प्राप्तिक जारा (प्ररे-मुग्न निम्नुक रहेर्क थाकिरा।

(१) अरे अनुरक्ति प्र कान किहुरे कार्यश्रा বাতিল হওয়া সন্ধর্কে কোন প্রচলিত আইনের কার্মকরতাকে প্রভাবিত করিবে না।

9। बार्नार्म्ल्य वाष्ट्रीय मीप्रानाम कार्यव् आमोलं अधिकाव कान रारेकार (२०१२ मात्नव वाल्नाएम रारेकारि (मर्लायनी) व्याप्तलाव (२०१२ माल्यक भि.उ. नर् ०)) व्यथीन भिष्ठ आभीन विज्ञा गुर्छेड) कर्ड्क १२१) जात्नक मार्ड मारमक अथम पिवम रहेल अपनु कुछ वा खाषिछ त्य त्कान वाम, छिक्री, व्यादिश या म्राह्म विक्रांक प्रमम्भाज रम रकान वादा प्रदूष मुस्रोग कार्टित जामीन विভाश जामीन कता यारेदा:

তবে শর্ज थारक या, भरे प्रश्तिवात्तव २०० अनुक्रिप रारेकार्ट विज्ञाल रहेल आलीत्व स्वत মেমন প্রমোজ্য হয়, উপরি-উক্ত মে কোন সাপীলের क्षित जाश (अरेक्स श्राका रहेता;

एरव आवुछ गर्ड थारक त्म, परे अर्विधान-अवर्वत् जाविय रहेल नसरे पित्र प्रमाप डेडोर्न रहेल अनुक्ष कान आभीन करा याहेरा ना।

৮। (১) এই সংবিধান-প্রবর্তনের তারিথের অব্য- নির্বাচন কমিশন বহিত পূর্বে , কর্ম্বত নির্বাচন কমিশন উক্ত তারিখ ररेख अरे प्रश्विधात्म प्रामा अञिकिन निर्वाहन वनिया अना दरेरवर ।

(१) परे अश्विधान-अवर्जनत् जाविष्यत् जवा-विश्व भूर्य मिनि अवान निर्वाहन किवनात्व अरम् धवः भाँराजा निर्वाचन किनिमनार्व भरम् अधिष्ठिं हित्सन, डेक अतिभ रहेल जारावा म् मु भए वराज थाकित्वन, त्यन जारावा अरे भः विदासं अदीन अनुकाम मदा नियुक्त रहेशाह्न।

 () परे मः विधान- ध्रवर्तान जानि (भन् अयुविश्व भूर्य कर्मव्य प्रवतावी कर्म किमिनन-अमूर डेक जातिथ रहेल परे मर्विधात्व अधीत প্রতিষ্ঠিত अवकावी कर्स कविसन विस्मा अनी ररेखन।

(2) परे प्रश्विधान- अवर्यतम् अविद्यम् अवा-विश्व भूवि यिनि कान अवकाती कर्म किमानत अजामिक वा अनु कान प्रमुखाद भए अधिष्ठि

अवकारी कर्म

ছিলেন, উক্ত তারিখা হইতে তিনি দ্বীয় পদে বহান থাকিবেন, যেন তিনি এই সংবিধানের অধীন অনুরূপ পদে নিমুক্ত হইয়াচেন।

201 (२) এই সংবিধান ও মে কোন আইনের সরকারী কর্ম বিধান -সাপেক্ষে

- (ক) এই সংবিধান-প্রবর্তনের তারিপ্মের অব্যবহিত পূর্বে প্রজাতন্ত্রের কর্মে রত মে কোন ব্যক্তি উক্ত তারিশ্ম হইতে স্থীম কর্মে বহান থাকিবেন এবং এই সংবিধান-প্রবর্তনের তারিখের অব্যবহিত পূর্বে তাঁহার ক্ষেত্রে কর্মের মে শর্তাবনী প্রয়োগ্যোগ্য ছিন, তাহা অপরিবর্তিত থাকিবে;
- (भ) अरे प्रश्विधान-श्रवर्जन व्यवप्रविश्व शूर्व वाल्लाम्स्य वाष्ट्रीय प्रीमानाय मामिञ्जभाननवर्ज प्रकल विधावविज्ञातीय, निर्वाशी अ मनुनालायव कर्जभक अ कर्म घानी अरे प्रश्विधान-श्रवर्जन रहेल श्व प्रामिञ्जभानन क्रिक्त थाकितन १

(२) धरे अनुष्कु (५३) डेम-अनुष्कु एव कान किहुरे

- (क) २०१२ ज्ञात्मव वाल्लापिन जवकाव (कर्ष-विज्ञान जबूर) आपिताव (२०१६ ज्ञात्मव नि. उ. नः २) किल्वा २०१२ ज्ञात्मव वाल्लापिन जवकाव (ज्ञार्जिक क्रोनिः) ज्ञापिताव (२०१२ ज्ञात्मव नि. उ. नः ६५) ज्यवार्ज अर्मारा वावास्रमान कवित ना ; ज्ञावन

33। अरे मश्विधात्म कृतीय जम्मिता स्म সকল পদের জ্ন্য শ্পথ বা ঘোষনা পাঠের ফর্ম निर्दादिङ र्रेमार्क, त्मरे जकल भए परे उक्किलव अवीत वराल थाकिरवन, धमन एए कान गुकि भरे यः विदान- प्रवर्ठति व मन यथा भीषु अगुर यथा यथ याकित प्रमात्थ अनुसम फन्दा ममथ वा घामना माठे कदित्वन 3 माम्यमत्व वा (घाष्ट्रनाभव द्वाक्त-पान कविखन।

পদে বহান থাকার क्ता मलय

>2। अरे अश्विधालक ७२ अनुक्त् डेल्लिश्व ज्ञानीम भाजन-मरकातु अिर्छानमधूर भठेतत् कृतु निर्वाहन अनुष्ठिल ना रुउग़ा मर्यतु परे प्रश्विवान-প্রবর্তনের অব্যবহিত পূর্বে প্রজাতন্তের বিভিন্ন यमाप्रतिक अककार्य अन्ति यमाप्रतिक गुगमा आरेत्रव द्वादा अभीठ भदिवर्जन-प्रालक अवरार्ज थाकित्र।

১৩। এरे प्रश्विधान- अवज्ञान ज्यानिक भूर्व कनाताम वार्नाएल वलवर त्य कान आरेतन अधीन आता-भिज प्रकल कर 3 कि अयार्ज थाकिय, ज्य आहेरत्व प्वादा जाहाव जावज्ञा वा जाहा विहिज कता यारेल भावित।

38। मरमप् यमाक्षण विद्यानु शर्म मा क्या भर्मे परे प्रश्वियान- अवर्जतन काल क्रिज अर्थः बर्जाद्व काल परे जर्विधात्व ५१, ५२, २० 3 २) अनु (कृ ए अ मृ (इत् विधानायनी कार्यक व इरे व ना पबर प्रश्युक ज्रविल वा अक्राज्युत प्रत्काती रिप्राव रहेल त्य नाम करा रहेमाह, जहा दिई-जार बाम करा दरेमाह बलिमा भने दरेख;

अतुर्वतीं आधिक *बार्बम्*। जमृश

उत् मर्ज भारक त्य, वास्त्रेमिक यथामीव्र अस्व जांशत आक्रत-माता समानीकृष अनुक्रम प्रकल युर्ग्व अकि विवृष्ठि प्रश्माप डेमप्राण तव वावमा कवित्वन।

oc। परे प्रश्वियान- प्रवर्गत्व कात्म क्रिज অর্থ-বংদর ও তাহার পূর্ববর্তী বংদর্জনির হিমাব अभारक परे मश्विधात्न अधीन प्रशा रिप्राय-निती-कक 3 निम्तु कर् क्या अस्त अस्मा आया ररेख अवर प्रशा रिप्राव-निवीक्षक उ नियुक्तक

अजोउ हिमात्वय नियोका

अनुक्रम रिकाय प्रकारक बाद्धेमिक निकटे त्य विल्मार्टे ल्मम कवित्यम, बाद्धेमिक जारा जरमाद डेमम्मामानव बाबम् कवित्यम।

১৬। ()) परे प्रश्विधान-श्ववर्णतम् अवाविश्व शूर्व स्म मकत् प्रमाखि, मिन्समाह या सुन् श्विकाञ्जी वाश्नादिम प्रवकाव किश्वा छेऊ प्रवकारवव मह्म कान याकि वा कर्मिक्षव छेमव नामु हिन, जारा श्वकाण्युव छेमव नामु रहेरव।

नामु ११(व ।

(२) धरे प्रश्विधान- भ्रवर्गत् अया य रिठ 
भूर्व अकाउत् क्र प्रक्रकार्त् य प्रक्रम पामपामिष्ठ उ वार्वे प्रवाधिक जा हिम्म, जाश अकाउत् क्र 
पाम-पामिष्ठ उ वार्वे प्रवाधिक जाक्र भ अवगार 
भाकिर्य ।

(৩) বাংলাদেশের রান্ট্রীয় সীয়ানায় কখনও কার্মরত কোন সরকারের কোন দায়-দায়িত্ব বা বার্যবার্ষকতা প্রজাতন্ত্রের সরকার প্রচল্প প্রহর্ণ না করিলে তাহা প্রজাতন্ত্রের দায়-দায়িত্ব বা বার্যবার্ষকতা নহে কিংবা হইবে না।

39। (३) वाश्नादाल वनवर त्य कात आरेतव विधानावनीतक अरे अश्विधात्नव विधानाचनीव मरिज माम ख्रुन्य कृति कित्रवाद केल्ला परे अश्विधान-ख्रुबर्जत्व पूरे वरमाव्य माथा वाष्ट्रेमिज ज्यालाम्ब मादा अश्याधितो वा विश्वकव्यव माधाप्र जन्मम विधानाचनीत आर्माभ मश्लाधित वा विश्व किविज मादिवन अर जन्ममानाव ख्रीज ता कातमा जूजातमक जाविश्व रहेराज माधित।

(१) परे जर्बिनान- प्रवर्जन पूर्व श्राक्त करा क्रिक्त अप्रामी जार्बिनानिक वावका रहेल परे जर्बिनानिक वावका रहेल परे जर्बिनानिक विद्यानिक वावका रहेल परि अप्राम्य क्रिक्त विद्यानिक विद्यानिक विद्यानिक व्याप्त कर्मिन क्रिक्त भावित वाद्यानिक प्राम्य क्रिक्त व्याप्त क्रिक्त व्याप्त क्रिक्त व्याप्त क्रिक्त व्याप्त क्रिक्त व्याप्त व

उत्व गर्ज थारक त्य, अरे प्रश्विवातव अवीन

সরকারের সচ্চন্তি; পরিসচ্চাৎ, স্বত্ব, দামদায়িত্ব ও বাধ্যবাধকতা

आहेत्त्व डेन्यानी-क्वने ७ अनुविधा पृतीक्वन शिक प्रश्मित्व श्रम्म विकेष्कर भर अनुस्भि कान आर्म्भ ज्ञारी करा दशेष ना। (७) धर्रे प्रश्विवात्व अनु कान विवान प्रश्रु धर्रे अनुष्कृषिय अधीन श्रालुकि आर्म्भ प्रश्मित् केमित्रु करा दशेष धर्म प्रश्मित आरेन-प्राहा बादा प्रश्माधिक या विश्व दशेख भावित।

(अस्मिन्द्रवेषे अद्यान

(NULL TOTAL SOMEYS)

mach married

COUNTY MANTE THE

yezus Censiers, ontew

sound Jumes Mary

त्मान्द्रीय- प्रमादक्रीतमात्र

(ELEGUICANTENCIA)

BUENOUS HOUNEL

420 ms 12 /20/20

5/2384 3/12

Ere evature

yearen could

- by you - wise & Eminary -

MINNE SE

किर्देश किर्म

Ospany Leson grow

(2000 Demonary

(THE ENS) - (SURE ENS) - (SURALUS)

sus (misson butter.

mongenan In amvant जाउएका कु गुर्मेच मैंड्रेडंग-Min 1 thy sees in 10 Erenipies existance on me sun sur a हिन्द्रकार अवस्था अवस्था अवस्था । जिलाहार 3 sis sign 5000 N26/2 नेसकार कुट्ट हार्किशasson of fail miles 2000 100 mm Colde aven Zu. MANDED . ELEMANDE greste struct PL: ONNEW (32 Miles on sea--108 19 × 107 20 0 5 80surggens not will - dien Curadans and grade derso Essa prografications In: hojana Turnpin warmer Avisy w Low undCONTRA CHECKER 24.21 moder were men me ार्षाम् म्यान्त्राम् एत्रम् 31820 3388 (मार्थिस प्रम्कुड्य-- said Griana केट्रेंग Verses regar water Ind form of and shiren rapides when gooder sollie. 37: 243 N 2/3 In you muy 2012/192 52/1956-व्यक्तिय अविष्यान Graza zamadas. Trage Ingla 37Ch JYAN INGN 67835 W BUND ENS 67835 W BUND my le zuellente mog or sures The same Experience arrange most specificant

Dushams missing Sueris Eins Zult Sid -109- & 618 UN: NE 4 Kodas Zenali grand coluzare and que by suden elaste graen. 2000 delle The Town Trans Confou Emm 3234 51 M M 2 6918 9-Owed - asurya-कार देहे मान कर देशक कार के के कार कर देशक and and manar Stoom bound MA FROM (EH : - 211/4) STWS LI WHI gra wies offer उत्रमिस द्यमम JOHN STANKE थाद्यीन-(२५(धन oto drava - Asym ज्यात्मवय द्रभण्यत्मshe com sur im MEEN 435-1musdenn-

(prosessopries ) mayor - pigo en 20 é orange e orange courses ound oness edouse अभाष्ट्रात - क्यान्त्र न प्रमार्थित (राम महार्थित) moneyone MANDERS, CAMPA. いちとからないないとかしまれて MUNE WORK INEN EN LEN EN L Samen march (09 gell T, TEGMEN WITH THE arounder from une ~ Your men a week on " Ve Jog H. grows or Brit -Errans - Oury - (Herry Jakis sames OMERS BAN SE Wright ar magasi Throme gans, त्यः क्षः भड्डाः अत्रत्युत्तर्भ France James Scamon Chingson June 3. 10. 25° men 3.30 Zaran hom 3 man 7. (4. 181, 2012 2 m 20 and make 2 minum 2000 ( 6) 86

more armorable 2, (a, 24, अग्रत्व अम्मी ने कि कर, महाअवस्था १३, उत्याप (राम्यादीहरी-93, जी उत्ती भी देख Arry 200 -Che Orisite ouy 221821254N By Just 28/21/85 87350 BARA 320m33 32 WW = 8/27/92 अरः पद्भरः प्रमाणकः GST. G. 27(24 (20 27) TRIGER 246MMM 28/12/92 Ass. I, on compthem अस्माय रावेलकार्व व्याच्या (भ्रष्टिंग) यम प्य. मारेप 4 By Bing consten न्यम्याक्षेत्रक FRENZTE LE SAD ट्य अर्घ महत्वहरू क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र 40 खाउ द्वाराय कार्य विश्व १५ Coros 2000 500 magiz an ansis Mar. 25 mys april april ると

26/20 ELY 4 3 MAN ON 302 CON-- shype, Usreens rues owner born १००विकाराजी प्राप्त हिंदिन ल्यान 1000 JONDUNE WHITOPS DI- (SOUTHER OUT THUSvermontone minoripants: NO 18801 MARIE LA DE LA MARIE LA MARIENER यममन्त्रामान अभितामामान्य क्षेत्रामामान्य निष्ट श्रमान्य -न्मेर्डिड म्स् प्रकार माः १ मार्थित मुन् होंग्र (30,77, Brits is me Commer Consider ansus Los m zahuna Cumbus Systablia 25-42010: LAZIA JZW MENT JEM ZHOWF अभी मिरिया हिर्देशक हिर्देशकी swine ( menne- engl grin housing sigh-

Yearly Jose & Shar me pundadym : in अभित यहमात Lise De John - Copy - ( and (1993) (or ceds dampe Jan 2xms coto 9-क्षित्रकार्या द्रामान्त्रकृते चित्रम देश्येन व्यक्तम ส่องพว่าเสรา-क, भूम, महर, उड्यापुर तका तहारी-Hongoms - morne my Epelot was sign glass. of Branza Thomas correction another-काळी ग्राम कार करा - WE European gran Lamer 2002 Cararagoper. 203 MJ - 35204 -8432NJOND YONDONZ judhisishmerm (swine) Brus 2/03 2109) - whore should be

जीत्व स्पर्धाङ्ग भार

200

Las courses on

Memony. ARTA FENNER Ouzusigitrise Nighisonn 21: Ruhis. omn राः स्ट्रिन दिल्लिन राष्ट्रिण greyn and or some grago-ansm-स्मिन (प्रमध्य किर्देश-26: 5 500 du 55/ AL: ENGLE SENT Socarrines inter were ofthe र्थेटः द्रेमाञ डेम्प्रेन आसर्गनक, I. (mas or Rowlan. of Exelle Outstrayed May . Langamy. र्स, ठ्रिक्ट स्टूट स्टूट स्टूट के स्टू 4341964) 20144 (AH) - fayenress 127/400-Lide Brushuls way for (gramming regul This Mahmin of the Canada in the whole 909

ENGLACONEMODERED -FREM TREAT WARENT) Lymenous my de ENDERSONE EGINA Cरायं (जार हाले में से प्रग्र 184; out of 1851 Egra, c, re raterica en mark siste (nussus (sunt a 22 Mary) W. श्राक में कार्य : NA - Just we talk 24, 2, 更为对 क्षित्र कार्य है। व्यावपुत्र वार्षिय निर्मादिकी-Can: Grandmost. Cas. swan 322. (Solamorey 332 SNAVERN Mr. Gran wash िमः ज्यापुनित इमला ग्रम our ou row i shore . NV 31: (211: Mars 12, 2

The entry of BACHA CHAMONE

ber: mountainers ट्रिया क्रेम्ड्राक (अध्वर्षण आ्ट तम कुर्मध्य रक्षाः र्याप्टर 1822: 5042 July (200) - (24: 22 may) spris earle inthe CM: Court was now IN: 32 July (SM John Bul) (१): डेक्ट ह स्कार्ड क्यार कार मर्बक प्रश्नमाम CMI अट्रें वं की सार (उराधीतमा प्रमण्डर) CHI: MINING THE THE THE SANT CO. MINING WAREND THE CHANGE WAREND ्याः दिगाविक्षणात्रास्ता (साः सर्देशस्य द्रमान् (24: 200 sporme (M: 18 2500 - CESAS (1084)-(ZUZ 1 [ | Kris a chiasmin ) (Zu: Dama re (भा: 1000 (राम्या दाम: दक्षाला (क्षात्म ३ क

o (C) Property

ट्याः स्थानिन Mostly 2003/2 July sul न्द्रापः तथाकार्यक्रियमी (FU: (ENMLOSCIEN/A-2 Jasistus, sum June alets: 175) Morram Brot (Mis Teles Deres De ald PALLS) - 400mm (A) : 15 (CH: (ELMSMERZIM) of yoursenswaren BU: Syste good form commission das - Ling o Be - Lingles 8- 8-18 - Hitt - MEHHOR surendurare May-(311: such sider 320 18mil. (2015) seut. Que des isone + (M: moun me nt. Bu: suchina secure (उप: अपराम्म (उप्राप्त क्षित्र) क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार क्षेत्रकार का का क्षेत्रकार का का का का क्षेत्रकार का M: The rose of me Prinsment Cresson goding

BLEWN Wind gris on - (met suting messell ENEWARD COMPANY SERVED My Jak to East Strake (212AM - SHEYN WARM BUTUR- 33 ST T GOOD -(24/5/18/19/ 54/8 y 20/1/2) िरायात्रक कर्मनिक BUS 134 SINGUM DULLE STAR 2018-क्षाराभाग आसिए 43 20 July 80 -21: CENTICAN. S SHIPLER work sympasse. ELESAETAN (SHIVELED OS २२वी ग्रेस्टिक्स र यह राष anginta Lonan Mark Strenfor. LAND. EL ON MAN DOBLES BUSINESS दियाः इधविद्या त्याच्या याद्वीम व्याप्तस्य socka whence was every SH-120 (ZIN: 249 HAGE ZIM- BERN- CS SH REG (MY OWN (MW 200

of amounted the X myle war 294NA vig 2 his no man best Cari Cerenan Eduasurramewho an' 2) 3 123 m mi mi Ma monderment. 2 2097 July (40) -PRINT BURNEW SUMMI) PROLE MEENMAND OLINE awangarewarm अरिष डेप्पूर व (विकार) sur words who MEND ELOLENS WAR उपाई (स्प्रधारमा विख्यंसाung so amon ry XV12 द्वारी देखान - Jekly eleme where EMS 12 15 20 100 राउत्राप्ति अन्य क्यास्य क्यास्य 21: Carr Walder James Caramyandung (भाः अवकरा (स्पर्णाधन

206

(सर: अग्रहस्यsomezu Esteret Chushum (grig sistere I NAVY WEAR Runding to godiens Male ente -War Oba Onzyson-Mens refresher 31: = LLS. (MSLSINISLING. smesser Erenario sur ENELLA COSSIUME Can Immissi & (suby 2) Care as on your-Aust Funde Flost -(Rish recomme some asold-माभाष्ट्रिक इंडिम्म - Vierensons -EN: ENDE SULTANA CITE ENS द्स्या (सर अर्डेश्य ड्राम्स्य (Zurd Maerty notiment Jan, Jan, Ko, Cary Fargu irmiser 15(Mich & rosamorsmens Jang 2 sasses grang

win Jumo Brumi 5/20 wern Sam and aunder fune redice 200021 NUM) - 12511-The Emile Emil 5 Mas 52 Dec 2 8 ho 27 3 Not (3 th ho zur on my my 51: 1878 paray 310m 10: 300 (Darbon Dillower) ming & mar - 20 Mu-

900

ज्ञानका इ হাশেম খান

লিপিকর ঃ এ, কে, এম, আবদ্ধর রউফ

ज्ञावधानः जयन्त व्यादमीन

জনাব্ল ইসলাম সমর্বজিং রায় চৌধ্রী আব্ল বারক আলভী

চামড়ার কাজঃ সৈয়দ শাহ্ আব্ শক্ষি

भ्रमुणः वाश्लादम्भ अत्रकाती भ्रमुणालम्

(নকসী কাঁথা মন্দ্রণঃ ইস্টার্ণ রিগাল ইন্ডাস্টিজ লিমিটেড, ঢাকা)